वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2018-19

वार्षिक प्रतिवेदन

2018-19

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

अनुक्रमणिका

पृष्ठ

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय : एक परिचय	3
संस्थागत ढाँचा और 2018–2019 के दौरान बैठकें	4
विद्यालय के प्राधिकारी	5
निदेशक एवं शिक्षण संकाय	6
राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में प्रशिक्षण	7
तकनीकी विभाग	10
पुस्तकालय	12
वर्ष 2018–19 की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ	14
अन्य गतिविधियाँ	19
वर्ष 2018–19 के दौरान शैक्षिक गतिविधियाँ	21
छात्र प्रस्तुतियां	30
सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (सीईपी)	39
रंगमंडल	41
संस्कार रंग टोली (टीआई ई कं.)	45
विस्तार कार्यक्रम	48
राजभाषा विभाग	50
प्रकाशन कार्यक्रम	51
रा.ना.वि. बेंगलुरू केंद्र	52
सिक्किम रंगमंच प्रशिक्षण केंद्र, गंगटोक	56
थिएटर-इन-एजुकेशन स्कंध, त्रिपुरा	59
रानावि का वाराणसी केंद्र, वाराणसी	64
रा.ना.वि. संसाधनों की स्थिति : एक नज़र में	70
नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा जारी पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट	75
वर्ष 2018–19 के लिए वित्तीय रिपोर्ट	80

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

विश्व की अग्रणी नाट्य प्रशिक्षण संस्थाओं में से एक, और भारत में अपनी ही तरह के एकमात्र संस्थान, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की स्थापना 1959 में संगीत नाटक अकादेमी द्वारा की गई थी। बाद में वर्ष 1975 में ये एक स्वायत्त संस्था बनी जो कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा पूर्णत: वित्त पोषित थी। रानावि का उद्देश्य नाटक के सभी क्षेत्रों में स्नातक एवं स्नाताकेतर स्तर पर शिक्षण के उपयुक्त तरीक़े विकसित करना है जिससे कि भारत में रंगमंच शिक्षा के उच्च स्तर स्थापित किए जा सकें। रानावि दिल्ली द्वारा स्नातक के उपरांत तीन वर्षीय रंगमंच प्रशिक्षण दिया जाता है। बाह्य पहुँच कार्यक्रम के अंतर्गत रानावि द्वारा नाट्य कलाओं में शिक्षण एवं प्रशिक्षण के तीन केन्द्र, अगरतला, बेंगलुरु एवं गंगटोक में खोले गए हैं।

विद्यालय का एक प्रस्तुति स्कंध है- रंगमंडल, जिसकी स्थापना वर्ष 1964 में व्यावसायिक रंगमंच एवं नियमित प्रायोगिक कार्य के लिए की गई है। रानावि के प्रस्तुति स्कंध थिएटर-इन-एजुकेशन कंपनी (जिसका नाम अब संस्कार रंग टोली है) द्वारा बाल रंगमंच को प्रोत्साहित किया जाता है। इसकी स्थापना वर्ष 1989 में की गई और यह स्कंध बच्चों के लिए नाटक तैयार करने, दिल्ली के विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशालाओं का आयोजन करने और बच्चों को शनिवार/रविवार (संडे क्लब) द्वारा भी प्रोत्साहित करने में सक्रिय रूप से शामिल है। वर्ष 1998 से फ़रवरी माह के दौरान विद्यालय द्वारा भारत के अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच समारोह का आयोजन किया जाता है जिसमें देश एवं विदेश से रंगमंच समूहों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों का प्रदर्शन बड़े पैमाने पर आम जन समूह के लिए किया जाता है।

वर्ष 1978 में एक लघु आवधिक शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई जिसका नाम 'विस्तार कार्यक्रम' रखा गया, जिसके अंतर्गत विद्यालय द्वारा स्थानीय रंगमंच समूहों/कलाकारों के साथ मिलकर देश के विभिन्न भागों के रंगमंच इच्छुकों के लाभ के लिए रंगमंच के विभिन्न पहलुओं पर कार्यशालाएं आयोजित की जाती है। ये कार्यशालाएं 15-90 दिनों तक की होती हैं और ये सर्वदा उस स्थान की स्थानीय भाषा में ही होती हैं। कार्यशालाओं को मुख्य रूप से तीन वर्गों में विभाजित किया जा सकता है- प्रस्तुतिपरक कार्यशाला, प्रस्तुतिपरक बाल कार्यशालाएं और रंगमंच में शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम। विद्यालय द्वारा रंगमंच पर पाठ्य पुस्तकें भी प्रकाशित की जाती हैं और रंगमंच पर महत्वपूर्ण पुस्तकों के अंग्रेज़ी से हिन्दी अनुवाद की भी व्यवस्था की जाती है।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र जैसे उत्तर-पूर्व के 8 राज्यों में रंगमंच के विकास के लिए रानावि विभिन्न रंगमंच कार्यशालाओं, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के रंगमंच निर्देशकों द्वारा तैयार किए गए नाटकों के रंगमंच समारोह का आयोजन करता है जिसमें उनके नाटकों को उत्तर-पूर्व क्षेत्र से बाहर, देश के अन्य भागों में प्रस्तुत किया जाता है।

भारत सरकार की एक नई योजना ट्राइबल सब-प्लान के अंतर्गत, रानावि द्वारा देश की जनजातियों को प्रोत्साहित एवं उनके विभिन्न कलारूपों को संग्रहित करने के लिए समारोह किए जाते हैं जिनमें विभिन्न जनजातीय प्रधान स्थानों पर जनजातीय समारोह जैसे आदिरंग महोत्सव - नृत्य, संगीत, रंगमंच एवं शिल्प के राष्ट्रीय जनजातीय समारोह का आयोजन किया जाता है।

संस्कृति मंत्रालय के सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत, रानावि अपनी प्रस्तुतियों/छात्रों/संकायों के साथ सम्मेलनों/उत्सवों में प्रतिभागिता करने के लिए विदेशों में जाता है, जहाँ इन्हें प्रदर्शित किया जाता है और इसी प्रकार विदेशी रंगमंच विद्यालयों के प्रतिनिधिमंडलों/प्रस्तुतियों को रानावि, भारत में आमंत्रित किया जाता है।

संस्थागत ढाँचा
एवं
वर्ष 2018-19 की बैठकें-रा.ना.वि. सोसायटी, शैक्षिक परिषद् व वित्त समिति

रा.ना.वि. सोसायटी	शैक्षिक परिषद्	वित्त समिति
प्रभारी अध्यक्ष एवं सह-अध्यक्ष अर्जुन देव चारण (नाटककार) **वित्तीय सलाहकार व** **अतिरिक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय** बिपिन बिहारी मल्लिक (28/6/2018) अली आर. रिज़वी (16/8/2018) धर्मेन्द्र सिंह गंगवार (29.10.2018 से 22.02.2019) **संस्कृति मंत्रालय के प्रतिनिधि** ***संयुक्त सचिव*** निरूपमा कोटू (28 जून, 2018 से) **सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रतिनिधि** ***संयुक्त सचिव*** अशोक कुमार आर. परमार **निदेशक, एफ.टी.आई.आई., पुणे** भूपेन्द्र कैंथोला **रंगमंच विशेषज्ञ** ***(दो रंगमंच विशेषज्ञ, एक संगीत नाटक अकादेमी के कार्यकारी बोर्ड द्वारा नामित और दूसरे विशेषज्ञ रा.ना.वि. के शैक्षिक परिषद् द्वारा दिए गए नामों के पैनल में से रा.ना.वि. सोसायटी द्वारा नामित)*** रुद्रप्रसाद सेनगुप्ता (संगीत नाटक अकादेमी द्वारा नामित) **संस्कृति के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यक्ति** ***(अध्यक्ष, रानावि सोसायटी एवं निदेशक, रानावि के परामर्श से भारत सरकार द्वारा नामित)*** कमलेश दत्त त्रिपाठी बिमल कुमार लाठ **रा.ना.वि. संकाय की प्रतिनिधि** हेमा सिंह एसोसिएट प्रोफ़ेसर (अभिनय) (29.10.2018 तक) अब्दुल लतीफ खटाना एसोसिएट प्रोफेसर (अभिनय) एवं प्रमुख, टाई कंपनी (30.01.2019 से अब तक) **रा.ना.वि. स्नातक** उत्तरा बावकर **सदस्य-सचिव** ***निदेशक, रा.ना.वि.*** वामन केन्द्रे (26.09.2018 से अब तक) **निदेशक प्रभारी** सुरेश शर्मा (26.09.2018 से अब तक)	**अध्यक्ष** वामन केन्द्रे, निदेशक, रानावि (26.09.2018 तक) **निदेशक प्रभारी** सुरेश शर्मा (26.09.2018 से अब तक) **सदस्य** सत्यब्रत राउत बाहरूल इस्लाम शफ़ात ख़ान नवदीप कौर योगेन्द्र चौबे हेमा सिंह दिनेश खन्ना महेश चंपकलाल अमरजीत शर्मा **छात्र प्रतिनिधि** अविजित सोलंकी (28.05.2018 तक) श्रुति (27.01.2019 से अब तक) **शैक्षिक परिषद्** 27.01.2019 11.03.2019	**अध्यक्ष** बिपिन बिहारी मल्लिक (28.06.2018) अली आर. रिज़वी (16.08.2018) धर्मेन्द्र सिंह गंगवार (29.10.2018 से 22.02.2019) ***(वित्तीय सलाहकार व अतिरिक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय)*** **सदस्य** के. डी. त्रिपाठी अर्जुन देव चारण निरूपमा कोटू **निदेशक, रा.ना.वि.** वामन केन्द्रे निदेशक, रानावि (26.09.2018 तक) सुरेश शर्मा (26.09.2018 से अब तक) **वित्त समिति** 25.06.2018

बैठकें रा.ना.वि. समिति
28.06.2018
16.08.2018
29.10.2018
30.01.2019
22.02.2019

विद्यालय के प्राधिकारी एवं अधिकारी

अर्जुन देव चारण
उपाध्यक्ष एवं कार्यकारी अध्यक्ष

वामन केन्द्रे
निदेशक
(26.09.2018 तक)

सुरेश शर्मा
रंगमंडल प्रमुख एवं प्रभारी निदेशक का अतिरिक्त प्रभार
(26.09.2018 से अब तक)

प्रदीप कुमार मोहन्ती
रजिस्ट्रार

सुरेश शर्मा प्रमुख, रंगमंडल	**अब्दुल लतीफ खटाना** कलाकार प्रभारी, संस्कार रंग टोली	**ओ. पी. सागर** उप रजिस्ट्रार

विभागाध्यक्ष/अनुभागाध्यक्ष

शांतनु बोस
संकायाध्यक्ष (शैक्षिक मामले)

अनिल श्रीवास्तव
पुस्तकालयाध्यक्ष

पराग सर्माह
प्रस्तुति प्रबंधक

चेतना वशिष्ठ
सहायक निदेशक (राजभाषा) (तदर्थ)

एस. मनोहरन
ध्वनि तकनीशियन

दीपक कुमार
फोटोग्राफर

गोविन्द यादव
मंच प्रबंधक

सी. डी. तिवारी
लेखाधिकारी

मनोज रमेला
व्यवसाय प्रबंधक

नवीन बिष्ट
सहायक रजिस्ट्रार (प्रशा.)

ए. के. बरूआ (दिसंबर, 2018 तक)
सम्पदा प्रबंधक

मनीष यादव (जनवरी, 2019 से)
सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.)

बी. एस. रावत
सहायक रजिस्ट्रार (तदर्थ) रंगमंडल कंपनी
(20 मार्च से अब तक)

यूजिन तिर्की
सहायक रजिस्ट्रार (तदर्थ) टी.आई.ई. कंपनी
(20 मार्च से अब तक)

निदेशक एवं अन्य शिक्षण संकाय

निदेशक
वामन केन्द्रे
(26.09.2018 तक)

प्रभारी निदेशक
सुरेश शर्मा
(26.09.2018 से अब तक)

प्रोफ़ेसर

त्रिपुरारि शर्मा	अभिनय (जुलाई, 2018 तक)
अशोक सागर भगत*	रंगमंच स्थापत्य

एसोसिएट प्रोफ़ेसर

अशोक सागर भगत	रंगमंच स्थापत्य
हेमा सिंह	अभिनय
अब्दुल लतीफ ख़टाना	अभिनय
दिनेश खन्ना	अभिनय
अमरजीत शर्मा	मंच टैक्नोलॉजी
अभिलाष पिल्लई	अभिनय
शांतनु बोस	विश्व नाटक

सहायक प्रोफ़ेसर

अमितेश ग्रोवर	विस्तार कार्यक्रम
मो. अरुण मलिक	मंच शिल्प
मो. अब्दुल कादिर शाह	गति संचालन (दिसंबर, 2018 से अब तक)
श्री दीपांकर पॉल	प्रकाश (दिसंबर, 2018 से अब तक)

कृपया देखें संकाय सदस्य के नाम पर * है वे प्रोफ़ेसर पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त हैं।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में प्रशिक्षण

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नाट्य कला में तीन वर्षीय पूर्णकालिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाता है।

लक्ष्य

पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को रंगमंच अभ्यास के लिए तैयार करना है। इसके लिए विभिन्न प्रकार की व्यावहारिक निपुणताओं को विकसित करना और ज्ञान के भंडार को अर्जित करना होता है। जैसा कि अध्ययन के सभी क्षेत्रों का अलग-अलग मूल्यांकन किया जाता है, और प्रत्येक क्षेत्र में उच्च स्तरीय कार्य की अपेक्षा की जाती है, पाठ्यक्रम का सर्वाधिक महत्वपूर्ण उद्देश्य सृजनात्मक कल्पना की अमूर्त धारणा को विकसित करना और एक ग्रुप की सामूहिक संरचना में उसे अभिव्यक्त करना है।

अध्ययन के विषय

आधुनिक भारतीय नाटक

- 19वीं शताब्दी के मध्यकाल से समकालीन रंग परिदृश्य पर बल देते हुए आधुनिक भारतीय रंगमंच का विकास
- क्षेत्रीय भाषा रंगमंच : सिद्धांत और अभ्यास

प्राचीन भारतीय नाटक और सौन्दर्यशास्त्र

- भारतीय सौन्दर्यशास्त्र का ज्ञान, संस्कृत नाटक का इतिहास, चुने हुए संस्कृत नाटकों का विस्तृत विश्लेषण और नाटकीय संरचना में नाट्यशास्त्र की व्याख्या, प्राचीन काल में इसकी प्रस्तुति और इसके दर्शक और समकालीन रंगमंच में इसका महत्व।

विश्व नाटक

- रंगमंच के मुख्य समालोचनात्मक सिद्धांतों का अध्ययन और इतिहास के विभिन्न कालों से लिए गए लिखित और प्रस्तुति-पाठ पर इनका अनुप्रयोग। एशियन, अफ्रीकन, अमेरिकन और ऑस्ट्रेलियन रंगमंच का मुख्य फोकस यूरोपियन रंगमंच के साथ परस्पर संदर्भ पर है।

वाणी और संभाषण

- श्वास नियंत्रण, स्पष्टता और श्रव्यता प्राप्त करने के लिए संभाषण का अभ्यास। इसका उद्देश्य मंच के लिए वाणी और संभाषण में आलाप और इसके प्रसार में प्रभाव पैदा करना है, जिससे छात्र, प्रस्तुति के दौरान भिन्न-भिन्न पात्रों की आसानी से भूमिका निभा सकें।

योग

- आसनों, क्रियाओं और प्राणायाम के अभ्यास द्वारा योग का उद्देश्य शारीरिक स्वास्थ्य, सतर्कता, शालीनता, एकाग्रता बढ़ाना और वाणी और श्वास की क्षमताओं का संपूर्ण उपयोग करना है।

गति संचालन

- सिद्धांत, व्यवहार और उनके मार्गदर्शन में आधुनिक गति संचालन की प्रवृतियाँ।
- **शिल्प शास्त्र** और **नाट्य शास्त्र** के सिद्धांतों का अध्ययन।

- मस्तिष्क और शारीरिक भाव भंगिमाओं जैसे संकेतों, भंगिमाओं और गति संचालन के माध्यम से मानवीय अनुभव और गतिविधियों की अभिव्यक्ति।
- व्यक्तियों, वस्तुओं और नाटकीय सामग्री की अभिव्यक्ति और शारीरिक भाव भंगिमाओं द्वारा अभिनय (भारतीय पारंपरिक अभिनय सिद्धांत)

रंग संगीत

- इसका उद्देश्य विभिन्न ध्वनियों और लयात्मक पद्धतियों की जानकारी के माध्यम से छात्रों की सांगीतिक संवेदनशीलता में अभिवृद्धि और इसे नाटक के सिद्धांतों और अपने परिवेश के अनुसार विकसित करना है।
- रंगमंच के विशिष्ट प्रयोगों पर आधारित सौंदर्य शास्त्रीय शैली में और 'समग्र रंगमंच' की अवधारणा में मंच संगीत के भावों को आत्मसात कराना।

अभिनय और तात्कालिक प्रदर्शन

- कलाकारों के अंगाभिनय और वाणी को आकार देकर, उनकी संवेदनाओं और कल्पनाओं को तराशकर और उनके भावनात्मक स्रोतों को संजोकर वैयक्तिक प्रतिभा को बाहर लाना, उसे ढालना और परिष्कृत करना।
- परिवेश और अनुभव के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अभिनय में तकनीक और कौशल को ठोस आधार प्रदान करना।
- अभिनय के प्रमुख संहिताबद्ध सिद्धांतों और पद्धतियों को छात्रों के लिए उपलब्ध कराना।

रंग स्थापत्य

- दक्षिण पूर्व एशिया, चीन और जापान के नाट्यशास्त्र में रंगमंच के विभिन्न रूपों पर विशेष बल और पूर्व के रंगमंच का विकास।
- पूर्व के समसामयिक रंग-स्थापत्य और मंच परिकल्पना, विशेषकर भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप यायावर और सिथर मुक्ताकाश रंगमंच और अन्य स्थापत्य परंपराएं।
- पश्चिम में यूनानी युग से लेकर आधुनिक काल तक रंगमंच के रूपों और मंच परिकल्पनाओं का उद्‌भव।

दृश्य परिकल्पना और मंच शिल्प विज्ञान

- अभिकल्पना के संबंध में अवधारणाएं और दर्शन।
- मंच अभिकल्पकों के विचार तथा उनकी पद्धतियां।
- मंच निर्माण तथा मंच तकनीक।
- मंच-परिकल्पना तथा मॉडल निर्माण के मूल आधार।

वेशभूषा परिकल्पना

- वेशभूषा, उसकी अर्थवत्ता और शैली का इतिहास।

मंच प्रकाश

- प्रकाश व्यवस्था के उद्देश्य।
- प्रकाश योजना।

- प्रकाश उपकरण।
- विद्युत और स्विच बोर्ड नियंत्रण के लिए बुनियादी अध्ययन।

प्रस्तुति प्रक्रिया

- रंगमंच की भाषा को विकसित करने के लिए तकनीक और संवेदनशीलता।
- संगीत, मंच सामग्री, मंच और प्रकाश व्यवस्था को शामिल करते हुए इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर अपनी कल्पना को विकसित करना।
- नाटकों की संरचना को समझना और इसे विकसित करना।

मूल्यांकन पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं

- उक्त पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त विद्यालय, छात्रों के लिए भारतीय कला एवं संस्कृति, समाज विज्ञान, दर्शनशास्त्र एवं इतिहास के विभिन्न पक्षों पर मूल्यांकन पाठ्यक्रम और कार्यशालाओं के सत्र आयोजित करता है।

तकनीकी विभाग

छायाचित्र एवं प्रलेखन एकक

अधिकांश छात्र प्रस्तुतियों और रंगमंडल प्रस्तुतियों की वीडियो फ़िल्में और फोटोग्राफ अभिलेख के लिए संग्रहित और सुव्यवस्थित ढंग से संरक्षित किए जाते हैं। छात्रों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यशालाओं की कार्यवाहियों की भी वीडियो फ़िल्में और फोटोग्राफ तैयार किए जाते हैं जिससे कि आगामी कार्यक्रमों में उनका उपयोग किया जा सके।

विद्यालय ने अपने छायाचित्र और प्रलेखन अनुभाग के लिए कुछ अत्याधुनिक स्टिल कैमरे और वीडियो सिस्टम लिए हैं। ये कैमरे, रिकॉर्डिंग उपकरण, सम्पादन पैनल, डिस्प्ले टर्मिनल और अन्य परिष्कृत उपकरणों से सुसज्जित हैं।

प्रकाश स्टूडियो

प्रशिक्षण के लिए एक सुसज्जित प्रकाश स्टूडियो विशेष रूप से तैयार किया गया है।

काष्ठकारी कार्यशाला

पिछले वर्षों में विभिन्न प्रकार के मंच निर्माण और मंच सामग्री के लिए एक विस्तृत प्रणाली स्थापित की गयी है। इस एकक के पास मंच निर्माण की जानकारी से युक्त कुशल कर्मचारी हैं जो कि रंगमंच प्रशिक्षण की प्रणाली में दुर्लभ मिलते हैं।

वेशभूषा विभाग

इस एकक में पिछले 50 वर्षों के दौरान विद्यालय के छात्रों, रंगमंडल, संस्कार रंग टोली द्वारा प्रस्तुत सभी नाटकों की वेशभूषाओं और मंच सामग्री को संरक्षित रखा गया है। प्रत्येक शैक्षिक वर्ष में विद्यालय की इन वेशभूषाओं और सामग्री के संग्रह में निरंतर वृद्धि होती रहती है।

प्रोपर्टी विभाग

इस एकक में पिछले 50 वर्षों के दौरान विद्यालय के छात्रों, रंगमंडल, संस्कार रंग टोली द्वारा प्रस्तुत सभी नाटकों की मंच सामग्री को संरक्षित रखा गया है। प्रत्येक शैक्षिक वर्ष में विद्यालय की इन मंच सामग्री के संग्रह में निरंतर वृद्धि होती रहती है।

ध्वनि स्टूडियो

संगीत, व्याख्यानों और प्रस्तुतियों की रिकॉर्डिंग के लिए उपकरणों से सुसज्जित ध्वनि स्टूडियो हैं जिसमें रिकार्डर, मिक्सर, फुलट्रैक टेप रिकार्डर, माइक्रोफोन और स्पीकर हैं, जो अनुभवी तकनीकी स्टाफ द्वारा चलाये जाते हैं। स्टूडियो में उपलब्ध इन सुविधाओं का लाभ विद्यालय के छात्र, रंगमंडल और संस्कार रंग टोली उठाती है।

पुस्तकालय

पुस्तकालय

संकलन

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का पुस्तकालय, रंगमंच और नाटक के क्षेत्र में एक विशिष्ट पुस्तकालय है। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के पुस्तकालय में रंगमंच और नाटकों पर दिल्ली के बाज़ार में जो भी पुस्तकें उपलब्ध हैं उन्हें संग्रहित किया गया है। पुस्तकालय में दिल्ली के बाहर के और विश्व के सभी भागों से नाटकों और समालोचनाओं को सुरक्षित रखने का प्रयास भी किया जाता है। इसमें मुख्य रूप से नाटकों व इससे संबंधित क्षेत्रों की सामग्री को संग्रहीत किया जाता है। इनके अंतर्गत शामिल विषय निम्न हैं :-

नाट्य कला के विषय :

1. सभी आधुनिक भारतीय भाषाओं, संस्कृत और अंग्रेज़ी में नाटक
2. नाटकों और नाटककारों पर समालोचनाएं
3. भारत और विश्व में रंगमंच का इतिहास और समालोचना

तकनीकी संग्रह :

1. नाट्य निर्देशन (प्रस्तुति)
2. अभिनय, गति संचालन और मूकाभिनय
3. भाषण शैली और वाक् प्रशिक्षण
4. मंच परिकल्पना, प्रकाश और रूप सज्जा
5. रंगमंच स्थापत्य
6. भारतीय एवं पाश्चात्य की मंच वेशभूषा की परिकल्पना

नाट्यकला से संबंधित क्षेत्र निम्न हैं :

1. संगीत व नृत्य, और बैले व ऑपेरा (भारतीय और पाश्चात्य)
2. योग और शारीरिक शिक्षा
3. फ़िल्म, टेलीविज़न और रेडियो तकनीक
4. अभिकल्पना और ग्राफिक्स
5. फोटोग्राफी
6. ललित कला
7. सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास व मानवशास्त्र (भारतीय और पाश्चात्य)
8. धर्म और दर्शनशास्त्र
9. फर्नीचर और आंतरिक सज्जा
10. बाल नाटक, कथा-कहानी, कविताएं और स्कूल समुदाय की रंगमंच पुस्तकें

पाठ्य पुस्तकें :

1. हिन्दी एवं अंग्रेज़ी नाटक (भारतीय एवं पाश्चात्य)
2. हिन्दी एवं अंग्रेज़ी उपन्यास (भारतीय एवं पाश्चात्य)
3. जीवनियां एवं अभिनेताओं की जीवनियां
4. कविताएं (भारतीय एवं संस्कृति)
5. भारतीय साहित्य

जहाँ तक पुस्तकों के संग्रहण की गुणवत्ता की बात है, यह उल्लेखनीय है कि हिन्दी या अंग्रेज़ी में नाट्यशास्त्र पर कार्य करने वाले शोधकर्ता छात्र पुस्तकालय में उपलब्ध सामग्री का अक्सर प्रयोग करते हैं। ये शोधकर्ता छात्र न केवल दिल्ली से बल्कि देश के अन्य राज्यों और विदेश से भी आते हैं। वर्तमान में सूचना के साधन के रूप में केवल पुस्तकें ही पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं है बल्कि अंग्रेज़ी और हिन्दी में रंगमंच पत्रिकाएं, रिपोर्ट्स, पुस्तकालय सॉफ्टवेयर से संदर्भ सूची, इलैक्ट्रॉनिक कैटलॉग, साइक्लो. स्टाइल्ड पटकथाएं और फोटोकॉपी सामग्री भी उपलब्ध हैं जिनका अधिक से अधिक प्रयोग किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2018-19 में पुस्तकालय में कुल पुस्तकें :

कुल पुस्तकें : **31,128**

पुस्तकालय द्वारा मंगाई जाने वाली कुछ महत्वपूर्ण पत्रिकाएँ, समाचार पत्र निम्न प्रकार से हैं :

द एशियन थिएटर जर्नल, मॉडर्न ड्रामा, नटरंग, मार्ग, साइट ऐण्ड साउंड, संगीत नाटक जर्नल, संगना, द ड्रामा रिव्यू- (टी. डी.आर.), न्यू थिएटर त्रैमासिक, परफार्मिंग आर्ट जर्नल, इंटरनेशनल जनरल ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स ऐण्ड डिजिटल मीडिया, स्टडीज़ इन थिएटर एण्ड परफार्मेंस, थिएटर रिसर्च इंटरनेशनल। कंटैपोरेरी थिएटर रिव्यू, सिनेमा जर्नल्स, थिएटर ऐण्ड परफोर्मेंस डिज़ाइन (टीपीडी), थिएटर डॉन्स ऐण्ड परफोर्मेंस ट्रेनिंग (टीडीपीटी), परफोर्मेंस रिसर्च, थिएटर जर्नल, इंडियन थियेटर जनरल, वॉयस एंड स्पीच रिव्यू, नेशनल हिन्दी एवं अंग्रेज़ी समाचार पत्र, क्षेत्रीय समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं बांग्ला, असमिया, पंजाबी, तेलुगु, मराठी, मलयालम पत्रिकाएं हिन्दी एवं अंग्रेज़ी की इंडिया टुडे, आउटलुक, कादंबिनी, डिजिट, योजना, फिल्मफेयर, रोज़गार समाचार, एम्पलॉयमेंट न्यूज, एवं स्वामी न्यूज जनरल।

वर्ष 2018-19 के दौरान महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

➢ **8वां थियेटर ओलम्पिक्स 2018**

रानावि द्वारा दिनांक 17 फरवरी, 2018 से 8 अप्रैल, 2018 तक दिल्ली एवं 16 अन्य शहरों में थियेटर ओलम्पिक्स के आठवें संस्करण का आयोजन किया गया। थियेटर ओलम्पिक्स में देश और विदेश से 450 से भी अधिक नाटकों को प्रदर्शित किया गया। भारत के उप-राष्ट्रपति श्री एम. वैंकया नायडू ने दिनांक 17 फरवरी, 2018 को नई दिल्ली स्थित ऐतिहासिक लाल किले के सामने 8वें थियेटर ओलम्पिक्स 2018 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संस्कृति (स्वतंत्र प्रभार) एवं पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन के राज्य मंत्री डॉ. महेश शर्मा, सचिव, संस्कृति मंत्रालय, श्री राघवेन्द्र सिंह, थियेटर ओलम्पिक्स की अंत. र्राष्ट्रीय समिति, ग्रीस के अध्यक्ष, थियोदोरस टेरजोपोलस और कला एवं संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े कई प्रतिष्ठित व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित थे। 8वें थियेटर ओलम्पिक्स का थीम 'मित्रता का ध्वज' था जिसका उद्देश्य विभिन्न संस्कृतियों, विचारों और विचारधाराओं के लोगों के बीच रंगमंचीय कला के माध्यम से एक सेतु बनाने का प्रयास करता है।

(मुंबई में 8वें थियेटर ओलम्पिक्स का समापन)

रानावि परिसर और 16 अन्य शहरों में कई कार्यक्रम जैसे एंबियस प्रस्तुति, लिविंग लैजेंड श्रृंखला, सेमिनार, कार्यशालाएं, आमने-सामने परिचर्चाओं जैसे कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

51 दिनों तक चले इस ऐतिहासिक समारोह का समापन दिनांक 8 अप्रैल, 2018 को किया गया। समापन समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, श्री देवेन्द्र फणनवीस, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संस्कृति मंत्रालय, राज्य के संघ मंत्री, डॉ. महेश शर्मा और जाने-मान रंगमंच एवं फिल्म व्यक्तित्व श्री नाना पाटेकर, माननीय अतिथि थे। 8वें थियेटर ओलम्पिक्स 2018 के भव्य समारोह का समापन 8 अप्रैल को मुंबई में हुआ, जिसमें जनजाति, लोक एवं आधुनिक रंगमंच के 400 से भी अधिक कलाकारों

के जीवंत कोलाज की प्रस्तुति 'रंग शिखर' को प्रदर्शित किया गया।

(मुंबई में 8वें थियेटर ओलम्पिक्स का समापन)

➢ **भारत रंग महोत्सव**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा देश भर में रंगमंच के विकास को बढ़ावा देने के लिए दो दशकपूर्व भारत रंग महोत्सव की स्थापना की गई थी। मूलत: यह राष्ट्रीय समारोह भारत के उन सृजनात्मक रंगकर्मियों के कार्यों को प्रदर्शित करता है जिससे कि उन्हें अंतर्राष्ट्रीय रूप से पूरे विश्व में स्कोप और उन रंगमंच कंपनियों का बृहद विकास होता रहा है और अब यह एशिया का सबसे बड़ा रंगमंच समारोह है। पहला भारत रंग महोत्सव का आयोजन 1999 में किया गया।

(रानावि में 20वें भारत रंग महोत्सव का उद्घाटन)

इसी श्रृंखला में भारत के अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच समारोह के 20वें अध्याय का आयोजन 1 से 21 फरवरी, 2019 तक दिल्ली एवं पाँच अन्य शहरों जैसे- डिब्रूगढ़, वाराणसी, राजकोट, मैसूर और रांची में किया गया। समारोह का उद्घाटन 1 फरवरी, 2019 को कमानी सभागार में किया गया। श्री अमोद भट्ट, रंगपूर्वा, मुंबई के निर्देशन में 'कारंत के रंग' की रंगमंचीय प्रस्तुति का मंचन किया गया। संस्कृति (स्वतंत्र प्रभार) एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, भारत सरकार माननीय श्री महेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में, श्री रामगोपाल बजाज एवं डॉ. सोनल मानसिंह माननीय अतिथियों के रूप में, सुश्री निरूपमा कोटू, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय एवं श्री धमेन्द्र सिंह गंगवार, वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय विशेष अतिथि के रूप में, श्री रामदास अठावले, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण के राज्य मंत्री द्वारा इस उद्घाटन समारोह की बेला की शोभा बढ़ाई गई और डॉ. अर्जुन देव चारण, कार्यवाहक अध्यक्ष, रानावि सोसायटी द्वारा समारोह की अध्यक्षता की गई।

(रानावि में 20वां भारत रंग महोत्सव)

समारोह का आयोजन 1-21 फरवरी, 2019 तक मंडी हाउस के निकट एवं रानावि परिसर में स्थित 8 सभागारों में किया गया जिसमें 101 नाटक मंचित किए गए जिनमें 15 प्रस्तुतियाँ विदेश की थीं। विदेश के नाटक बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, पोलैंड, रूस, रोमानियां, चैक गणराज्य और सिंगापुर से थे। 20वें भारत रंग महोत्सव के दौरान पूर्व स्नातक छात्रों द्वारा 5 डिप्लोमा प्रस्तुतियाँ, प्रदर्शित की गई। समारोह को हज़ारों रंगमंच प्रेमियों द्वारा सराहा गया और लगभग 50,000 दर्शकों द्वारा देखा गया। प्रिंट एवं इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा इस समारोह की बहुत प्रशंसा की गई। समारोह के दौरान लीविंग लैजेंड सीरीज का आयोजन किया गया जिसमें लीविंग लेजैंड के साथ आमने-सामने की बातचीत संचालित की गई जो कि प्रतिभागिता करने वाले छात्रों, सामान्य रंगमंच प्रेमियों, जनता और रंगमंच विशेषज्ञों ने इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता की। मीट द डायरैक्टर के कार्यक्रम भी अपेक्षित किये गए जिनमें रंगमंच प्रेमी सामान्य एवं प्रोफेशनलों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अग्रणी निर्देशकों एवं प्रस्तुतिकर्ताओं के लिए भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। संबद्ध एवं शैक्षिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय संगोष्ठी भी इस कार्यक्रम का अंश रहे। एक विशेष कार्यक्रम 'मास्टर क्लास' का भी आयोजन किया गया जिसमें अग्रणी रंगमंच व्यक्तियों के साथ विशेष सत्रों का आयोजन किया गया। 'वर्ल्ड थियेटर फोरम' (असल में यह रंगमंच है किसका?) का आयोजन भी किया गया जिसमें विभिन्न देशों से

आए अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच व्यक्तित्वों द्वारा उनके साथ बातचीत के एवं अपने अनुभवों को साझा किया। समारोह को दर्शकों और मीडिया की ओर से उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मिली।

➢ **रानावि द्वारा 'आदिरंग महोत्सव' का आयोजन किया गया – रंगमंच, नृत्य, संगीत, शिल्प का राष्ट्रीय जनजातीय समारोह एवं संगोष्ठी का आयोजन**

- **मडगाँव, गोवा–18 से 20 मई, 2018**

  आदिरंग महोत्सव – रंगमंच, नृत्य, संगीत, कलाओं का राष्ट्रीय जनजातीय समारोह और सेमिनार का आयोजन मडगाँव, गोवा में **18 से 20 मई, 2018** तक किया गया। विभिन्न राज्यों से लगभग 25 समूहों ने समारोह में भाग लिया। जनजातीय समारोह के एक अंश के रूप में 18 जनजातीय प्रदर्शन कलाओं में संगीत और नाटक की महत्ता' विषय पर 18 और 20 मई, 2018 को एक सेमिनार का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान 19 और 20 मई 2018 को दो नाटकों को प्रदर्शित किया गया। समारोह की अवधि के दौरान एक शिल्प मेला भी आयोजित किया गया जिसमें 50 से भी अधिक शिल्पकारों ने प्रतिभागिता की। समारोह को मीडिया द्वारा बहुत सराहना मिली।

- **द्वारोंदा शांति निकेतन पश्चिम बंगाल–25 से 27 मई, 2018**

  आदिरंग महोत्सव–नृत्य संगीत, शिल्प कलाओं के राष्ट्रीय जनजातीय समारोह और सेमिनार का आयोजन द्वारोंदा गाँव, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में 25 से 27 मई, 2018 तक किया गया। विभिन्न राज्यों से लगभग 20 समूहों ने समारोह में प्रतिभागिता की। संथाल और उत्तर–पूर्व क्षेत्र से लगभग 450 जनजातीय कलाकारों द्वारा इन प्रस्तुतियाँ को देखा गया। समारोह को ऐसे परिवेश में किया गया जो कि जनजातीय संस्कृति और उनके जीवन के अनुकूल था।

- **कलिपड़िया केन्दुझारगढ़, केउनझार जिला ओडिशा – 23–25 नवंबर, 2018**

  आदिरंग महोत्सव – रंगमंच, नृत्य, संगीत, कलाओं के राष्ट्रीय जनजातीय समारोह और सेमिनार का आयोजन 23 से 25 नवंबर, 2018 तक कलिपड़िया, केन्डुझारगढ़, केउनझार जिले ओडिशा में किया गया। विभिन्न राज्यों से लगभग 25 समूहों ने समारोह में प्रतिभागिता की। जनजातीय समारोह के एक अंश के रूप में 'आदिवासी कला एवं संस्कृति' के विषय पर एक सेमिनार 24 और 25 नवंबर, 2018 को आयोजित किया गया। समारोह के दौरान 24 और 25 नवंबर, 2018 को दो नाटक प्रदर्शित किये गये। समारोह के दौरान एक शिल्प मेला भी आयोजित किया गया जिसमें 50 से भी अधिक शिल्पकारों ने प्रतिभागिता की। इस समारोह को मीडिया द्वारा बहुत सराहना मिली।

- **इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़, छत्तीसगढ़ – 25–27 फरवरी, 2019**

  आदिरंग महोत्सव–रंगमंच, नृत्य, संगीत, कलाओं का राष्ट्रीय जनजातीय समारोह और सेमिनार का आयोजन 25 से 27 फरवरी 2019 तक इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़, छत्तीसगढ़ में किया गया। समारोह में विभिन्न राज्यों से लगभग 25 समूहों ने प्रतिभागिता की। समारोह के दौरान 26 और 27 फरवरी 2019 को दो नाटकों का मंचन किया गया। जनजातीय समारोह के एक अंश के रूप में 'वर्तमान परिदृश्य में जनजातीय कलाओं का महत्व' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन 26 एवं 27 फरवरी 2019 को किया गया। समारोह की अवधि के दौरान एक शिल्प मेले का भी आयोजन किया गया। जिसमें 60 से भी अधिक शिल्पकारों ने प्रतिभागिता की। समारोह को मीडिया द्वारा बहुत सराहना मिली।

➢ रानावि द्वारा पूर्वोत्तर राष्ट्रीय समारोह का आयोजन किया गया जिसमें उत्तर–पूर्व क्षेत्र से 5 रंगमंच समूहों ने प्रतिभागिता की।

- रांची (झारखंड) में 26 से 30 मई, 2018 तक।
- राउरकेला, ओडिशा में 28 मई से 1 जून, 2018 तक।
- दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल में 30 मई से 3 जून, 2018 तक।

➢ **रानावि द्वारा दीव में 21 से 25 अक्तूबर, 2018 तक 5 दिवसीय शास्त्रीय रंगमंच समारोह** का आयोजन किया गया जिसमें शास्त्रीय रंगमंच पर आधारित 5 नाटकों का प्रदर्शन किया गया। इस समारोह को मीडिया की बहुत सराहना मिली।

➢ **जश्नेबचपन 2018**

रानावि की टाई कंपनी द्वारा 17–25 नवंबर, 2018 तक जश्नेबचपन, 2018 क्योंकि (अंतर्राष्ट्रीय बाल रंगमंच समारोह) का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन 17 नवंबर, 2018 को रानावि के मुक्तांगन में किया गया जिसमें डॉ. लाइक हुसैन के मार्गदर्शन में विभिन्न कलाकारों द्वारा 'उड़ान' की प्रस्तुति दी गई। इस समारोह में बच्चों और व्यस्कों के लिए 24 नाटकों का मंचन किया गया। इस समारोह में स्विटज़रलैंड, इंडोनेशिया और श्रीलंका से आए तीन नाटक भी प्रदर्शित किए गए। दिल्ली एवं एनसीआर के दर्शकों द्वारा इन नाटकों के साथ इस समारोह का आनंद उठाया गया।

(जश्नेबचपन 2018)

➢ रानावि ने गोलाघाट एमेच्युर सोसाइटी, असम में 12 से 20 जनवरी 2019 तक पूर्वोत्तर नाट्य समारोह आयोजित किया जिसमें 8 शो प्रदर्शित किए गए और 11 से 19 जनवरी 2019 तक टाउन हॉल, दीमापुर नागालैंड में 9 प्रस्तुतियाँ दी गई। समारोह को रंगप्रेमियों द्वारा अत्यधिक सराहा गया।

अन्य गतिविधियाँ

- सिक्किम सरकार द्वारा रानावि के सिक्किम केन्द्र की बिल्डिंग बनाने के लिए पूर्वी सिक्किम के उत्तम क्षेत्र में 1.7260 हैक्टेयर भूमि आबंटित की गई है। बिल्डिंग का कार्य संस्कृति मंत्रालय द्वारा स्वीकृति किए गए फंड राशि की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

- रानावि के बैंगलुरू केन्द्र के छात्रावास की बिल्डिंग का उद्घाटन 13 जनवरी, 2019 को किया गया। श्रीमती बी. जयश्री, राज्य सभा की पूर्व संसद सदस्य ने उक्त बिल्डिंग के लिए अपने 'संसद निधि फंड' से रु. 2 करोड़ दिये और इसका निर्माण कर्नाटक सरकार की निर्माण ईकाई बैंगलोर निर्मित केन्द्र द्वारा किया गया।

- रानावि द्वारा रंगमंच के क्षेत्र में उत्कृष्ट सहयोग के लिए रानावि के उन योग्य स्नातकों के कार्यों की सराहना के लिए दो वार्षिक पुरस्कार जैसे ब. व. कारंत (रानावि के वरिष्ठ स्नातकों के लिए) और मनोहर सिंह स्मृति पुरस्कार (50 वर्ष से कम आयु के रानावि स्नातकों के लिए) प्रदान किए गए। दोनों ही श्रेणियों में पुरस्कार पिछले 10 वर्षों से नहीं दिए गए थे। रानावि सोसायटी की संस्तुति पर, एक जूरी समिति का गठन किया गया जिसने दोनों वर्गों के लिए पिछले 10 वर्षों के पुरस्कार प्राप्त करने वालों के नाम नामित किए। वर्ष 2019 में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 26 मार्च, 2019 को श्रीराम सेंटर सभागार, नई दिल्ली में किया गया जिसमें पिछले 10 वर्षों के ब.व. कारंत एवं मनोहर स्मृति पुरस्कार की दोनों श्रेणियों के लिए पुरस्कार दिए गए। पुरस्कार प्राप्त करने वालों के नाम निम्न प्रकार से हैं :-

क्रम सं.	नाम	पुरस्कार का वर्ष	योगदान का क्षेत्र
1.	श्री राम गोपाल बजाज	2010	समग्र योगदान
2.	श्री देवेन्द्र राज अंकुर	2011	समग्र योगदान
3.	श्री बंसी कौल	2012	परिकल्पना एवं निर्देशन
4.	सुश्री नीलम मानसिंह चौधरी	2013	निर्देशन
5.	श्री रंजीत कपूर	2014	निर्देशन
6.	श्री राजू बरोट	2015	निर्देशन
7.	प्रो. वामन केन्द्रे	2016	निर्देशन
8.	श्री सत्यब्रत राउत	2017	परिकल्पना
9.	श्री सी. बासवालिंगैया	2018	निर्देशन

निम्नांकित विषयों के रंगमंच क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें ब. व. कारंत स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

क्रम सं.	नाम	पुरस्कार का वर्ष	योगदान का क्षेत्र
1.	श्री अभिलाष पिल्लई	2009	परिकल्पना एवं निर्देशन
2.	श्री अनिरूद्ध खुडवाड़	2010	निर्देशन
3.	श्री चितरंजन त्रिपाठी	2011	निर्देशन एवं रंगमंच
4.	श्री आसिफ अली हैदर	2012	नाटककार
5.	श्री साउती चक्रवर्ती	2013	नाटककार
6.	श्री टीकम जोशी	2014	अभिनय
7.	श्री दानिश इक़बाल	2015	निर्देशन
8.	श्री सुकुमार तुडु	2016	अभिनय
9.	श्री गोविन्द यादव	2017	प्रकाश परिकल्पना
10.	सुश्री इपिशता चक्रवर्ती	2018	अभिनय

(श्रीराम केंद्र, दिल्ली में ब.व. कारंथ और मनोहर सिंह स्मृति पुरस्कार का पुरस्कार समारोह।

- रानावि द्वारा 27 मार्च से 29 मार्च 2019 तक राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और इसके चार केन्द्रों के स्टाफ कर्मचारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, रानावि दिल्ली, रानावि बैंगलुरू, रानावि त्रिपुरा और रानावि वाराणसी के स्टाफ सदस्यों ने खरीद प्रक्रिया, अभिचरण, एम पी एस और अन्य सेवा मामलों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- रानावि, दिल्ली और इसके चार केन्द्रों में 21 जून 2018 को उनके अपने परिसरों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें जाने-माने विशेषज्ञों के द्वारा योग संबंधी क्रियाएं करवाई गई। योग विषय और प्रदर्शन कलाओं में योग पर आयोजित किए गए बातचीत के सत्रों में अच्छी उपस्थिति रही ओर स्टाफ, छात्र और संकायों द्वारा इसे बहुत सराहा गया।

(21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन)

वर्ष 2018–19 के दौरान शैक्षिक गतिविधियाँ

विद्यालय द्वारा नाट्य कलाओं में प्रशिक्षण का एक तीन वर्षीय व्यापक पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाया जाता है। पाठ्यक्रम के पूरा होने पर सफल अभ्यर्थियों को नाट्यकला में डिप्लोमा प्रदान किया जाता है। प्रथम वर्ष में सभी छात्रों को एक समेकित पाठ्यक्रम पढ़ना होता है। इसमें नाट्य साहित्य, सौन्दर्य शास्त्र, अभिनय के सिद्धांत एवं व्यवहार जिसमें मूकाभिनय और गति संचालन, मार्शल आर्ट्स, योग और संगीत, मंच तकनीकों के सिद्धांत और व्यवहार के तत्व जैसे; नाटकीय परिकल्पना, वस्त्र परिकल्पना, प्रकाश व्यवस्था, रूप-सज्जा और रंगमंच स्थापत्य शामिल हैं।

द्वितीय वर्ष में, छात्रों को विशेषज्ञता के लिए **अभिनय** या **रंगमंच तकनीक और परिकल्पना** में से किसी एक विषय को चुनना होता है। वही विशेषज्ञता का विषय तृतीय वर्ष में भी जारी रहता है।

प्रवेश : 2018-2021

वर्ष की पहली तिमाही में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय ने देश के चुने हुए अख़बारों में प्रवेश सूचना दी थी जिसमें शैक्षिक सत्र 2018–2021 के लिए नाट्य कलाओं में तीन वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए।

अभ्यर्थियों के प्रथम चरण के साक्षात्कार एवं ऑडिशन की परीक्षा निम्नांकित दस केन्द्रों पर आयोजित की गई।

1. जयपुर – 1 और 2 मई, 2018
2. चंडीगढ़ – 4 और 5 मई, 2018
3. लखनऊ – 7, 8 और 9 मई, 2018
4. पटना – 11 और 12 मई, 2018
5. भुवनेश्वर – 14 मई, 2018
6. कोलकाता – 16 और 17 मई, 2018
7. गुवाहाटी – 20 मई, 2018
8. चैन्नई – 22 मई, 2018
9. बैंगलुरू – 24 मई, 2018
10. दिल्ली – 26 से 29 मई, 2018
11. भोपाल – 31 मई से 2 जून, 2018
12. मुंबई – 5 से 9 जून, 2018

आवेदकों के सृजनात्मक रूझान की परीक्षा लेने के लिए अंतिम कार्यशाला सह साक्षात्कार 26 से 30 जून और 2 से 6 जुलाई, 2018 तक रानावि परिसर में की गई। अंत में शैक्षिक सत्र 2018–2021 के लिए उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु 26 छात्रों का चयन किया गया जिन्हें अपनी पढ़ाई संबंधी व्ययों को पूरा करने के लिए रु. 8,000/- प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

प्रो. वामन केन्द्रे, के मार्गदर्शन में इन क्षेत्रीय केन्द्रों में प्राथमिक चयन समिति की बैठकों का आयोजन करने में शैक्षिक मामलों के श्री शांतनु बोस ने इनकी सहायता की। प्राथमिक चयन समिति के अन्य विशेषज्ञों में श्री अर्जुन देव चारण, श्री योगेन्द्र चौबे,

सुश्री ईला अरूण, डॉ. नवदीप कौर, श्री दिनेश खन्ना, सुश्री संयुक्ता थौराट, और 2 मई, 2018 को जयपुर में;

- प्रो. अशोक सागर भगत, डॉ. महेश चंपकलाल, श्री सुदेश शर्मा, श्री कमल तिवारी, श्री मुश्ताक काक, सुश्री रमनजीत कौर, सुश्री हेमा सिंह, श्री अरूण कुमार मलिक 4 और 5 मई 2018 को चंडीगढ़ में;
- डॉ. महेश चंपकलाल, श्री रवि शंकर खरे, श्री सूर्य मोहन कुलश्रेष्ठ, सुश्री विधु खरे दास, श्री उर्मिल कुमार थपलियाल, प्रो. अशोक सागर भगत, श्री दिनेश खन्ना, सुश्री रीटा चौधरी, 7 से 9 मई, 2018 तक लखनऊ में;
- प्रो. अशोक सागर भगत सुश्री एंजला महर्षि, श्री सतीश आनंद, श्री ऋषिकेश सुलभ, श्री दिनेश खन्ना, श्री धर्मराज राम 11 से 12 मई 2018 तक पटना में;
- प्रो. अशोक सागर भगत, श्री दैत्री पांडा, श्री सत्यब्रत राउत, सुश्री माया दास, श्री अरूण कुमार मलिक 14 मई 2018 को भुवनेश्वर में,
- श्री देबाशीष मजूमदार, श्री बहरूल इस्लाम, सुश्री सुरंजना दासगुप्ता, सुश्री अनुमा फतेहपुरिया, श्री परवेज अख़्तर, प्रो. अशोकर सागर भगत, श्री दिनेश खन्ना, श्री शांतनु दास, 16 और 17 मई, 2018 को कोलकाता में;
- प्रो. अशोक सागर भगत, श्री के. जुगिन्द्रो सिंह, श्री सत्यब्रत राउत, श्री प्रांजल सैकिया, सुश्री एस. थनिनलिया, श्री बिपिन कुमार, श्री दिनेश खन्ना, श्री चंदन हलदार 20 मई 2018 को गुवाहाटी में;
- प्रो. अशोक सागर भगत, श्री अब्दुल लतीफ खटाना, श्री आर. राजू, सुश्री पद्मा वेंकटरमन, श्री कुमार वर्मा, सुश्री प्रसन्ना रामास्वामी, श्री आसिफ अली हैदर खान, श्री मुरूगावेलु 22 मई 2018 को चैन्नई में;
- प्रो. अशोक सागर भगत, श्री बी. जयश्री, श्री बहरूल इस्लाम, श्री राजीव वेलीचेट्टी, सुश्री भागीरथी बाई, श्री एस. बासवलिंगैया, श्री पराग शर्मा, डॉ. नागेश बेट्टेकोटे 24 मई 2018 को बैंगलुरू में;
- श्री सुरेश शर्मा, श्री महेश आनंद, श्री रतन माथुर, श्री लोकेन्द्र त्रिवेदी, श्री टीकम जोशी, श्री बनवारी लाल, श्री अब्दुल लतीफ खटना, सुश्री ऐंजला महर्षि, सुश्री कुसुम हैदर, श्री साउती चक्रवर्ती, श्री सुमन वैद्य, श्री शांतनु बोस, श्री दिनेश खन्ना, डॉ. नवदीप कौर, श्री दौलत वैद्य, श्री अमिताभ श्रीवास्तव, श्री यशराज जाधव, डॉ. सुरेश चंद, श्री सुरेश भारद्वाज, श्री जयप्रकाश सिंह, सुश्री अंजु जेटली, डॉ. दानिश इकबाल, श्री अरूण कुमार मलिक, श्री रवीन्द्र कुमार, श्री बनवारी तनेजा, श्री सत्यब्रत राउत, सुश्री अनिला सिंह खोसला, सुश्री मोना चावला, श्री पराग सर्माह, डॉ. संयुक्ता थोराट 26 से 29 मई, 2018 तक दिल्ली में;
- श्री जयंत देशमुख, सुश्री संगीता गुंडेचा, श्री आलोक चटर्जी, श्री योगेन्द्र चौबे, श्री सुरेश शर्मा, प्रो. अशोक सागर भगत, श्री कन्हैया लाल कैथवास, 31 मई से 2 जून, 2018 तक भोपाल;
- प्रो. रामगोपाल बजाज, श्री शौकात खान, सुश्री डॉली ठाकोरे, सुश्री राजश्री शिरके, श्री सौम्य जोशी, प्रो. अशोक सागर भगत, सुश्री संयुक्त थोराट 5 से 9 जून, 2018 तक मुंबई में

श्री अर्जुन देव चारण की अध्यक्षता में अंतिम चयन की समिति बनाई गई, जिसमें प्रो. वामन केन्द्रे, प्रो. अशोक सागर भगत, सुश्री हेमा सिंह, श्री अब्दुल लतीफ खटाना, श्री दिनेश खन्ना, श्री अमजीत शर्मा, श्री शांतनु बोस, सुश्री हिमानी शिवपुरी, श्री शौकत खान, श्री मनोज जोशी, सुश्री ऊषा गांगुली, सुश्री प्रसन्ना रामास्वामी, श्री सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ, श्री ऋषिकेश सुलभ, सुश्री अम्बा सान्याल, श्री प्रांजल सैकिया, सुश्री उत्तरा बावकर, सुश्री राजश्री शिरके, श्री राजिन्दर नाथ, श्री आर. के. सिंह जीत सिंह, श्री महेश आनंद, डॉ. सुरेश चंद शामिल थे। यह समिति अंतिम चयन समितियों द्वारा संस्तुति किए गए आवेदकों का साक्षात्कार लेती हैं। उक्त चयन समिति प्रतिभागिता करने वाले अभ्यर्थियों की एकल प्रस्तुति का मूल्यांकन कर 30 जुलाई, 2018 से आरंभ

होने वाले शैक्षिक वर्ष 2018–2021 के पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु 26 छात्रों का चयन करती है। चुने गए छात्रों की सूची निम्न प्रकार से है।

क्रम सं.	नाम
1.	श्री आलोक रंजन
2.	श्री अभिषेक कौशल
3.	सुश्री अदिति गौतम
4.	सुश्री अन्नू प्रिया
5.	सुश्री अप्सरा खान
6.	श्री भूषण पाटिल
7.	श्री चंदन कुमार
8.	सुश्री दक्षा
9.	श्री गुंजन शुक्ला
10.	सुश्री ईशा पांडे
11.	श्री जुनैद अहमद राठौड़
12.	सुश्री कंचन उज्जवल
13.	सुश्री खुशबू कुमारी
14.	सुश्री निकिता भारती
15.	सुश्री नुपुर जगन्नाथ चिताले
16.	सुश्री पाली फुकोन
17.	श्री पार्थ प्रतिम हज़ारिका
18.	सुश्री पूनम दहिया
19.	सुश्री प्रतिक्षा कोटे
20.	सुश्री सारिका भारती
21.	सुश्री शालिनी कुंडू
22.	सुश्री शाजिया बटूल
23.	सुश्री तमिला रासी
24.	सुश्री तसेरिंग ल्हमो
25.	श्री विकास
26.	सुश्री प्रेरणा जोशी

फ़िल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम

अंतिम वर्ष के छात्रों ने 9 से 22 जुलाई 2018 तक 'फ़िल्म मूल्यांकन' पर फ़िल्म एवं टेलिविजन संस्थान, कलकत्ता में 10 दिवसीय पूर्णकालिक पाठ्यक्रम में प्रतिभागिता की। पाठ्यक्रम एवं कार्यशाला के दौरान उक्त संस्थान के वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने फ़िल्म एवं टेलिविज़न के विभिन्न पहलुओं पर छात्रों के साथ अपनी बहुमूल्य विशेषज्ञता और अनुभव साझा किए। इसके अतिरिक्त फ़िल्म टैक्नॉलॉजी और कैमरा संचालन पर छात्रों को एक्सपोजर दिया जिससे कि उनको इस क्षेत्र में अपनाई गई नवीनतम आधुनिक टैक्नॉलोजी से परिचित कराया जा सके।

वर्ष 2018–19 के शैक्षिक वर्ष के लिए अंतिम वर्ष के छात्रों ने 11–24 मार्च, 2019 तक फिल्म एवं टेलिविज़न इंस्टीट्यूट, पुणे में 'फिल्म ऐप्रीसिएशन' के 10 दिवसीय पूर्णकालिक पाठ्यक्रम में प्रतिभागिता की। पाठ्यक्रम/कार्यशाला के दौरान उक्त

संस्थान के वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने फिल्म एवं टेलिविज़न के विभिन्न पहलुओं पर अपनी विशेषज्ञता और अनुभव साझा किए। इसके अतिरिक्त छात्रों को फिल्म तकनीक और कैमरा को संभालने की भी जानकारी दी गई जिससे कि इस क्षेत्र में अपनाई गई आधुनिक तकनीकों के बारे में छात्रों को जानकारी मिल सके।

छात्रों के लिए आयोजित शैक्षिक दौरे

रानावि में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के एक अंश के रूप में छात्रों के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों के पारंपरिक लोक रूपों/रंगमंच के गहन अध्ययन एवं उन्हें सीखने के लिए प्रतिवर्ष शैक्षिक दौरों का आयोजन किया जाता है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान रानावि द्वारा अपने छात्रों को लाभान्वित करने के लिए शैक्षिक दौरे करवाए गए।

(क) आगरा/फतेहपुर सीकरी दौरा

प्रथम वर्ष के छात्रों को शैक्षिक दौरे के लिए विश्व में प्रसिद्ध देश की उत्तर प्रदेश सिथत विरासत ताजमहल, लालकिला, फतेहपुर सीकरी और जाने-माने हिन्दु मंदिरों में उनके अमूल्य गेटवे और जिज्ञासु ढांचागत डिज़ाइन देखने के लिए 30 जुलाई से 1 अगस्त, 2018 तक तीन दिनों तक श्री सोहेल हाशमी के मार्गदर्शन के अंतर्गत।

द्वितीय वर्ष के छात्रों के शैक्षिक दौरे के लिए विश्व में प्रसिद्ध देश उत्तर प्रदेश में स्थित विरासत ताजमहल, लालकिला, फतेहपुर सीकरी और जाने-माने हिन्दू मंदिरों में उनके अमूल्य गेटवे और जिज्ञासु ढांचागत डिज़ाइन देखने के लिए 19 एवं 20 जनवरी, 2019 को 2 दिनों के लिए श्री अब्दुल कादिर शाह के मार्गदर्शन में।

(ख) औरंगाबाद - महाराष्ट्र दौरा

प्रथम वर्ष के छात्र शैक्षिक दौरे पर महाराष्ट्र में औरंगाबाद में गए जहाँ उन्होंने वहाँ के ऐतिहासिक स्थानों और एजंता एवं एलोरा की गुफाओं, पेंटिंगों, मिनिएचरों, स्कल्पचरों और दौलताबाद के किले देखे। यह दौरान 14 से 18 दिसंबर, 2018 तक की अवधि के दौरान श्री आसिफ अली हैदर खान के मार्गदर्शन में किया गया।

(ग) अहमदाबाद - गुजरात कार्यशाला

द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाल का आयोजन 14 अप्रैल से 15 मई, 2019 तक की अवधि के दौरान श्री राजू बरोट के कैंप निर्देशन के अंतर्गत अहमदाबाद, गुजरात में किया गया।

उक्त कार्यशाला गुजरात के प्रतिष्ठित लोक रूप 'भवई' पर आधारित था। कार्यशाला के अंत में छात्रों में हिन्दी में 'पंचों नो वॉश' नामक नाटक तैयार किया गया और जिसके शो 13 मई 2019 को अहमदाबाद और 23 से 25 मई 2018 तक बहुमुख सभागार में किए गए।

अतिथि संकाय/रंगमंच विशेषज्ञों द्वारा कक्षाएं/कार्यशाला

नियमित संकाय सदस्यों के अतिरिक्त छात्रों को विशिष्ट अतिथि संकाय सदस्यों जिनमें विदेश से भी अतिथि संकाय शामिल हैं, द्वारा भी पढ़ाया जाता है जिन्हें छात्रों के साथ विभिन्न रंगमंच तकनीकों, सिद्धांतों और कला प्रणालियों पर कार्य करने के लिए आमंत्रित किया गया। इस प्रकार के अभ्यास से छात्रों को आधुनिक रंगमंच में अपनाए जा रहे नवीनतम फैशन और इसकी संबंद्ध कलाओं के बारे में जागरुकता होती है जिससे कि वे तेज़ी से बदलते माहौल में कार्य करने के लिए स्वयं को और बेहतर ढंग से तैयार कर सकें।

समय-सूची के अनुसार नियमित संकाय सदस्यों द्वारा ली जाने वाली कक्षाओं के अतिरिक्त इस अवधि के दौरान सर्वेक्षण के अंतर्गत विद्यालय द्वारा निम्नांकित अतिथि विशेषज्ञों को अतिरिक्त शिक्षण के लिए आमंत्रित किया गया। इस प्रकार की अतिरिक्त कक्षाओं और कार्यशालाओं की सूची निम्न प्रकार से है :

जुलाई से दिसंबर, 2018

विशेषज्ञ का नाम	**विषय**
सुश्री शिल्पिका बोरडोली	गति

सुश्री निहारिका सिंह	अभिनय
श्री दीपक पांडे	कंप्यूटर ग्राफिक्स
श्री गिल्स चुयेन	कोरियोग्राफर
श्री दीपक शिवारमन	सीनोग्राफी
श्री गोविन्द नामदेव	अभिनय
श्री एनाएस बोरक्वीन	बुटोह
श्री जैसमिन मारटोरैल	वॉयस कल्चर
श्री फिलिप पेलेन बालदिनी	अभिनय
श्री टोनी येम	मूवमेंट
श्री राजेश राठौड़	हिप हॉप
श्री नौशाद एम.	अभिनय
सुश्री सुमंत्र सेनगुप्ता	परिकल्पना
सुश्री मरिआना वेंसटाइन	निर्देशन
श्री देवेनद्र राज अंकुर	शास्त्रीय भारतीय नाट्य लेखन
श्री सतीश आलेकर	नाट्य लेखन
श्री राजेश बहल	ड्रॉइंग एवं स्केचिंग
श्री सुमेश पी. बी.	कलरी
सुश्री उर्मिला सरकार	डांस थियोरी
श्री प्रयाग शुक्ल	एस्थेटिक्स
श्री शशाधर आचार्य	छाऊ
सुश्री कनिका शर्मा	रीडिंग विजुअल टैक्स
श्री एम जी ए जिरी हॉन्ज़ीरेक	पब्लिक आर्ट
श्री बेमिल बिस्वास	प्रस्तुति को कैसे पढ़ा जाता है
सुश्री स्वाति मोहन	मूवमैंट
सुश्री अंजना पुरी	संगीत
श्री अमित बनर्जी	वायस
सुश्री इना रॉस	कला प्रबंधन
श्री ललित खटाना	मूवमैंट
श्री बोरजा मैरिजी	संगीत
सुश्री मुन मुन सिंह	मूवमैंट
श्री काजल घोष	संगीत

कक्षा प्रस्तुतियां

1. श्री अनिरूद्ध खुटवाड़ द्वारा 'रेजिन इन द सन'
2. श्री शांतनु बोस द्वारा निर्देशित 'सुर्ख आसमान – जंग–ए फराश'
3. डॉ. अनुराधा कपूर द्वारा निर्देशित 'नाले वाली लड़की'
4. श्री रॉबिन दास द्वारा निर्देशित 'तुरा दोट एंड द इंटेलैक्चुअल्स'
5. श्री के. एस. राजेन्द्रन द्वारा निर्देशित 'प्रियदर्शिका'
6. श्री सुरेश अनंगली द्वारा निर्देशित 'भगवद्जुकम्'

जनवरी से जून, 2019

विशेषज्ञ के नाम	**विषय**
श्री पीटर कुक	परिकल्पना
श्री प्रसन्ना	अभिनय
सुश्री नीलम मान सिंह	निर्देशन सीन वर्क
श्री खालिद तैयबजी	अभिनय
सुश्री जॉय मितेई	मूवमैंट
श्री दीपक चंन्द्र पांडे	कंप्यूटर ग्राफिक्स
श्री बिस्वजीत सिंह	थांग-टा
सुश्री मरियाना वेंसटेन	निर्देशन
श्री लोकेश भारद्वाज	एडवांस योग
श्री वाई. एस. अलोन	कला इतिहास
सुश्री जैकलीन रोउसेटी	निर्देशन
श्री विक्रम मोहन	मूवमैंट
श्री साउती चक्रवर्ती	लाइटिंग सीन वर्क
श्री मनोज बाजपेयी	अभिनय
श्री रंधीर कुमार	निर्देशन सीन वर्क
श्री अनिरूद्ध खुटवाड़	वास्तुनिक सीन वर्क
सुश्री एनी देईत्रिच	मूवमैंट
सुश्री अंबा सान्याल	वस्त्रसज्जा
श्री मृत्युंजय प्रभाकर	शास्त्रीय भारतीय नाटक
सुश्री अंजना पुरी	संगीत
श्री अली सल्मी	मूवमैंट
श्री देवेनद्र राज अंकुर	शास्त्रीय भारतीय नाटक
श्री आमोद भट्ट	रंगमंच संगीत
सुश्री दीपा शाद	रंगमंच प्रबंधक
श्री नील फ्रेज़र	लाइटिंग
श्री मट्ट लेवेन्थल	लाइटिंग
डॉ. दानिश इकबाल	डिक्शन
श्री परवेज़ खान	मार्शल आर्ट
सुश्री एरिका काउफमैन	मूवमैंट

कक्षा प्रस्तुतियां

1. डॉ. अभिलाष पिल्लई द्वारा निर्देशित 'ब्लाइंड साइड'
2. श्री बंसी कौल द्वारा निर्देशित 'खेल पहेली'
3. श्री अब्दुल लतीफ खटाना द्वारा निर्देशित 'किंग लियर'
4. डॉ. दानिक इकबाल द्वारा निर्देशित 'रोमियो जूलियट'
5. श्री आसिफ अली हैदर खान द्वारा निर्देशित 'कैमिलिया'

कुट्टिअट्टम कार्यशाला

शिक्षण पाठ्यक्रम के एक मुख्य अंश के रूप में प्रतिष्ठित विशेषज्ञों और गुरु जिन्हें कुट्टिअट्टम – देश के दक्षिण भागों जैसे केरल में प्रदर्शन के लिए संस्कृत नाटक की जानी–मानी पारम्परिक शैली, में व्यापक अनुभव और जानकारी है, उन्हें दिनांक 24 जुलाई से 8 सितंबर, 2018 तक की अवधि के दौरान द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ कुट्टिअट्टम पर एक कार्यशाला संचालित करने के लिए कोचीन (केरल) से आमंत्रित किया गया था। श्री जी. वेणु के मार्गदर्शन में प्रतिष्ठित विशेषज्ञों एवं गुरुओं की टीम ने द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ दिनांक 24 जुलाई, 2018 के बाद से कुट्टिअट्टम के विभिन्न पहलुओं पर कार्य करना आरंभ कर दिया था।

व्याख्यान एवं निर्देशन

शैक्षिक कार्यक्रम के अंश के रूप में विद्यालय द्वारा प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए एक व्याख्यान एवं निर्देशन किया गया :-

1. गुरू जी. वेणु द्वारा भारतीय शास्त्रीय रंगमंच का परिचय।
2. सुश्री संजीता प्रसाद द्वारा मनोविज्ञान पर व्याख्यान।
3. डॉ. अंब्रीश सात्विक द्वारा एनाटॉमी पर व्याख्यान।
4. 'भारतीय शास्त्रीय गायन संगीत शैलियों (ध्रुपद, कर्नाटक, ख्याल एवं ठुमरी) पर सौन्दयपूर्ण पहुँच विषय पर आमंत्रित महान संगीतज्ञों द्वारा व्याख्यान एवं प्रदर्शन।
5. डॉ. स्वर्णमालया गणेश द्वारा भरतनाट्यम् व्याख्याता का व्याख्यान एवं व्याख्यान।
6. श्री वाजिदी मोउआवाउ द्वारा नाट्यलेखन पर बातचीत।
7. ज्येन थोंपसन द्वारा लघु प्रदर्शन एवं कार्यशाला।
8. सुश्री तमर रबन द्वारा अभिनय कार्यशाला।

अंतिम वर्ष के परिकल्पना समूह के छात्रों की डिप्लोमा प्रस्तुति

1.	सुश्री पूजा नितिन वेदविख्यात	9 मई, 2018
2.	श्री अविजित सोलंकी	1 जून, 2018
3.	सुश्री अपूर्वा अनंगल्ली	26 जून, 2018
4.	श्री अजय कुमार	4 जुलाई, 2018
5.	श्री सुशील कांत मिश्रा	6 जुलाई, 2018

छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत विदेशी छात्रों का आवागमन

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली और द रॉयल अकादेमी ऑफ ड्रमेटिक आर्ट्स (राडा), लंदन के बीच आपसी समझौते के अंतर्गत दोनों रंगमंच संस्थान अपने–अपने विद्यार्थियों के आदान–प्रदान द्वारा रंगमंच के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए दोनों मित्र देश सहमत हो गए हैं।

शैक्षिक वर्ष 2018–2019 में राडा द्वारा 31 मार्च से 14 अप्रैल, 2019 की अवधि के बीच अपने चार छात्रों को वस्त्रसज्जा, प्रकाश व्यवस्था और मंच एवं रंगमंच प्रबंधन में विशेषज्ञ हेतु भारत भ्रमण पर भेजा गया। इनके नाम सुश्री कैटरिओन। लौरा ब्राडले, सुश्री लूसिया सेनशेज़ रोलडान, श्री डेविड रोबर्ट पुर्दि – स्मिथ एवं श्री रिचर्ड जोसेफ सेनटेंगेलो जो कि 31 मार्च, 2019 को दिल्ली पहुँचे। रानावि में की जाने वाले पूर्वाभ्यासों/कक्षाओं का अन्य शैक्षिक गतिविधियों में प्रेक्षक के रूप में प्रतिभागिता के साथ–साथ उन्होंने अहमदाबाद, गुजरात में दर्पण, एनआईजे आदि में रंगमंच की व्यावहारिक प्रक्रिया का प्रेक्षण, इसका अपमान एवं उसमें प्रतिभागिता की।

चार अध्ययन द्वारा श्री विवेक इमानेनी, सुश्री बाबी बरूआ, श्री सांगनिक चक्रबर्ती एवं श्री उज्जवल कुमार रानावि एवं राडा के मध्य छात्र अदला–बदली कार्यक्रम के एक अंश के रूप में 3–17 मार्च, 2019 तक रॉयल अकादेमी ऑफ ड्रामाटिक आर्ट्स (राडा) में गए।

रानावि छात्र यूनियन

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय छात्र यूनियन के विभिन्न पर वर्ष 2018–19 के लिए निम्नांकित छात्र चुने गए।

श्री हरि शंकर रवि	अध्यक्ष
श्री मयंकबॉम बोबा सिंह	सचिव
सुश्री श्रुति	सदस्य, शैक्षिक
सुश्री दक्षा शिरोडकर	कोषाध्यक्ष

चुने हुए कार्यालय धारकों का शपथ ग्रहण समारोह दिनांक 31 अक्तूबर, 2018 को साधारण रूप में श्री सुरेश शर्मा, प्रभारी निदेशक, रा.ना.वि., जो कि रा.ना.वि. छात्र यूनियन के पदेन संरक्षक भी हैं, द्वारा संपन्न हुआ।

परीक्षाएं

अभिनय एवं रंगमंच तकनीकों और परिकल्पना में विशेषज्ञता करने वाले अंतिम वर्ष के छात्रों की सूची निम्न हैं जिन्होंने 23 जुलाई, 2018 को हुई अंतिम मौखिक परीक्षा दी।

अभिनय समूह

1. श्री परमानंद
2. श्री महादेव सिंह लखावत
3. सुश्री रचना गुप्ता
4. श्री अंकुर सक्सैना
5. श्री गुरमीत सिंह
6. सुश्री इंदिरा तिवारी
7. श्री पराग बरूआ
8. श्री राकेश कुमार वैथा
9. श्री सरफराज अली मिर्ज़ा
10. श्री रवि चहर
11. सुश्री देबाक्षी चक्रबर्ती
12. सुश्री मीनाक्षी थापा
13. श्री संजीव जैसवाल
14. सुश्री मीनू देवी उर्फ शालू यादव
15. सुश्री देबारति सिकदर
16. श्री जयंत राभा
17. श्री ख्वाएराकपम पुक्सिालेंबा मितेई
18. सुश्री भाग्यश्री टर्के
19. श्री राहुल कुमार

रंगमंच तकनीक एवं परिकल्पना समूह

20. श्री सुशील कांत मिश्रा

निर्देशन समूह

21. सुश्री पूजा नितिन वेदविख्यात
22. सुश्री अपूर्व अनंगल्ली
23. श्री अजय कुमार
24. श्री अविजित सोलंकी

छात्र
प्रस्तुतियां

छात्र प्रस्तुतियां

विद्यालय का प्रशिक्षण कार्यक्रम विस्तारयुक्त है, इसके अंतर्गत (i) कालजयी भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य परंपराएँ (ii) भारतीय पारंपरिक एवं लोक रंगमंच और (iii) भारत और विश्व के अन्य भागों की आधुनिक/समकालीन रंग-प्रवृत्तियाँ शामिल हैं।

I प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा प्रस्तुतियां

तिथि	नाटक का नाम	निर्देशक	स्थल
06-10.06.2018	राग दरबारी	श्री अमितेश ग्रोवर	बहुमुख
08-12.06.2018	नाचियो बहुत गोपाल	श्री आसिफ़ अली हैदर	अभिमंच

II द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रस्तुतियां

तिथि	नाटक का नाम	निर्देशक	स्थल
01.09.2018	पारसी सीन वर्क	सुश्री हेमा सिंह	बहुमुख
07-08.09.2018	कुट्टिअट्टम (डेमो)	श्री जी. वेणु	अभिकल्प
14-16.11.2018	भगवद्अजिकम्	श्री सुरेश अनंगली	अभिकल्प
18.20.11.2018	प्रियदर्शिका	श्री के. एस. राजेन्द्रन	बहुमुख
13-16.01.2019	खेल पहेली	श्री बंसी कौल	अभिमंच

III तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रस्तुतियां

तिथि	नाटक का नाम	निर्देशक	स्थल
27-30.09.2018	ए राइज़िन इन द सन	श्री अनिरूद्ध खुटवाड़	बहुमुख
28-30.09.2018	द वार जौन इज माई बेड	श्री शांतनु बोस	अभिमंच
03-06.12.2018	नाले वाले लड़की	सुश्री अनुराधा कपूर	बहुमुख
04-07.12.2018	तुरानडॉट एण्ड दि इट्रैक्चुअल	श्री रॉबिन दास	अभिमंच
25-30.01.2019	ब्लाइंड साइड	श्री अभिलाष पिल्लई	अभिमंच

IV डिप्लोमा प्रस्तुतियां 2018 (परिकल्पना एवं निर्देशन छात्रों द्वारा)

तिथि	नाटक का नाम	निर्देशक	स्थल
04.04.2018	1/12/1958	उज्ज्वल कुमार	अभिमंच
05.04.2018	बड़ी बुआ जी	सांगनिक चक्रवर्ती	अभिमंच
06.04.2018	रक्ष	दाक़द हुसैन	अभिमंच
07.04.2018	दि हाउस ऑफ अशर	गोगे बाम	बहुमुख
08.04.2018	डिरेल्ड	देवेन्द्र अहिरवार	मुक्तांगन
12.02.2019	दि वैकान्ट लॉट	श्री अपूर्वा अनंगलि	अभिमंच
14.02.2019	काला धब्बा बादल की तरह आ रहा है	श्री अभिजीत सौलंकी	मुक्तांगन
16.02.2019	अनक्राइप्शन	श्री सुशील कांत मिश्रा	अभिमंच
18.02.2019	रक्तबीज़	सुश्री पूजा एन. वेदविख्यात	मुक्तांगन
20.02.2019	प्राइवेसी	श्री अजय खत्री	अभिमंच

V डिप्लोमा प्रस्तुतियां 2018 (डिप्लोमा) (परीक्षाएं एवं पब्लिक शो)

तिथि	नाटक का नाम	निर्देशक	स्थल
08.05.2018	रक्तबीज	सुश्री पूजा एन. वेदविख्यात	बहुमुख
09.05.2018	रक्तबीज	सुश्री पूजा एन. वेदविख्यात	बहुमुख
01.06.2018	काला धब्बा बादल की तरह आ रहा है	श्री अविजित सोलंकी	चहुमुख
02.06.2018	काला धब्बा बादल की तरह आ रहा है	श्री अविजित सोलंकी	चहुमुख
23.06.2018	द वेकैंट लॉट	सुश्री अपूर्व अनंगल्ली	अभिमंच
24.06.2018	द वेकैंट लॉट	सुश्री अपूर्व अनंगल्ली	अभिमंच
29.06.2018	प्राइवेसी	श्री अजय खत्री	अभिमंच
30.06.2018	प्राइवेसी	श्री अजय खत्री	अभिमंच
06.07.2018	एन्क्रिप्शन	श्री सुशील मिश्रा	अभिमंच
07.07.2018	एन्क्रिप्शन	श्री सुशील मिश्रा	अभिमंच

I प्रथम वर्ष के छात्रों की प्रस्तुतियां

राग दरबारी

राग दरबारी की प्रस्तुति 6 से 10 जून, 2019 तक रानावि परिसर में स्थित बहुमुख सभागार में की गयी। नाटक का निर्देशन श्री अमितेश ग्रोवर द्वारा किया गया। सेट एवं वस्त्रसज्जा परिकल्पना सुश्री विदिशा पुरोहित द्वारा की गई। प्रकाश परिकल्पना श्री राजेश सिंह द्वारा की गई। 1950 के दशक के उत्तरार्ध में पूर्वी उत्तर-पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्थापित है और एक कालखण्ड का सरमाया है जब भारत नया-नया स्वतंत्र हुआ था। यह उसके फासले को सामने लाता है जो कि विकासशील भारत की भव्य नेहरूवादी दृष्टि और ग्रामीण राजनीति की भ्रष्ट मशीनों से परिचालित दीनहीन, चीकट भारत के गाँवों के बीच मौजूद है। तीन संस्थान- सहकारी संघ, ग्राम पंचायत और शैक्षणिक निकाय जो कि ग्रामीण विकास की महत्वपूर्ण धुरी है, आयुर्वेदिक डॉक्टर के वेश में स्थानीय नेता वैद्यजी के हाथों धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील होने की कगार पर है। उनके दरबार से एक विसंगतिपूर्ण राग उभरता है, जो कटुतापूर्वक संस्थागत भ्रष्टाचार को उखाड़ फेंकने के प्रयासों और विकास की सभी संभावनाओं की विफलता को प्रतिध्वनित करता है। यह एक शहरी, शिक्षित महिला रंगना के अफसाने का बिल्डुंग्सरोमन उपन्यास की तर्ज पर कथाचान है जिसे दर्शक साफ-साफ पहचान सकता है, जो बीमारी ठीक करने के बहाने शिवपालगंज गाँव का दौरा करती है। पर होता क्या है ग्रामीण दुनियां जिसे एक शांति, स्वास्थ और सादगी का जीवन समझती थी उससे उनका मोहभंग हो जाता है। शिवपालगंज से भाग जाने की उनकी उत्कट इच्छा पर उपन्यास खत्म हो जाता है, इस एक टिप्पणी के साथ कि वर्तमान शिक्षा कैसे शिक्षित अभिजात वर्ग को राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों से दूर किए देती है।

नाचयो बहुत गोपाल

नाचयो बहुत गोपाल नाटक प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा अभिमंच प्रेक्षागृह, रानावि परिसर में 8 से 12 जून 2018 तक प्रस्तुत किया गया। नाटक का निर्देशन श्री आसिफ़ अली हैदर ने किया। संगीत संयोजन काजल घोष द्वारा किया गया। सैट की परिकल्पना श्री संदीप भट्टाचार्य द्वारा दी गई। श्री साउती चक्रवर्ती द्वारा प्रकाश परिकल्पना और सुश्री कीर्ति वी. शर्मा द्वारा वेशभूषा परिकल्पना की गई।

II द्वितीय वर्ष के छात्रों की प्रस्तुतियां

पारसी सीन वर्क

द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा **पारसी सीन वर्क** की प्रस्तुति 1 सितंबर 2018 को रानावि परिसर में स्थित बहुमुख सभागर में किया गया। यह सीन सुश्री हेमा सिंह द्वारा तैयार किया गया।

भगवदअज्जुकम्

भगवदअज्जुकम् का प्रदर्शन द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा 14 से 16 नवंबर, 2018 तक रानावि परिसर में स्थित अभिमंच सभागार में किया गया। नाटक की परिकल्पना एवं निर्देशन श्री सुरेश अनंगल्ली द्वारा किया गया। वस्त्रसज्जा सुश्री स्वीटी रूहेल द्वारा की

गई। प्रकाश परिकल्पना श्री अवतार सिंह सहनी द्वारा की गई। भगवद्अज्जुकम् बोधयान द्वारा पाँचवीं शताब्दी में लिखा गया एक ऐसा प्रहसन है जो कि भौतिकवाद और आध्यात्मिकता के बरक्स अरुचिकर सवालों पर बहस करने हेतु एक सन्यासी और एक वेश्या के बीच आत्माओं के आदान-प्रदान के एक विचित्र परिदृश्य की पड़ताल करता है। ऐसा लगता है कि लेखक द्वारा यह नाटक बौद्ध धर्म के सिद्धांतों का उपहास करने के लिए रचा गया था- यह एक ऐसी प्रविधि थी जिसे उस धर्म की बढ़ती ज्वार को रोकने के लिए ब्राएणों द्वारा नियोजित किया गया था। यह प्रहसन व्यंग्यपूर्ण प्रकृति की दिलचस्प टिप्पणियों के साथ-साथ विनोदपूर्ण भी है। इसके प्रमुख पात्रों में एक परिवार का सन्यासी, उनका शिष्य शांडिल्य, जो कभी बौद्ध अनुयायी था, और एक युवा व सुंदर गणिका हैं। प्रहसन में न हिन्दू, न ही बौद्ध धर्म का अनुगमन करने पर विचार किया गया है, वरन भीख से जैसे-तैसे दो जून का भोजन प्राप्त हो जाए और उसके लिए कैसा भी बाना धारण करना पड़े इस पर विचार किया गया है। कई आलोचकों ने इस नाटक की इसलिए प्रशंसा की क्योंकि इसमें परमात्मन, जिवात्मन, अविद्या, मोह, सुषुम्ना नाड़ी, संकल्प और विकल्प आदि पात्रों और इनसे बढ़कर समय के रूप में यमदूत के माध्यम से नाड़ी और मंडला के प्रतीकात्मक संदर्भों के साथ इसका रूपाकार और गहन और अर्थपूर्ण हो जाता है।

प्रियदर्शिका

प्रियदर्शिका का प्रदर्शन द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ 18 से 20 नवंबर, 2018 तक रानावि परिसर में स्थित बहुमुख सभागार में किया गया। नाटक का निर्देशन प्रो. के. एस. राजेन्द्रन द्वारा किया गया। वस्त्रसज्जा सुश्री अंबा सान्याल द्वारा किया गया। सेट का डिज़ाइन श्री राजेश सिंह द्वारा किया गया। प्रकाश परिकल्पना श्री साउती चक्रवर्ती द्वारा की गई। नृत्य-संरचना श्री लोकेश भारद्वाज द्वारा की गई। श्री पी. वेट्री भूपति और श्री श्याम रस्तोगी द्वारा संगीत संरचना की गई। प्रियदर्शिका जिसे नाटक में आरण्यका कहा गया है को बालपन में राजा वत्स उद्यन की सभा में बंदी के रूप में लाया जाता है और तदुपरांत विवाह योग्य उम्र होने तक रानी वासवदत्ता की देखरेख में रखा जाता है। बाद में राजा उसके प्रेम में पड़ जाता है। इस बीच पता चला कि वह मित्र राजा द्रधवर्मन की पुत्री है, जिसे साल भर पहले एक दुश्मन द्वारा कैद कर लिया गया था, या उन्हें भी उसी समय कैद किया गया था। राजा वत्स कलिंगराज पर विजय प्राप्त कर सिंहासन द्रधवर्मन को लौटाता है। राजकुमारी प्रियदर्शिका जैसा कि बाद में पता चला कि यह राजकुमारी है इस आनन्दमय पल है। प्रियदर्शिका नाटक की उल्लेखनीय विशेषता 'नाटक के भीतर नाटक' का प्रभावी प्रयोग है, जहाँ राजा वत्स कार्य-व्यापार के एक अभिन्न अंग के तौर पर अपना चरित्र स्वयं अभिनीत करते हैं जिसे तकनीकी रूप से गर्भनाटक कहा जाता है।

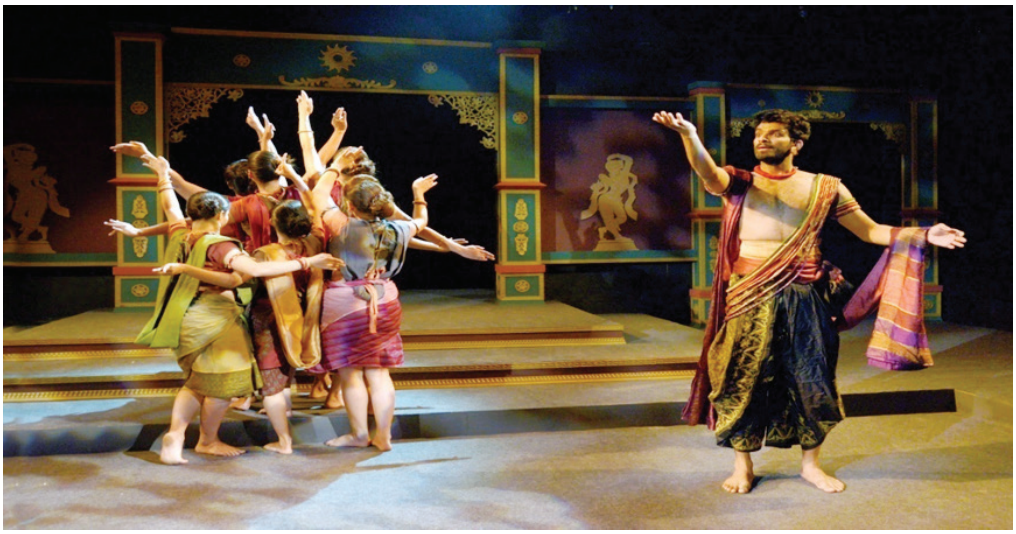

खेल पहेली

खेल पहेली का प्रदर्शन द्वितीय वर्ष के छात्रों के द्वारा 13 से 16 जनवरी, 2019 तक स्थित अभिमंच सभागार में किया गया। नाटक की परिकल्पना श्री बंसी कौल द्वारा की गई। प्रकाश परिकल्पना साउती चक्रवर्ती द्वारा की गई। वस्त्रसज्जा परिकल्पना सुश्री नालिनी आर. जोशी द्वारा की गई। नृत्य संरचना श्री देब कुमार पॉल द्वारा की गई। खेल पहेली रबीन्द्रनाथ ठाकुर लिखित कौतुक या मनोरंजक कहानियों का एक ऐसा कोलाज है जो अंतत: उल्लास और उत्सव के एक निराले त्यौहार में बदल जाता है। जैसा कि कौतुक का चरित्र होता है उसकी हर कहानी व्यक्तियों, समुदायों और उस समाज जिसके वे अभिन्न अंग है, पर एक व्यंग्यात्मक टिप्पणी में परिवर्तित हो जाती है। कहानियों के पात्र जीवित छवियों से बड़ी छवियों रचते हुए पाखंड और दोहरे मानकों के पक्ष में खड़े दिखाई देते हैं और एक चरमराई सामाजिक व्यवस्था को प्रतिबिम्बित करते हैं। यहाँ शब्द अभिव्यक्ति के विभिन्न गुणों को व्यक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जिसके चलते प्रत्येक कहानी एक कैनवास में बदल जाती है, जिस पर शब्द चित्र उकेरे जाते हैं और जो नाटक के लिए सामग्री जुटाते हैं। जबकि दूसरी तरफ जिस शब्दों और स्थतियों का वर्णन वे करते हैं वह आख्यान, पाठ और गीत में विस्तारित होते रहते हैं, और आगे चलकर हावभाव या शरीरिक संकेतों में परिवर्तित हो जाते हैं। एक भांडों या गली-मोहल्लों में गाने वालों का दल किसी ऐसे उत्सव के बारे में मालूम करने आया है जिसमें राजा भाग लेने वाला है। उनके मन में राजा कौन है और कहीं है जैसे सवाल है जिनके चलते वो इस यात्रा पर आए हैं। वो रोजमर्रा की जिन्दगी की बहुत ही सामान्य स्थितियों के गवाह हैं। इस तरह अंतत: उन्हें एहसास होता है कि राजा और कोई नहीं बल्कि आप और मैं ही हैं... हम सब हैं। यह सब हैं। यह बेहतर जिन्दगी का एक आमफ़हम सपना है जिसे हम सबको देखना चाहिए और यथार्थ में उतारना चाहिए। इन कहानियों की परिस्थितियाँ एक तरह से शारीरिक हावभाव व मुद्राओं, मुखर ध्वनियों और ध्वनि पैटर्नों के अंतर्संबंधों द्वारा एक नैरेटिव गढ़ने का आधार बन जाती हैं। अंतर्संबंधों के यह धागे विभिन्न रूपांकनों के साथ एक चित्रयवनिका के ताने-बाने रचते हैं। चाहे वह पहली कहानी 'चिन्ताशील' का नरहरि नामक पात्र हो जो अपना अधिकांश समय रोजमर्रा की साधारण घटनाओं के बौद्धिकीकरण में बिता देता है या फिर हास्यव्यंग्य 'अंत्येष्टि संस्कार' में एक बुर्जुग के मरने के इंतजार की भयावह अधीरता हो; चाहे वह 'रोगीर बन्धु' में अपने स्वास्थ्य के बारे में अति-चिंतित और उत्तेजक तमाशबीनों की समस्या हो या फिर 'सूक्ष्म विचार' नामक कहानी में एक शराबी द्वारा जीवन की अत्यंत निराशाजनक दार्शनिक व्याख्या का कौतुक 'स्वर्गीय प्रहसन' में देवताओं और गंधर्वों के बीच का मतभेद, इस तरह हर एक कहानी एक शब्द पहेली है... सामाजिक व्यवस्था पर कुठाराघात है।

III तृतीय वर्ष के छात्रों की प्रस्तुतियां

ए रेज़िन इन द सन

ए रेज़िन इन द सन की प्रस्तुति तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा 27 से 30 सितंबर, 2018 तक रानावि परिसर में स्थित बहुमुख, सभागार में की गई। नाटक का निर्देशन एवं परिकल्पना श्री अनिरूद्ध खुटवाड़ द्वारा की गई। नाटक की वस्त्रसज्जा सुश्री स्वीटी रूहेले द्व ारा की गई। प्रकाश परिकल्पना श्री साउती चक्रबर्ती द्वारा की गई। लॉरैन हैंसबेरी लिखित 'अ रेज़िन इन द सन' नाटक सर्वप्रथम 1959 में ब्रॉडवे में प्रदर्शित हुआ था। इसका यह शीर्षक लैंगस्टन ५ूजेस की कविता 'हर्लेम' से लिया गया है जिसे 'अ ड्रीम डैफर्ड' के नाम से भी जाना जाता है। नाटक में एक अफ्रीकी-अमेरिकी परिवार है जिसमें ड्राइवर की नौकरी से बमुश्किल आजीविका चलाता वाल्टर यंगर, उसकी पत्नी रूथ, उनका बच्चा ट्रैविस, माँ लेना (मामा) और बहन बेनिथा दक्षिणी शिकागों के एक जीर्ण-शीर्ण और छोटे से अपार्टमैंट में रहते हैं।

वाल्टर और बेनिथा के पिता की हाल ही में मृत्यु हुई है इसलिए नाटक की शुरूआत में ममा और अन्य सदस्य लाइफ इंश्योरेंस से आने वाले 10,000 डॉलर के चैक की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वाल्टर उस पैसे से कुछ अलग करने की इच्छा रखता है जबकि ममा को उसके अल्कोहल स्टोर खोलने पर आपत्ति है। बेनिथा वाल्टर को कहती है कि वह ममा पर छोड़ दे कि वो उसे कैसे खर्च करती है।

जैसे-जैसे घटनाएं आगे बढ़ती है, शिकागो के वुडलॉन क्षेत्र में रह रहे इस परिवार के अनुवाद ज़ाहिर होने लगते हैं। बेहतर रिहाइश की उम्मीद में ममा बीमा के पैसे का कुछ हिस्सा उत्तरी शिकागो के क्लाइबर्न स्ट्रीट में, जहाँ सिर्फ गोरे रहते हैं, एक नया घर खरीदने के लिए खर्च कर देती है। इस बीच, क्लाइबर्न स्ट्रीट से एक गोरा प्रतिनिधि, कार्ल लिण्डनर, अंतर-नस्लीय आबादी के चलते संभावित तनाव से बचने के लिए उनके खरीदे हुए फ्लैट को पुनः खरीदने की एक उदार पेशकश करता है।

पैसे की कमी और जहालत, वित्तीय उतार-चढ़ाव के बीच लोगों के ताने सहते हुए यह परिवार आखिरकार स्व और अफ्रीकी-अमेरिकी गौरव से मुक्त हो अपने अधिकारों के लिए खड़ा हो जाता है और अपने अनिश्चित भविष्य का सामना करने का फैसला करता है।

द वॉर जोन इज माई बैड

द वॉर जोन इज माई बैड का प्रदर्शन तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा 28 से 30 सितंबर, 2018 को रानावि परिवार में स्थित अभिमंच सभागार में किया गया। नाटक का निर्देशन श्री शांतनु बोस द्वारा किया गया। प्रकाश परिकल्पना संगीत श्रीवास्तव द्वारा की गई। वस्त्रसज्जा परिकल्पना सुश्री नीतू वैद द्वारा की गई। मंच परिकल्पना श्री बालासुब्रमण्यम जी. यासमीन द्वारा की गई। ब्रेवरली रानावि के 'द वॉर ज़ोन इज़ माई बैड' और अन्य नाटकों में आध्यात्मिक विध्वंस और प्रिसिसिप्पी नदी के किनारे साराजीवों और काबुल के संघर्ष को तहस-नहस करनेसे छुटकारा दिलाने को दर्शाया गया है। रानावि के इस नाटक में राजनैतिक रूप से तैयार औरचलते हुए नाटक द्वारा संपूर्ण परिस्थितियों जीवित रहने की इच्छा और जीवित रह पाने को दर्शाता है। इस नाटक में, काबुल की एक दुखी और और बोसानियांकी एक पत्रकार भूलभुलैया की क्रूरता से संतुलन खोकर एक-दूसरे में सांत्वना तलाशती है। 'रिटर्निंग.' में सारा जीवों का एक पत्रकार अपनी भूमिका को विभाजित करता हुआ एक कलाकार और एक युद्ध पीड़ित के रूप में बाँटता है। 'बलड स्काई के एक रहस्यमय और क्रूरता भरी कॉल के द्वारा मानसिक आघात पहुँचाने वाली घटना को निशाना बनाया है। जैसे-जैसे जोली अपने जीवन को उन घटनाओं को पीछे मुड़कर देखती है उसका अतीत मंच पर जीवंत हो उठता है।

नाले वाली लड़की

नाले वाली लड़की नाले वाली लड़की की प्रस्तुति तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा उसे 6 दिसंबर, 2018 तक रानावि परिसर में की गई। नाटक का निर्देशन सुश्री अनुराधा कपूर द्वारा किया। प्रकाश परिकल्पना श्री दौलत वैद द्वारा की गई। संगीत-संरचना श्री चंदन वी. द्वारा की गई। दृश्यांकन श्री दीपन सिवारामन द्वारा किया गया। ये प्रस्तुति, ये परियोजना पाठक के शब्दों के प्रभावों के बारे में है, जैसा कि वे, एक समुदाय के जीवन पर पर्चों, पोस्टरों, होर्डिंगों, टिप्पणियों में दिखाई देते हैं। ये उस रास्ते की खोज के बारे में भी है कि किस तरह पाठ्य, व्यक्तिगत और सार्वजनिक संसारों के बीच पुल बाँधते हैं और दोनों पर ही प्रभाव डालते हैं। पाठ्य प्राय: अपनी अपेक्षित सीमाओं को लांघ जाते हैं, जब वे विभिन्न क्षेत्रों में गति करते हैं, और एक संवाद संचालन का माध्यम बनते हैं, वर्तमान खण के साथ कभी-कभी एक स्वगत कथन और एक एकालाप भी, क्या होता है उस समय जब पोस्टरों को किसी दीवार पर चिपकाया जाता है, हाथों से बाँटा जाता है, किसी सड़क पर बिछा, दिया जाता है, हवा में फेंक दिया जाता है, कीचड़ में रौंद दिया जाता है? क्या पोस्टरों को उड़ाना वैध है? अनुज्ञेय है? खतरनाक या उपेक्षणीय? क्या पर्चे बाँटने की चेष्टा नागरिक अवज्ञा का कृत्य है? आज के जगत में नागरिक अवज्ञा क्या है?

तुरानडॉट और इन्टलेक्चुअल्स

तुरानडॉट और इन्टलेक्चुअल्स की प्रस्तुति तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा 4 से 7 दिसंबर, 2018 तक रानावि परिसर में स्थित अभिमंच सभागार में की गई। नाटक का निर्देशन श्री रॉबिन दास द्वारा किया गया। नाटका अनुवाद श्री आसिफ अली हैदर द्वारा किया गया। प्रकाश परिकल्पना श्री अवतार साहनी द्वारा की गई। संगीत-संरचना सुश्री रत्ना पणिक्कर द्वारा की गई। धुन एवं पार्श्व संगीत श्री कवलम पद्मनाभन द्वारा तैयार किया गया। वस्त्रसज्जा सुश्री नलिनी आर. जोशी द्वारा की गई। सेट डिजाइन श्री राजेश बहल द्वारा किया गया। बर्टोल्ट ब्रेख्त के आखिरी पूर्ण नाटक, 'तुरानडॉट' या 'द व्हाइट वाशर्स कांग्रेस का प्रथम प्रदर्शन फरवरी 1969 में ज़्यूरिख शॉसपिलहॉस में हुआ। एक तरह से यह ब्रेख्त की खालिस कॉमेडी थी। यह नाटककार की उस धारणा को पुख्ता करती थी कि रंगमंच का पहला काम मनोरंजन करना है, तो वहीं दूसरा काम लोगों को शिक्षित करना भी है। यह नाटक 'द गुउ सोल ऑफ सेत्जुआन' की तरह नीतिकथाओं के देश चीन में ही स्थापित है और बौद्धिक भ्रशुनवजयटाचार के बारे में है। इसमें एक सम्राट, एक सफाईवाली, एक किसान, एक राजकुमारी तुरानडॉट और बड़ी संख्या में 'टुई- (टेलेक्ट-उल-इन) 'बौद्धिक' भ्रशुनवजयटाचार-उचय जिन्हें 1930 के दशक में लेखक ने उन वाम विचारकों को दिखाने के लिए गढ़ा जो उस वक्त 'बौद्धिक' विलास में लगे थे जब हिटलर क्रूरतापूर्वक सत्ता पर काबिज होने क कोशिश कर रहा था। आजादी की रक्षा के लिए 1935 में बनी कांग्रेस ने महान 'व्हाटवाशर्स कांग्रेस' को प्रेरित किया जो बाद में इस नाटक के केन्द्रबिन्दु और उपशीशुनवजर्याक के तौर पर स्थापित हुआ।

ब्लाइंड साइड

ब्लाइंड साइड की प्रस्तुति तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा 25 से 30 जनवरी, 2019 तक रानावि परिसर में स्थित अभिमंच सभागार में की गई। डिजीटल रूप में तैयर किया गया 'ब्लाइंड साइड' श्रीमोई पियु कुंडु द्वारा लिखे गए उपन्यास 'कट' पर आधारित है। नाटक का निर्देशन डॉ. अभिलाष पिल्लई द्वारा किया गया। प्रकाश परिकल्पना श्री हिमांशु बी. जोशी द्वारा की गई। वस्त्रसज्जा परिकल्पना सुश्री कृति बी. शर्मा द्वारा की गई।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (सीईपी)

संस्कृति मंत्रालय के साँस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों/संकाय सदस्यों/स्टाफ सदस्यों द्वारा अपनी प्रस्तुतियों के साथ विदेशों में जाते हैं और उन देशों में आयेजित होने वाले समारोहों और संगोष्ठियों में प्रतिभागिता करते हैं ।

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान साँस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नांकित अंतर्राष्ट्रीय साँस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किये गए जिनका विवरण निम्न प्रकार से है :-

- छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत 13से 29 अप्रैल, 2018 तक रॉयल अकादेमी ऑफ़ ड्रामाटिक आर्ट्स (राडा), से 4 छात्रों के मंडल द्वारा रानावि का दौरा किया गया।
- यूनिवर्सिटी ऑफ़ थियेटर आर्ट्स, मॉस्को, रूस द्वारा 29 मई से 4 जून, 2018 तक ब्रिक्स देशों के नाट्य समारोह में भाग लेने के लिए संकाय/छात्रों आदि के 9 सदस्यों की मंडली को भेजा गया।
- छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत 3 से 14 मार्च, 2019 तक रॉयल अकादेमी ऑफ़ ड्रामाटिक आर्ट्स (राडा), लंदन में 4 छात्रों के मंडल को भेजा गया।
- रा.ना.वि. और एनसेट के साथ सहयोग के बारे में विचार-विमर्श करने के लिए इंस्टीट्यूट फ्रेंके इस से 3 सदस्यों के मंडल ने 27 मार्च, 2019 को रा.ना.वि. का दौरा किया।
- डेप्यूटी हैड ऑफ द मिशन एंबेसी ऑफ रिपब्लिक ऑफ क्यूबा और प्रभारी निदेशक रा.ना.वि., शांतनु बोस, डीन (शैक्षिक मामले) और डॉ. अभिलाष पिल्लई, सीईपी प्रभारी के बीच 2 अप्रैल 2019 को रा.ना.वि. के साथ सहयोग के बारे में विचार-विमर्श किया गया।
- छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम के एक अंश के रूप में 31 मार्च से अप्रैल, 2019 की अवधि के दौरान रॉयल अकादेमी और ड्रामाटिक आर्ट्स (राडा), लंदन से 4 छात्रों की मंडली द्वारा रा.ना.वि. का दौरा किया गया।
- रॉयल अकादेमी आफ ड्रामाटिक आर्ट (राडा), लंदन से आए श्री नील फ्रेज़र, लाईटिंग और मैट लेवेन्थेल के तकनीकी प्रशिक्षण के निदेशक और प्रमुख द्वारा रा.ना.वि. का दौरा किया गया और कक्षाएं संयोजित की गई।
- रा.ना.वि. द्वारा आयोजित 8वें थियेटर ओलम्पिक्स के वर्ल्ड थिएटर फोरम में वक्ता के रूप में प्रतिभागिता करने के लिए जर्मनी, लंदन, उरूग्वे, स्पेन से सदस्यों को आमंत्रित किया गया।
- रा.ना.वि. द्वारा आयोजित 20वें भारत रंग महोत्सव के वर्ल्ड थिएटर फोरम में भाग लेने के लिए उरूग्वे, नीदरलैंड, आस्ट्रिया, स्विटजरलैंड, फ्रांस, जर्मनी से सदस्यों को आमंत्रित किया गया।

रंगमंडल

रंगमंडल

रंगमंडल विद्यालय का एक नियमित प्रस्तुति स्कंध है। इसकी स्थापना केवल चार सदस्यों के साथ, 1964 में हुई थी। इसका उद्देश्य जहाँ एक ओर पेशेवर रंगमंच को स्थापित करना था वहीं दूसरी ओर नए-नए प्रयोगों को जारी रखना भी था।

वर्ष 1964, में स्वर्गीय ओम शिवपुरी ने कंपनी की शुरूआत की और वर्ल्ा 1977 में रंगमंडल एक पूर्ण इकाई बना जिसके नियमित नाट्य दल में आठ नए कलाकार शामिल हुए। रंगमंच और सिनेमा को समर्पित स्व. श्री मनोहर सिंह रंगमंडल के प्रथम प्रमुख थे।

विकास

दिल्ली में नियमित रूप से नाटकों का मंचन करने के अतिरिक्त रंगमंडल देश-विदेश के विभिन्न भागों में दौरे कर नाटक प्रस्तुत करता है।

वर्तमान में रंगमंडल में एक रंगमंडल प्रमुख, श्री सुरेश शर्मा और 20 नियमित कलाकार हैं। इन नियमित कलाकारों को कई अनियमित कलाकारों का पूर्ण सहयोग प्राप्त रहता है जो अधिकतर रा.ना.वि. के स्नातक ही हैं, और इन्हें प्रशासनिक और तकनीकी स्टाफ की टीम सहयोग करती है। अब तक रंगमंडल लगभग हर प्रकार की नाट्य-प्रस्तुतियां कर चुका है जिनमें शैलीबद्ध संगीतमय प्रस्तुतियों से लेकर समकालीन यथार्थवादी भारतीय नाटक, विदेशी नाटकों के अनुवाद व रूपांतरण भी शामिल हैं। रंगमंडल के कई कलाकार रंगमंच, सिनेमा और टी.वी. के जाने-माने कलाकारों के रूप में उभरे हैं।

रंगमंडल देश-भर का व्यापक दौरा कर चुका है और जर्मनी, पोलैंड, ब्रिटेन, नेपाल, मॉरिशस, चीन और बांग्लादेश की कई सफल यात्राएं भी कर चुका है।

नए नाटक

तिथि	नाटक	निर्देशक	नाटककार	स्थान
18 – 20 जनवरी, 2019	जात ही पूछो साधु की	श्री राजिन्दर नाथ	श्री विजय तेंदुलकर	सम्मुख

ग्रीष्मकालीन रंगमंच समारोह, 2018

तिथि	नाटक	निर्देशक	नाटककार	स्थान
23 – 25 मई एवं 6 जून, 2018	ताजमहल का टेंडर	श्री चित्तरंजन त्रिपाठी	श्री अजय शुक्ला	सम्मुख, रानावि
7 जून, 2018	बायन	सुश्री उषा गांगुली	सुश्री माहेश्वरी देवी	कमानी, रानावि
8 जून, 2018	गज़ब तेरी अदा	प्रो. वामन केन्द्रे	प्रो. वामन केन्द्रे	कमानी, रानावि
9 जून, 2018	ख़ामोशी सीली सीली	प्रो. सुरेश शर्मा	श्री जोसेफ स्टेन	कमानी, रानावि
10 जून, 2018	घासीराम कोतवाल	श्री राजिन्दर नाथ	श्री विजय तेंदुलकर	कमानी, रानावि

16 जून, 2018	गज़ब तेरी अदा	प्रो. वामन केन्द्रे	प्रो. वामन केन्द्रे	डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर विश्वविद्यालय, औरंगाबाद
17 जून, 2018	ताजमहल का टेंडर	श्री चित्तरंजन त्रिपाठी	श्री अजय शुक्ला	
18 जून, 2018	बायन	सुश्री उषा गांगुली	सुश्री माहेश्वरी देवी	
19 जून, 2018	ख़ामोशी सीली सीली	प्रो. सुरेश शर्मा	श्री जोसेफ स्टेन	
20 जून, 2018	घासीराम कोतवाल	श्री राजिन्दर नाथ	श्री विजय तेंदुलकर	

साप्ताहांत रंगमंच समारोह

तिथि	नाटक	निर्देशक	नाटककार	स्थान
14 – 16 सितंबर, 2018	गज़ब तेरी अदा	प्रो. वामन केन्द्रे	प्रो. वामन केन्द्रे	सम्मुख
28 – 30 सितंबर, 2018	बायन	सुश्री उषा गांगुली	सुश्री माहेश्वरी देवी	सम्मुख
12 – 14 अक्तूबर, 2018	ताजमहल का टेंडर	श्री चित्तरंजन त्रिपाठी	श्री अजय शुक्ला	सम्मुख
26 –28 अक्तूबर, 2018	ख़ामोशी सीली सीली	प्रो. सुरेश शर्मा	श्री जोसेफ स्टेन	सम्मुख
18 – 20 जनवरी, 2019	जात ही पूछो साधु की	श्री राजिन्दर नाथ	श्री विजय तेंदुलकर	सम्मुख
26 एवं 27 जनवरी, 2019	ताजमहल का टेंडर	श्री चित्तरंजन त्रिपाठी	श्री अजय शुक्ला	सम्मुख

प्रायोजकों के अंतर्गत दिल्ली के बाहर मंचित किए गए प्रदर्शन

तिथि	नाटक	निर्देशक	प्रायोजक	स्थान
2 सितंबर, 2018	ख़ामोशी सीलि सीली	प्रो. सुरेश शर्मा	भारत भवन, भोपाल	भारत भवन, भोपाल
8 अक्तूबर, 2018	ख़ामोशी सीलि सीली	प्रो. सुरेश शर्मा		अभिमंच सभागार
9 अक्तूबर, 2018	गज़ब तेरी अदा	प्रो. वामन केन्द्रे		अभिमंच सभागार
17 दिसंबर, 2018	ख़ामोशी सीलि सीली	प्रो. सुरेश शर्मा		अकेडमिक ऑफ फाइन आर्ट
6 जनवरी, 2019	ख़ामोशी सीलि सीली	प्रो. सुरेश शर्मा	तेजपुर, असम	डायरेक्ट लाइब्रेरी
8 जनवरी, 2019	गज़ब तेरी अदा	प्रो. वामन केन्द्रे	गौमुख, असम	असम नाट्य फेस्टिवल
9 जनवरी, 2019	ख़ामोशी सीलि सीली	प्रो. सुरेश शर्मा	गौमुख, असम	असम नाट्य फेस्टिवल

नए नाटक

जात ही पूछो साधु की का प्रदर्शन रानावि रंगमंडल द्वारा 18 से 20 जनवरी, 2019 तक सम्मुख सभागार, रानावि परिसर में किया गया। नाट्य लेखन व श्री विजय तेंदुलकर द्वारा किया गया। नाटक की परिकल्पना श्री राजिन्दर नाथ द्वारा की गई। वस्त्र सज्जा सुश्री दक्षा शर्मा और द्वारिका दहिया द्वारा की गई। प्रकाश परिकल्पना श्री गोविन्द यादव द्वारा की गई। यह नाटक महीपत के लम्बे कथन के साथ प्रारम्भ होता है, जिसमें वो अपने जीवन का ताना-बाना बुनता है। उसका एकमात्र लक्ष्य एम. ए. की परीक्षा उत्तीय करना था और उसे इस बात का कोई दु:ख नहीं कि वो तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुआ। अनगिनत इंकारों का मुक़ाबला करने के बाद, वो सिफ़रिशी की पढ़ाई शुरू कर देता है, जो आज के जीवन का सर्वश्रेष्ठ हथियार है। एकमात्र प्रत्याशी होने के कारण महीपत स्वर्गीय माताजी गयाबाई सूतराम कला एवं विज्ञान महाविद्यालय में लेक्चचार के पद पर नियुक्त हो जाता है। नाटक के अंत तक महीपत पुन: अपनी पुरानी सूरत-हाल में वापिस आ जाता है, एक पढ़ा-लिखा बेरोज़गार! परन्तु इससे पहले कि नलिनी द्वारा उसके पर काट दिए जाते उसके चाचा और महाविद्यालय का स्टाफ साथ ही आवारा छात्र जिनके वश में वह आरंभ में हो गया था और उनका दोस्त भी बन गया था।

संस्कार रंग टोली (टीआई ई कं.)

संस्कार रंग टोली (टीआई ई कं.)

उत्पत्ति

हालांकि देश में ऐसे अनेक बच्चे हैं जो रंगमंच को सीखने और इसे करने के ज़ज्बे से भरे हुए हैं और नाट्यकला के लिए उनमें बेहद जोश है, परन्तु उन्हें औपचारिक रंगमंच प्रशिक्षण देने और इस क्षेत्र में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कोई संस्थान नहीं है। इन परिस्थितियों में बच्चों की विकासात्मक, शैक्षिक और सृजनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य के साथ अलग-अलग आयु वर्गों के बच्चों के बीच रंगमंच को बढ़ावा देना राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का एक अनिवार्य लक्ष्य बन गया है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए नियमित आधार पर बच्चों के लिए और बच्चों के साथ काम करने वाले अभिनेताओं/शिक्षकों के समूह वाली एक रंगमंच कंपनी 16 अक्तूबर, 1989 को स्थापित की गई। इस कम्पनी को 'थिएटर-इन-एजुकेशन कम्पनी' का नाम दिया गया था और बाद में इसका नाम 'संस्कार रंग टोली' रखा गया।

अप्रैल 2018 से मार्च 2019 तक गत वर्ष के दौरान टोली द्वारा की गई नियमित गतिविधियों का विवरण निम्न है :

अप्रैल 2018 से जनवरी 2019

1. संस्कार रंग टोली द्वारा कार्तिक?।'' आदि पार समंदर नाटकों के प्रदर्शन 18-25 अप्रैल 2018 तक दिल्ली और एन सी आर के विभिन्न स्कूलों में किए गए।
2. 'किस्से सूझ-बूझ के' नाटक के शो 10-20 सितंबर, 2018 तक दिल्ली और एन सी आर के विभिन्न स्कूलों में किए गए।
3. 'किस्से सूझ-बूझ के' के नाटक के शो 01 से 06 अक्तूबर, 2018 तक दिल्ली एवं एन सी आर के विभिन्न स्कूलों में किए गए।
4. 'किस्से सूझ-बूझ के' 07 अक्तूबर से 5 नवंबर, 2018 तक दिल्ली एवं एन सी आर के विभिन्न स्कूलों में किए गए।
5. 6-17 दिसंबर तक उत्तर-पूर्व, गुवाहाटी, असम में विभिन्न स्कूलों के छात्रों के लिए किए गए।
6. दिल्ली और दिल्ली के आस-पास के विभिन्न स्कूलों में 15 जनवरी से 27 जनवरी 2018 तक 'किस्से सूझ बूझ के' और 'पार समंदर' के शो प्रस्तुत किए गए।

ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला-2018
(अप्रैल से जून 2018 तक)

ग्रीष्मकालीन रंगमंचीय कार्यशाला 2018 के लिए आवेदन मंगवाए गए और परिणामस्वरूप 1522 बच्चों ने आवेदन किया। दिल्ली और एन सी आर में 09 कार्यशाला केन्द्रों, बच्चों के कुछ 24 समूह बनाए गए कुल 24×30 = 720 बच्चों ने भाग लिया कार्यशालाओं का आयोजन 2-6 मई, 2018 तक व केन्द्रों में बातचीत के सत्रों के साथ आयोजित की गई। 09 केन्द्रों ने कार्यशाला का आयोजन 18 मई से 17 जून, 2018 तक किया गया।

ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला 2018 के केन्द्रों के नाम

1. लेडी इरविन सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, श्रीमंत माधव राव सिन्धिया मार्ग, नई दिल्ली - 110001
2. लेडी इरविन प्राइमरी स्कूल, श्रीनिवासपुरी, ब्लॉक डी, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली - 49

3. ग्रीनवे माडर्न सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, दिलशाद गार्डन, नई दिल्ली - 95
4. देव समाज मॉडर्न स्कूल, सुखदेव विहार, ओखला, नई दिल्ली - 25
5. भारती पब्लिक स्कूल, मयूर विहार फेज-3, नई दिल्ली-96
6. राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, हरि नगर, मायापुरी रोड, नई दिल्ली - 110064
7. राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, बीटी ब्लॉक शालीमार बाग, नई दिल्ली - 110088
8. सैंट ज़ेवियर हाई स्कूल, रोजवुड सिटी, सैक्टर 49-50, मेन गोल्फ कोर्स, एक्सटैंशन रोड, गुरूग्राम, हरियाणा - 122018
9. कैंम्ब्रिज स्कूल जूनियर विंग, नियर विनायक हॉस्पिटल, गौतम बुद्ध नगर, सैक्टर-27, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301

उत्तर-पूर्व ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला-2018
(1 से 29 जुलाई 2018)

- ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला का आयोजन गुवाहाटी, असम के 4 विभिन्न स्कूलों 1 से 29 जुलाई, 2018 तक आयोजित की गई। इस कार्यशाला में विभिन्न आयु वर्ग के 10 समूह बनाए गए। इस कार्यशाला में कुल 300 बच्चों ने इस कार्यशाला में प्रतिभागिता की।

संडे क्लब पार्ट - I और II की कक्षाएं 18 और 19 अगस्त, 2018 से आरंभ हुई और इन कक्षाओं का आयोजन 21 दिसंबर से 8 जनवरी 2019 तक प्रति शनिवार एवं रविवार को आयोजित की गई।

शिक्षकों के साथ कार्यशाला -

सितंबर, 2018 को राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, हरि नगर, मायापुरी रोड, नई दिल्ली - 44 के शिक्षकों के लिए दो दिवसीय कार्यशालाएं आयोजित की गई जिसमें सभी टाई कलाकारों ने प्रतिभागिता की गई।

बच्चों के एक रंगमंच समारोह जश्नेबचपन के 14वें संस्करण का उद्घाटन
(17 - 25 नवंबर, 2018)

प्रत्येक वर्ष के एकांतर पर रानावि संस्कार रंग टोली बच्चों के लिए जश्नेबचपन (बच्चों के लिए अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच उत्सव) का आयोजन करती है जिसमें रंगमंच समूह बच्चों के लिए और बच्चों के साथ काम करते हैं, उनके कार्यों को इस समारोह में प्रदर्शित किया जाता है। ये रंगमंच ग्रुप देश भर से विभिन्न क्षेत्रों और भाषाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रख्यात और उभरते हुए रंगमंच निर्देशक और प्रतिष्ठित रंगमंच समूह जो बच्चों के साथ और बच्चों के लिए कार्य करते हैं, अपनी पूर्ण प्रस्तुतियों के साथ समारोह में प्रतिभागिता करते हैं।

17 नवंबर, 2018 को सायं 5.30 बजे डॉ. लाइक हुसैन के मार्गदर्शन में मणिपुर, राजस्थान, ओडीशा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के विभिन्न कलाकारों द्वारा 'उड़ान' नाम की प्रस्तुति रानावि मुक्तांगन में की गई। समारोह का आयोजन सम्मुख, अभिमंच, अभिकल्प और लिटिल थियेटर ग्रुप (एलटीजी) सभागार, दिल्ली में किया गया। नौ दिनों तक चले रंगमंच के शानदार समारोह में बच्चों ने भारत और तीन विदेशी समूहों की 21 प्रस्तुतियां देखें जिनमें श्रीलंका (गैर-शाब्दिक) स्विटजरलैंड (अंग्रेज़ी) एवं इंडोनेशिया जीवानीस इसका मुख्य उद्देश्य रंगमंच को उसकी प्रधानता वापिस दिलाना है जो कि आधुनिक युग में डिजीटल माध्यम के आने के कारण मद्धम हो गई थी। इसका उद्देश्य यह भी था कि बच्चों को रंगमंच के प्रति जागरूक बनाया जाए जैसा कि स्कूलों में रंगमंच एक विषय के रूप में नहीं रहता है। समारोह के दौरान होने वाले नाटकों को चार वर्गों में बांटा गया था - बच्चों द्वारा बच्चों और व्यस्कों द्वारा, व्यस्कों द्वारा बच्चों के लिए और कठपुतली की प्रतिनिधि महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और पश्चिम बंगाल जैसे विभिन्न राज्यों से आई 221 प्रविष्टियों में से कुल 24 समूहों को चुना गया। नाटकों का मंचन देशी भाषाओं में किया गया जिसमें बंगाली, असमियां और मलयालम गैर-शाब्दिक के अतिरिक्त, अंग्रेज़ी, हिन्दी एवं अन्य

विदेशी भाषाऐं शामिल है। समारोह में असम (बिहू), सिक्किम (लॉयन डांस), नागालैंड (काबुल नागा डांस) एवं मणिपुर (स्टिक बैलेंस) के नृत्य मुख्य आकर्षण थे। समारोह के दौरान 24 और 25 नवंबर, 2018 को दो दिनों की सेमिनार किया गया।

संडे क्लब 2018 : संडे क्लब पार्ट-I और पार्ट- II में किया। संडे क्लब का आपसी बच्चों के सत्र उसे 5 अगस्त, 2018 तक आयोजित किए गए।

- बच्चों द्वारा तैयार किए गए नाटकों के एक नाट्योत्सव का मंचन 5-15 जनवरी 2019 तक एलटीजी सभागार कॉपरनिक्स मार्ग, नई दिल्ली में किया गया।

गुवाहाटी दौरा : संस्कार रंगटोली को दो नाटकों 'पार समन्दर' और 'किस्से सूझ-बूझ के' का प्रदर्शन 4-14 दिसंबर, 2018 तक के दौरे में उत्तर-पूर्व गुवाहाटी में किया गया। दोनों नाटकों के कुल सात शो किए गए।

- उत्तर-पूर्व के दौरे के लिए स्थानीय समन्वयक के रूप में श्री ज्योति नारायण नाथ और सहायक के रूप में श्री मीता बोरा को नियुक्त किया गया।
- 'पार समंदर' और 'किस्से सूझ-बूझ के' के शो विभिन्न स्कूलों के बच्चों के लोगों और संस्थानों ने लिए दिनांक 6-13 दिसंबर, 2018 तक किए गए।

नई प्रस्तुति 2019

- बबला और बापू @ साबरमती आश्रम संस्कार रंग टोली के कलाकारों के साथ 25 फरवरी से 31 मार्च, 2019 तक के बीच श्री एम के रैना के निर्देशन में एक नई प्रस्तुति तैयार की गई।
- डिब्रूगढ़ असम में एक कार्यशाला - 2018 - संस्कार रंग टोली द्वारा 01 से 03 मार्च 2019 तक बच्चों के साथ उत्तर-पूर्व, असम, डिब्रूगढ़ में 1-30 मार्च, 2019 तक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संस्कार रंग टोली द्वारा 1-30 मार्च 2018 तक शिव सागर, असम तक बच्चों के साथ कार्यशाला आयोजित की गई। शिक्षकों के लिए बारपेटा, उत्तर-पूर्व, असम में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। एम.एड., बी. एड और बी.एलडी के छात्रों के लिए जिला बारपेटा, असम, उत्तर-पूर्व में संस्कार रंग टोली द्वारा 13-28 मार्च, 2018 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विस्तार कार्यक्रम

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय अपने छात्रों को 3 वर्षीय डिप्लोमा के लिए एकीकृत प्रशिक्षण उपलब्ध कराता है। इस पाठ्यक्रम में प्रतिवर्ष सीमित छात्रों को ही प्रवेश दिया जाता है, जबकि आवेदकों की संख्या सैकड़ों में रहती है। कई तरह की प्रत्यक्ष बाधाओं के कारण विविध राज्यों में रहने वाले विभिन्न भाषाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों वाले अधिकांश रंग कलाकार रा. ना.वि. द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं से लाभान्वित नहीं हो पाते, इसलिए उन रंगकर्मियों तक पहुँचने और पूरे भारत में रंगमंच के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय ने 1978 में स्थानीय भाषाओं में 'विस्तार कार्यक्रम' नामक एक अल्पकालीन शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ किया। इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में स्थानीय एजेंसियों के सहयोग से प्रस्तुतिपरक् रंगमंच कार्यशालाएं, प्रस्तुतिपरक् बाल रंगमंच कार्यशालाएं, रंगमंच आदि पर शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि आयोजित किए जाते हैं। इस कार्यक्रम को यथासंभव व्यापक बनाने के प्रयास किए गए हैं ताकि इसे देश के सभी क्षेत्रों तक ले जाया जा सके, विशेष रूप से उन क्षेत्रों तक जो कि ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में हैं।

शैक्षिक वर्ष 2018–19 के दौरान रा.ना.वि. के विस्तार कार्यक्रम द्वारा निम्न कार्यशालाओं का संचालन किया गया :

01/04/2018 से 31/03/2019 तक संचालित रंगमंच कार्यशालाओं की सूची

क्रम सं.	प्रोजेक्ट/कार्यशालाएं	सहयोगी संस्था	कार्यशाला की अवधि
1.	रानावि, नई दिल्ली में 9वीं अभिनयपरक रंगमंच कार्यशाला	रानावि द्वारा स्वयं संचालित	02/06/2018 से 09/06/2018 तक
2.	भिलाई (छत्तीसगढ़) में रंगमंच कार्यशाला	संस्कार भारती, रायपुर (छत्तीसगढ़)	17/06/2018 से 08/07/2018 तक
3.	अहमदाबाद, गुजरात में 15 दिवसीय रंगमंच परिकल्पना कार्यशाला	जे. जी. कॉलेज ऑफ परफोर्मेस आर्ट्स, अहमदाबाद	25/12/2018 से 08/01/2019 तक
4.	संगीत नाटक अकादमी, मेघदूत थियेटर, कॉपरनिकस मार्ग, नई दिल्ली में 30 दिनों की रंगमंच कार्यशाला	रानावि द्वारा आयोजित	15/01/2019 से 14/02/2019 तक
5.	सागर, कर्नाटक में 15 दिवसीय परिकल्पना सह तकनीकी कार्यशाला	अनंथरंगा ट्रस्ट रेघ जिला, सागर, कर्नाटक	11/02/2019 से 25/02/2019 तक
6.	तुमरी, कर्नाटक में 21 दिवसीय प्रस्तुति सह तकनीकी रंगमंच कार्यशाला	किन्नर मेला तुमरी, जिला सागर, कर्नाटक	27/02/2019 से 19/03/2019 तक
7.	भुवनेश्वर, के निकट (ओडीशा) नाट्यग्राम में प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	नाट्य चेतना ग्रुप, भुवनेश्वर (उड़ीशा)	05/03/2019 से 04/04/2019 तक
8.	पोर्ट ब्लेयर (अंडमान निकोबार) में प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	कला केन्द्र, ए एवं एन आइसलैंड सोसायटी फॉर प्रोमोशन ऑफ आर्ट ऐण्ड कल्चर, पोर्ट ब्लेयर	10/03/2019 से 07/04/2019 तक
9.	देहरादून (उत्तराखंड) में प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	शैलनेट, स्थानीय समूह देहरादून (उत्तराखंड)	08/03/2019 से 07/04/2019 तक
10.	कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में 15 दिवसीय तकनीकी रंगमंच कार्यशाला	रंगकर्मी	16/03/2019 से 31/03/2019 तक

01/04/2018 से 31/03/2019 तक संचालित रंगमंच कार्यशालाओं की सूची

क्रम सं.	प्रोजेक्ट/कार्यशालाएं	सहयोगी संस्था	कार्यशाला की अवधि
1.	हतबोर, जिला नगांव, असम में 30 दिवसीय प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	चित्रलेखा नाट्य प्रस्तुति, हतबोर जिला नगांव, असम	25/01/2019 से 23/02/2019 तक
2.	रानावि के अंतर्गत उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों और अन्य क्षेत्रों में 25 नाटक प्रदर्शित किए गए, उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए 5 शो दौरे योजना के लिए ईपीडी	राज्यों के स्थानीय समूह से	इसका आरंभ दिसंबर, 2018 से हुआ और यह जनवरी, 2019 तक संचालित किया गया।
3.	इंफाल, मणिपुर में 30 दिसवीय प्रस्तुतिप. रक रंगमंच कार्यशाला	द इंफाल थियेटर, मणिपुर	01/02/2019 से 03/02/2019 तक
4.	कामरूप, जिला गुवाहाटी (असम) में अभिनय सीन वर्क थियेटर की 21 दिवसीय कार्यशाला	क्रिएटोविस्टा सोसायटी कामरूप जिला गुवाहाटी, असम	01/02/2019 से 21/02/2019 तक
5	रानावि के अंतर्गत उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों और अन्य राज्यों में 25 नाटक मंचित किए गए, उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए 5 शो दौरे प्रोजेक्टों के लिए ईपीडी	राज्यों के स्थानीय समूहों द्वारा	दिसंबर 2018 से जनवरी 2019
6	दीमापुर (नागालैंड) नोहाटा ग्राम में प्रस्तु. तिपरक रंगमंच कार्यशाला	जोय थिएटर स्कूल ऑफ मिनिस्ट्री (नागालैंड)	05/03/2019 से 04/04/2019 तक
7	टांगला (असम) में 15 दिवसीय तकनी. की रंगमंच कार्यशाला	दिपोन द मिरर, टांगला, असम	15/03/2019 से 30/03/2019 तक
8	गुवाहाटी (असम) में बच्चों की रंगमंच कार्यशाला	जिरसांग थियेटर ग्रुप	15/03/2019 से 07/04/2019 तक
9	लोहारगढ़ जिला कामरूप (असम) में प्रस्. तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला	रानावि स्नातक एवं स्थानीय सहयोग से	18/03/2019 से 21/04/2019 तक
10	बासर जिला (अरूणांचल प्रदेश) में प्रसतुति रंगमंच कार्यशाला	रानावि स्नातक एवं स्थानीय सहयोग से	20/03/2019 से 18/04/2019 तक
11	सोनपुर (असम) में 10 दिवसीय तकनीकी कार्यशाला	असम नाट्य सम्मेलन एवं सोनपुर कॉलेज, सोनपुर (असम)	27/03/2019 से 05/04/2019 तक
12	रानावि के अंतर्गत उत्तर-पूर्व क्षेत्रों और अन्य राज्यों में 25 नाटकों का प्रदर्शन उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए 5 शो दौरे योजना के लिए ईपीडी	राज्यों के स्थानीय समूह से	इसका आरंभ जनवरी, 2019 से मार्च, 2019 तक संचालित किया गया।

राजभाषा विभाग

अप्रैल, 2018 से मार्च, 2019 तक राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

- **टिप्पण प्रारूपण विषय पर कार्यशाला :** कार्यालयी कार्यों में टिप्पण-प्रारूपण की महत्ता पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में दिनांक 7 जुलाई, 2018 को संस्कृति मंत्रालय से निदेशक (रा.भा.), श्री वी. पी. गौड़ को कार्यशाला विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। श्री गौड़ ने टिप्पण-प्रारूपण विषय पर प्रतिभागियों को व्यावहारिक रूप से जानकारी दी। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

- **हिन्दी उत्सव - 2018:** विद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 17-28 सितंबर, 2018 तक 'हिन्दी उत्सव' मनाया गया, जिसमें निम्न प्रतियोगिताएं जैसे:

  भाव संरचना, सुलेख एवं श्रुतलेख, शुद्ध हिन्दी वार्तालाप, पहेली प्रतियोगिता, राजभाषा प्रश्नोत्तरी एवं सामान्य ज्ञान, कार्यालयी अनुवाद, बात तस्वीर की एवं प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित की गई।

  प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने के लिए और एक प्रतिस्पर्द्धा का वातावरण बनाने के लिए उपरोक्त कार्यक्रम में क्रमश: 3100/-, 2500/-, 2100/- और 1500/- राशि के प्रथम, द्वितीय, तृतीय और प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए।

- **'राजभाषा कार्यान्वयन विषय' पर कार्यशाला :** कार्यालयी कर्मचारियों को राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी जानकारी देने हेतु दिनांक 17 सितंबर, 2018 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में संस्कृति मंत्रालय से निदेशक (रा.भा.), श्री वी. पी. गौड़ द्वारा प्रतिभागियों को राजभाषा कार्यान्वयन विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

- **'हिन्दी बहुत सरल है प्रयोग करके तो देखिए' विषय पर कार्यशाला :** उक्त विषय पर विद्यालय में दिनांक 4 दिसंबर, 2018 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में डॉ. विमलेश कांति वर्मा को आमंत्रित किया गया जिन्होंने अधिकारियों/कर्मचारियों को हिन्दी के सहज प्रयोग करने के सरल एवं सटीक गुण सिखाए। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

- **'हिन्दी में सृजनात्मक नवलेखन' विषय पर कार्यशाला :** उक्त विषय पर दिनांक 25 मार्च, 2019 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जसमें प्रतिभागियों को हिन्दी में रचना लेखन पर व्यावहारिक रूप से जानकारी दी गई।

प्रकाशन कार्यक्रम

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का प्रकाशन एकक रंगमंच विषयक पुस्तकों का और रंगमंच पर महत्वपूर्ण पुस्तकों के अंग्रेज़ी से हिन्दी अनुवादों का प्रकाशन करता है। इस कार्यक्रम के नियमित प्रकाशन रंगप्रसंग, राजभाषा मंजूषा और थिएटर इंडिया हैं।

रंग प्रसंग

हिन्दी की त्रैमासिक पत्रिका **रंग-प्रसंग** को प्रकाशित करने की शुरुआत वर्ष 1998 से हुई। इसका प्रत्येक अंक मुख्यत: रंगमंच गतिविधियों के किसी एक क्षेत्र विशेष पर समर्पित रहता है। इसके अतिरिक्त इसमें रंगमंच और नाट्य कलाओं की विभिन्न तकनीकों पर नाटक और आलेख भी प्रकाशित किए जाते हैं।

राजभाषा मंजूषा

(हिन्दी पत्रिका-अर्द्धवार्षिक)

हमारे गणतंत्र की स्वर्ण जयंती मनाने के लिए राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय ने कुछ नए कार्यक्रम शुरू किए। हिन्दी में 'राजभाषा मंजूषा' नाम से एक नई पत्रिका का प्रकाशन उन्हीं में से एक है। इस पत्रिका का प्रवेशांक सितंबर, 1999 में प्रकाशित हुआ। पत्रिका का उद्देश्य राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों को हिन्दी में कामकाज करने के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें साहित्य सृजन की प्रेरणा देना है।

थिएटर इंडिया

(अंग्रेज़ी पत्रिका-अर्द्धवार्षिक)

वर्ष 1999 में प्रारंभ हुई **थिएटर इंडिया** विद्यालय की अर्द्धवार्षिक अंग्रेज़ी पत्रिका है जो भारत की मौजूदा सांस्कृतिक और रंगमंचीय परंपराओं को व्यापक परिप्रेक्ष्य प्रदान करती है। इसका उद्देश्य रंगमंच प्रेमियों को भाषा, क्षेत्र और संस्कृति की बाधाओं को मिटाकर कला के असंख्य रूपों से अवगत करवाना है। इस पत्रिका के माध्यम से विद्यालय भिन्न-भिन्न भाषाओं की पृष्ठभूमि के पाठकों के बीच दूरी पाटने का प्रयास करता है। थिएटर इंडिया पत्रिका, शुल्क द्वारा प्राप्त की जा सकती है।

2018-19 के दौरान, प्रकाशन कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नांकित प्रकाशन प्रकाशित किए गए

क्रम सं.	दिनांक	विवरण	संख्या
1.	28.05.2018	रंग प्रसंग अंक - 50	1100
2.	29.05.2018	विजय तेंदुलकर मराठी थियेटर (अंग्रेज़ी)	600
3.	02.07.2018	विवरणिका वाराणसी	300
4.	02.08.2018	राजभाषा मंजूषा - 21	1000
5.	22.10.2018	रंग प्रसंग 38-39	1100
6.	15.01.2019	वार्षिक प्रतिवेदन 2017-2018 (अंग्रेज़ी एवं हिन्दी)	500

रा.ना.वि. ने अपने बाह्य पहुँच कार्यक्रम के समेकन के अंतर्गत चार केन्द्रों की स्थापना की जो निम्न प्रकार से है :

- **बैंगलुरु (कर्नाटक)**
- **गंगटोक (सिक्किम)**
- **अगरतला (त्रिपुरा)**
- **वाराणसी (उत्तर प्रदेश)**

रा.ना.वि. बैंगलुरु केन्द्र

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली ने अपनी रंगमंच गतिविधियों का विस्तार किया जब इसने वर्ष 1994 की शुरूआत में बैंगलूरु ने क्षेत्रीय संसाधन केन्द्र स्थापित किया। उस समय से अब तक बैंगलूरु केन्द्र 'अभिनय में एक वर्षीय गहन पाठ्यक्रम' के चौथे संस्करण के पूर्ण कर एक पूर्ण रूप से समग्र केन्द्र के रूप में विकसित हुआ है। बैंगलुरु केन्द्र ने रंगकर्मियों के लाभ के लिए वर्ष 2014 से अभिनय में एक वर्षीय पाठ्यक्रम आरंभ किया है।

रा.ना.वि. बेंगलुरु केन्द्र ने अपने छात्रों को अभिनय कौशल की एक अलग ही किस्म की शैली में प्रशिक्षण देने को महत्व दिया है। बेंगलुरु केन्द्र का पाठ्यक्रम दक्षिण भारत के उत्तम पारंपरिक एवं लोक कला रूपों से निकाली गई अभिनय पद्धतियों द्वारा अभिनय की भारतीय पद्धति को विकसित करने के प्रयास का परिणाम है जो कि पूर्ण एवं बहुमुखी प्रतिभाशाली कलाकारों को तैयार करने के लिए प्रयासरत है। इसके पाठ्यक्रम के माध्यम से दक्षिण भारत की सशक्त प्रदर्शनकारी कलाएं जिनका नाट्यशास्त्र में उल्लेख किया गया है, में से अभिनय के तत्व को निकाला गया है और अभिनय की अत्यंत अनूठी पद्धति का प्रयोग कर आधुनिक कलाकार को तैयार करने में इसका प्रयोग किया गया है। इस तरह बेंगलुरु केन्द्र ने शिक्षण की एक अलग-सी व अनूठी शैली विकसित की है जो कि अपने दिल्ली के मुख्य संस्थान के पाठ्यक्रम से व्यापक स्तर पर भिन्न है।

जैसा कि रानावि बेंगलुरु केन्द्र अपने मुख्य स्थान रानावि, नई दिल्ली की तर्ज पर आधारित है, बेंगलुरु केन्द्र के कार्यक्रम पारम्परिक दक्षिण भारत में लोककला, रंगमंच और रंगमंच प्रशिक्षण पर भी विशेषकर केन्द्रित है। वर्तमान में रानावि बेंगलुरु केन्द्र द्वारा प्रदत्त एक वर्षीय गहन पाठ्यक्रम, ऐसे छात्र जो अपने कौशल को परिष्कृत करना चाहते हैं, उनको एक बृहत मंच प्रदान करता है।

वर्ष 2018-19 में रानावि गतिविधि के एक भाग के रूप में स्थानों के इतिहास को जानने के लिए केन्द्र निदेशक के मार्गदर्शन के अंतर्गत केन्द्र ने बैंगलूरु, जनपदा लोखा, रिवानाशिद्देश्वरा हिल, अट्टाकलारी एवं बैंगलूरु के विभिन्न रंगमंच भवनों का दौरा किया।

नियमित गतिविधियों के अतिरिक्त, केन्द्र ने निम्न नाटक तैयार किए :

रंग-संगीत - 25 सितंबर से 5 अक्तूबर 2018

नाडोजा श्रीमती सुब्राद्रामा मंसूर, जानी-मानी पेशेवर रंगमंच व्यक्तित्व और उत्कृष्ट गायिका ने रंगमंच संगीत की बारीकियों को पढ़ाने के लिए 15 दिनों के लिए छात्रों को प्रशिक्षण दिया। 15 अक्तूबर 2018 को जनता के लिए शो प्रस्तुत किया गया जिसमें सभी दर्शक आमंत्रित थे। छात्रों ने भी अनूठे प्रकार के गीतों की प्रस्तुति देकर सक्रिय रूप से प्रतिभागिता की। श्री गुडिहल्ली नागराज, प्रख्यात पत्रकार ने गीतों के बारे में इनकी खूबसूरती साझा की।

चित्रपट रामायण - एक यक्षगान शानदार प्रस्तुति - 22 और 23 अक्तूबर 2018

कला प्रस्तुति के एक भाग के रूप में बैगलूरु केन्द्र ने छात्रों के लिए यक्षगान का आयोजन किया। यक्षगान कर्नाटक का लोक रंगमंच रूप है। निष्ठावान और ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्तकर्ता डॉ. के शिवराम कारंथ ने इस कला में अपना योगदान दिया है। डॉ. बन्नान्जे संजीव सुर्वणा ने श्री होसाथोटा मंजूनाथ भगवत द्वारा लिखित यक्षगान नाटक 'चित्रपट रामायण' का निर्देशन किया।

कुट्टिअट्टम कक्षाएं : 4-21 नवंबर, 2018

प्रख्यात कुट्टिअट्टम कलाकार श्री जी. वेणु ने संस्कृत रंगमंच रूप 'कुट्टिअट्टम' का प्रशिक्षण दिया। श्री वेणु ने शरीर और मस्तिष्क के माध्यम के साथ गहरी भावनाओं को अभिव्यक्त करने के पहलूओं पर कार्य किया। उन्होंने 'नवरस साधना' पर भी गहनता से कार्य किया। श्री सूरज और श्री हरिहरण ने इस प्रक्रिया में सहयोग दिया।

श्री के. जी. कृष्णमूर्ती और श्री सी. वासवालिंगैयाह द्वारा अभिनय कक्षाएं

अभिनय में कौशल का विस्तृत रूप जिसमें पूर्ण विकसित कल्पनाएं, भावनाएं, दैहिक अभिव्यक्ति, गायन प्रक्षेपण भाषा की स्पष्टता और नाटक की व्याख्या करने की योग्यताएं शामिल हैं। अभिनय में संवादों, उच्चारण, तत्कालिक प्रक्रिया, चीजों को ध्यान से देखना और अनुकरण, मूकाभिनय और मंच पर सहज होने की योग्यता की भी मांग होती है। इन कौशलों को विकसित

करने के लिए बहुत से अभिनेताओं को विस्तृत रूप से विशेष कार्यक्रमों या कॉलेजों में प्रशिक्षित किया जाता है या बहुत संख्या में पेशेवर अभिनेता इस विस्तृत प्रशिक्षण के लिए जाते हैं। अभिनेता और अभिनेत्री के पास प्राय: बहुत से प्रशिक्षक और शिक्षक रहते हैं जिसमें गायन, दृश्यबंध कैमरा के लिए ऑडिशन तकनीकी और अभिनय का पूर्ण प्रशिक्षण दिया जाता है।

श्री के. जी. कृष्णामूर्ती, वरिष्ठ रंगकर्मी और अभिनय एवं रंगमंच कौशल में श्रद्धेय शिक्षक छात्रों को रंगमंच की विभिन्न बारीकियों के बारे में सिखाते हैं। पद्धति आधारित अभिनय पर विशेष जोर दिया जाता है। 20 दिवसीय कक्षा ने छात्रों के बीच आत्मविश्वास जगाया और एक साथ रहने का वातारण बनाया और पर्यावरण के अनुकूल वातावरण को प्रोत्साहित किया।

कुसुमाबाले नाट्य प्रस्तुति अभ्यास 12, 13 जनवरी एवं 15 फरवरी से 30 मार्च 2019

नाट्य पाठन और पात्रों को उनकी भूमिका के अनुसार ढालकर दृश्यों को ब्लॉक करने पर ध्यान दिया गया। निदेशक श्री सी. वासवालिंगैयाह ने छात्रों की गहरी इच्छाओं और भावनाओं को बाहर निकालकर उनमें पात्रों को विकसित करने के लिए गहनता से कार्य किया। गहनता और महत्व भाषा के साथ दोगुनी हो गई। अभिनेताओं को नंजनागुडु और चामराजनगर (मैसूर राज्य का भाग) के भागों में प्रचलित और श्री देवानोरू महादेव द्वारा लिखित विशेष खिचड़ी भाषा बोलनी थी। बेहद कुशल और पेशेवर कलाकारों संगीत, मंच व परिकल्पना, वेशभूषा एवं मंच सामग्री के लिए इस प्रस्तुति के लिए एक साथ मिलकर काम किया।

उच्च श्रेणी के कुशल एवं पेशेवर कलाकारों ने मिलकर संगीत, मंच, परिकल्पना, वेशभूषा और मंच सामग्री के लिए काम किया।

सिक्किम रंगमंच प्रशिक्षण केन्द्र, गंगटोक

सिक्किम रंगमंच प्रशिक्षण केन्द्र, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का पहला केन्द्र है जो गंगटोक की हरी-भरी मनोहर वादियों में स्थापित किया गया। यह अभिनय में एकवर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करता है। केन्द्र 16 कलाकारों का एक रंगमंडल चलाता है, जो बहु संख्या में जनता के लिए नाटक तैयार करता है और उनको सिक्किम और उत्तर-पूर्व के अन्य राज्यों और देश के अन्य राज्यों में प्रस्तुत करता है।

केन्द्र जोशीले व्यक्तियों को अभिनय से लेकर रंगमंच के विभिन्न पहलुओं में एक वर्षीय प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम प्रदान करता है। एक कठिन चयन प्रक्रिया के माध्यम से प्रतिवर्ष 20 छात्रों को चुना जाता है। यह एक आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम है। प्रख्यात रंगमंच निर्देशक यहाँ शिक्षण संकाय है।

पहला मोड्यूल अभिनेताओं/प्रतिभागियों के प्रशिक्षण और उन्हें तैयार करने पर केन्द्रित है। इस गहन चरण में योग, गति, वाक एवं संभाषण, संगीत और अभिनय के विभिन्न तरीके और साथ ही दृश्यबंध (वास्तविक और भौतिक रंगमंच) शामिल है।

दूसरा मोड्यूल तकनीकी प्रशिक्षण पर केन्द्रित है जिसमें दृश्यबंध परिकल्पना, प्रकाश व्यवस्था, वस्त्रसज्जा, रूप-सज्जा, रंगमंच शिल्प, शरीर संचालन, फर्श पर की जाने वाली गतिविधि (एक्रोबैट्स, एरियल), दैहिक अभिनय, आलेख लेखन, अभिनय, रंगमंच संगीत, मंच सामग्री और मुखौटा बनाने और अन्य पहलुओं के साथ ही एक प्रस्तुति तैयार करना भी शामिल है।

तीसरे मोड्यूल में प्रतिभागियों ने देश के कई स्थानों पर पेशेवर प्रस्तुति का दौरा कर इसका अनुभव लेना है। यह दौरा प्रतिभागियों को विभिन्न संस्कृतियों, लोगों और क्षेत्र से परिचय करवाने के लिए उनको पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिए रखा गया है।

सिक्किम केन्द्र 16 कलाकारों का एक रंगमंडल भी चला रहा है जो प्रख्यात रंगमंच निर्देशकों की प्रस्तुतियों को प्रदर्शित करता है और नाटकों को बड़ी संख्या में दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। रंगमंडल उत्तर-पूर्व क्षेत्र के विभिन्न राज्यों में दौरे कर अपनी गुणवत्तापूर्ण प्रस्तुतियों को मंचित करता है।

सिक्किम केन्द्र सिक्किम के चारों जिलों में रंगमंच के विभिन्न पहलुओं पर 15 से 45 दिनों की अवधि की रंगमंच कार्यशालाएं संचालित करता है। ये कार्यशालाएं उस क्षेत्र के रंगमंच जोशीलों को प्रशिक्षित करती है जिससे वे रंगमंच और अभिव्यक्ति के अन्य माध्यमों में अपना कैरियर बनाने में तैयार हो सकें।

सिक्किम केन्द्र सिक्किम में रंगमंच उत्सव का भी आयोजन करता है। जिसमें उत्तर-पूर्व राज्यों से अन्य रंगमंडलियां अपनी प्रस्तु. तियों के साथ प्रतिभागिता करती है। उत्तर-पूर्व राज्य की इन प्रस्तुतियों को देश के अन्य राज्यों में इन राज्यों के रंगमंच कलारूपों को प्रदर्शित करने के लिए केन्द्र दौरे करता है।

नियमित गतिविधियों के अतिरिक्त केन्द्र की अन्य गतिविधियाँ निम्न प्रकार से हैं :

अप्रैल 2018

केन्द्र के प्रतिभागियों की **योग कक्षाएं,** रंजना मंगेर द्वारा बिक्रम लेप्चा द्वारा अभिनय कक्षाएं, मंच परिकल्पना और मॉडल मैि. कंग उत्पल कुमार झा द्वारा ली गई। रंगमंडल ने 3 अप्रैल, 2018 को 8वें थियेटर ओलम्पिक्स में 'अब और नहीं' नामक नाटक मंचित किया।

मई 2018

बिक्रम लेप्चा द्वारा केन्द्र के प्रतिभागियों की अभिनय कक्षाएं आयोजित की गई। 2017-18 के बैच के छात्रों की अंतिम प्रस्तुति

का आरंभ 'यू टू विक्रांत...' नामक नाटक से आरंभ हुआ जो कि श्री बिनोद शर्मा द्वारा निर्देशित किया गया था और यह नाटक शेक्सपीयर के नाटक जूलियस सीज़र से प्रेरित था।

जून 2018

2018-19 बैच के नाट्यकला में एक वर्षीय आवासीय प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के साक्षात्कार गुवाहाटी में 11 जून को और गंगटोक में 13 जून को संचालित किये गये। बिनोद शर्मा द्वारा निर्देशित नाटक 'यू टू विक्रांत...' जो कि शेक्सपीयर के नाटक जूलियस सीजर से प्रेरित है, का मंचन मानन केन्द्र में 15 जून, 2018 को किया गया।

जुलाई 2018

बिपिन कुमार द्वारा निर्देशित तीन कहानियों से प्रेरित नाटक 'द जर्नी' का रंगमंडल द्वारा स्टूडियो थियेटर में सायं 5.30 बजे 14 और 15 जुलाई को मंचन किया गया। केन्द्र के प्रतिभागियों की योग कक्षाएं रंजना मंगेर द्वारा, लापचेन लेप्चा द्वारा गति संचालन और शुभादीप गुहा द्वारा रंगमंच संगीत पर कक्षाएं ली गई। रंगमंडल की नई प्रस्तुति की संदीप भट्टाचार्य द्वारा निर्देशित 'सुंताला को बगान' नामक नाटक से शुरूआत हुई।

अगस्त 2018

केन्द्र के प्रतिभागियों की योग कक्षाएं रंजना मंगेर द्वारा लापचेन लेप्चा और जोय मिताई द्वारा गति संचालन की कक्षाएं ली गई। शुभादीप गुहा द्वारा रंगमंच संगीत, गोगेबाम तुषार पाण्डे और बिपिन कुमार द्वारा अभिनय की कक्षाएं ली गई। वरिष्ठ लिपिक का साक्षात्कार रानावि, एस टी टी सी में 30 अगस्त को आयोजित हुआ। रंगमंडल ने 'सुंतला को बगान' नामक नाटक जो कि संदीप भट्टाचार्य द्वारा निर्देशित है, का मंचन 31 अगस्त और 1 सितंबर 2018 को सायं 5.30 बजे मनन केन्द्र में किया।

सितंबर 2018

केन्द्र के प्रतिभागियों की गति संचालन की कक्षाएं सुदिप्ता कुंडु द्वारा, तुषार पाण्डे, मृदुल बरूआ और बिपिन कुमार द्वारा अभिनय कक्षाएं, मोनालिसा चटर्जी द्वारा पश्चिमी एवं एशियन रंगमंच इतिहास पर कक्षाएं ली गई। रंगमंडल की नाट्यलेख पठन की कक्षाएं बिपिन कुमार द्वारा ली गई।

अक्तूबर 2018

केन्द्र के प्रतिभागियों की पश्चिमी एवं एशियन रंगमंच इतिहास की कक्षाएं मोनालिसा चटर्जी द्वारा, संगीता गुंडेचा द्वारा शास्त्रीय भारतीय नाटक और बिपिन कुमार द्वारा अभिनय की कक्षएं संचालित की गई। रंगमंडल की नाट्यलेखपठन की कक्षाएं बिपिन कुमार द्वारा ली गई।

नवंबर 2018

छात्रों का शैक्षिक अवकाश 15 अक्तूबर से 10 नवंबर तक रहा। केन्द्र प्रतिभागियों की आधुनिक भारतीय नाटक की कक्षाएं आसिफ अली हैदर खान द्वारा, वंदना वरिष्ठ द्वारा आधुनिक वास्तविकता मूल पाठ (मार्डन रियालिसिटक टैक्स्ट) का दृश्यबंध और बिपिन कुमार (कैंप निर्देशक) द्वारा अभिनय पर कक्षाएं ली गई। रंगमंडल ने लामपुर, बीरभुन में 18-20 नवंबर तक ज्ञान मंच में 'हमी नई आफई ऑफ' नामक नाटक का मंचन किया। 23 नवंबर को रंगमंडल ने बरहामपोर में 'सुंताला को बगान' नामक नाटक का मंचन किया।

दिसंबर 2018

19 दिसंबर, 2018 को रंगमंडल ने नंदीकर उत्सव में 'माया मेघ' नाटक का मंचन किया। केन्द्र के प्रतिभागियों ने 'मालविका अग्निमित्रम' नाटक की अपनी पहली प्रस्तुति का 30 और 31 दिसंबर को रानावि एस टी टी सी में मंचन किया।

जनवरी 2019

केन्द्र के प्रतिभागियों ने 'छाउ' पारंपरिक रूप को सीखने के लिए सरायकेला का दौरा किया। रंगमंडल ने 14 जनवरी को अग. रतला में 'माया मेघ' नामक नाटक का मंचन किया। रंगमंडल ने भारत रंग महोत्सव, दिल्ली के लिए माया मेघ नामक नाटक का पूर्वाभ्यास किया।

फ़रवरी 2019

केन्द्र के प्रतिभागियों की शास्त्रीय भारतीय नाटक की कक्षाएं प्रो. कीर्ति जैन द्वारा, प्रो. सतीश आलेकर द्वारा नाट्यलेख शिल्प और विश्लेषण, एच. टी. टोम्बा द्वारा दैहिक संचालन के साथ वाक् की कक्षाएं ली गई। रंगमंडल ने भारंगम, दिल्ली में 18 फरवरी को 'माया मेघ' नाटक मंचित किया।

मार्च 2019

केन्द्र के प्रतिभागियों की वाक् और भाषण पर अमित बनर्जी द्वारा कक्षाएं, मंच परिकल्पना और मॉडल मेकिंग श्री श्याम कुमार साहनी द्वारा, स्नेहा कुमार द्वारा वस्त्र परिकल्पना, शिल्पिका बोरदोलोई द्वारा दैहिक संचालन और ओअसिस सौगैजाम द्वारा प्रस्तुति प्रक्रिया पर कक्षाएं ली गई।

थिएटर-इन-एजुकेशन स्कंध, त्रिपुरा

ऐसे रंगमंच से जुड़े व्यक्तित्व जो रंगमंच की पद्धतियों में पूर्णत: निपुण हैं और बच्चों के मनोविज्ञान की जिनको गहरी समझ है और साथ ही बाल रंगमंच क्षेत्र में पेशेवर के रूप में कार्य करने की जिनकी गहरी रुचि है, को बाल रंगमंच में प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से थिएटर-इन-एजुकेशन (टी.आई.ई) शाखा, त्रिपुरा में स्थापित की गई। इसका उद्घाटन त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा 9 अगस्त, 2012 को किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक वर्ष की अवधि का है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफलता से पूर्ण होने पर थिएटर-इन-एजुकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किया जाता है। पूर्ण पाठ्यक्रम दो सत्रों का है।

केन्द्र की गतिविधियाँ निम्न हैं :

अप्रैल से जुलाई, 2018 तक संचालित कक्षाएं :

कक्षाएं	-	विशेषज्ञ का नाम
प्रकाश परिकल्पना	-	श्री लोयंटंगबम परिंगन्बा
पपेटरी	-	श्री प्रभितान्गशु दास
टी आई ई	-	श्री बिजय कुमार सिंह
मैजिक	-	श्री बिजोय आचर्यजी
ऑब्जेक्ट थियेटर	-	सुश्री छोयती घोष
बच्चों के साथ कार्यशाला संचालन सीखाने पर कक्षाएं	-	श्री मनीष सैनी एवं श्री दीपेन्द्र राउत
	-	श्री दीपेन्द्र राउत
योग एवं अभिनय	-	श्री विक्रम सिंह राठौर
शिक्षण अभ्यास	-	श्री विजय कुमार सिंह
पैडागोगी ऑफ थियेटर और अनुप्रयुक्त रंगमंच पर सेमिनार	-	श्री विजय कुमार सिंह
ग्रिप्स थियेटर एवं नाट्य लेखन	-	श्री श्रीरंग गोडबोले एवं विभावरी देशपांडे
आधुनिक भारतीय नाटक	-	प्रो. कीर्ति जैन

प्रदर्शन :

- 14 अप्रैल, 2018 को छात्रों द्वारा मंच प्रकाश व्यवस्था पर प्रदर्शन का संचालन।
- 20 अप्रैल, 2018 को छात्रों द्वारा पपेट (कठपुतली) पर प्रदर्शन का संचालन।
- 28 अप्रैल, 2018 को छात्रों द्वारा मैजिक (जादू) पर प्रदर्शन का संचालन।

नुक्कड़ नाटक :

- रानावि, त्रिपुरा केन्द्र ने 'औरत' और 'समाचार' नामक नुक्कड़ नाटक का प्रसिद्ध नाटककार, अभिनेता, निर्देशक, गीतकार एवं सिद्धान्तकार स्व. सफदर हाशमी की वर्षगांठ के अवसर पर अगरतला में पैराडाइज, चाउमुहानी, अगरतला में संचालित किया। ये नाटक टाई स्नातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए।

ग्रीष्मकालीन कार्यशाला 2018

- राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, (टाई कंपनी) त्रिपुरा ने 15 मई से 22 जून 2018 तक अगरतला में बच्चों के साथ ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाल का आयोजन किया जिसमें 200 बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला टाई छात्रों के पथप्रदर्शक जैसे मनीष सैनी, श्री दीपेन्द्र राव और श्री मनोज भाटिया के पर्यवेक्षण के अंतर्गत संचालित की गई। रंगमंच कार्यशाला का समापन अगरतला टाउन हाल में 14 से 16 जून 2018 को हुआ जिसमें बच्चों ने विभिन्न नाटक जैसे नन्हा परिंदा, यही है दोस्ती, परीक्षा, सैल्फी, ड्रीमलैंड, द किंग ऑफ अवधपुर, वाथेर उपोर ताक, रियो की इस अवसर के दौरान प्रस्तुति दी।
- त्रिपुरा केन्द्र ने मणिपुर में 30 जून 2018 तक अमरापुर, गोमती त्रिपुरा में 26 अप्रैल से 16 मई 2018 तक बेलोनिया दक्षिण त्रिपुरा में 29 अप्रैल से 29 मई 2018 तक, दीमापुर, नागालैंड में 16 जुलाई से 5 अगस्त 2018 तक और बारपेटा, असम में 1 से 31 जुलाई 2018 तक भी ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशालाओं का आयोजन किया।

21 जून 2018 को चौथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन :

- रानावि त्रिपुरा केन्द्र में 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित किया गया। योग सत्र प्रातः 7.00 बजे से प्रातः 9.30 बजे तक श्री विक्रम सिंह राठौर (योग प्रशिक्षक) द्वारा संचालित किया गया। छात्र, स्टाफ और स्थानीय लोगों के लिए प्रातः 10.00 बजे से सायं 7.00 बजे तक परिसर के अंदर श्री विक्रम द्वारा समग्र स्वास्थ्य के लिए थेरेपी पर पर निःशुल्क योग कैंप भी आयोजित किया गया।

प्रतिभागिता नाट्य प्रस्तुति :

- टाई छात्रों ने रानावि परिसर के बच्चों के लिए श्री विजय कुमार सिंह द्वारा निर्देशित प्रतिभागिता नाटक 'फेयर आर फाउल' नाटक की प्रस्तुति 1 और 3 मई 2018 को रानावि कैम्पस में, अमरापुर न्यू टाउन हॉल में 4 मई 2018 को, मुक्तधारा सभागार, अगरतला में 5 मई और 5 जुलाई 2018 को (कुल 5 शो की प्रस्तुति) दी। प्रस्तुतियाँ सफलतापूर्वक मंचित की गई और अपने अभिभावकों के साथ उपस्थित बच्चों ने खुले दिल से प्रस्तुतियों की प्रशंसा की।

एक वर्षीय टाई पाठ्यक्रम 2018-19 में प्रवेश के लिए नए अभ्यर्थियों का चयन

- रानावि त्रिपुरा केन्द्र ने शैक्षिक वर्ष 2018-19 के लिए एक वर्षीय टाई पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश के लिए 66 आवेदन प्राप्त किए जिसमें 54 अभ्यर्थी अंतिम कार्यशाला/साक्षात्कार के लिए चुने गए। कार्यशाला/साक्षात्कार 8 जुलाई 2018 को रानावि, त्रिपुरा केन्द्र में और 14 जुलाई 2018 को एन इ जैड सी सी, शिल्पग्राम, गुवाहाटी, असम में संचालित किए गए। शैक्षिक सत्र 2018-19 के लिए 31 जुलाई, 2018 को त्रिपुरा केन्द्र में टाई पाठ्यक्रम के लिए कुल 20 छात्र (13 पुरुष एवं 7 महिला) चुने गए।

अगस्त 2018 से मार्च 2019 तक आयोजित कक्षाएं : -

कक्षाएं	-	**विशेषज्ञ का नाम**
दैहिक संचालन पर कक्षाएं	-	श्री गौरव हजारिका
नाट्य लेख पाठन	-	सुश्री बबीता पाण्डे
डाई एंड टाई	-	श्री बिजय कुमार सिंह
शिल्प निमार्ण और संचालन	-	श्री जदुमणि सिंह
चित्रकारी	-	श्री बिश्वजीत देब और श्री अमित मोदक

थियेटर गेम्स	–	श्री जयंत डे और मनोजीत देबरॉय
भारतीय और विश्व नाटक	–	श्री देवेन्द्र राज अंकुर
भारतीय कला और संस्कृति	–	प्रो. विजय कुमार एल धारूरकर
योग	–	श्री विक्रम सिंह राठौर
बाल विकास	–	सुश्री डिंपल रंगीला
अभिनय/दैहिक संचालन	–	श्री एच. तोम्बा सिंह
बाल विकास (यौनावस्था)	–	सुश्री निकिता अग्रवाल
संगीत संयोजन और ध्वनि रिकॉर्डिंग	–	श्री हुइदरोम अनिल कुमार
नृत्यनाटिका	–	श्री किशोर शर्मा
वस्त्र विन्यास	–	सुश्री बबीता देशपांडे
बच्चों के साथ रंगमंच	–	श्री वाल्टर पीटर
बच्चों के लिए अभिनय	–	श्री मंडार कुलकर्णी
ग्रिप्स नाट्यलेखन	–	श्री श्रीरंग गोडबोले एवं सुश्री विभावरी देश पाण्डे
समसमायिक भारत और बचपन – लिंग भेदभाव (सेमिनार-8)	–	सुश्री शर्मीला छोटारे
भारतीय इतिहास और कला	–	श्री कोन्स्टांटिन वेन्ज़लाफ
भारतीय इतिहास का शिल्प	–	श्री रविन्द्र सिंह और श्री हीरोशी मियाउची
अभिकल्पित प्रस्तुति	–	श्री रजनीश बिष्ट
कठपुतली कला	–	श्री सुरेश दत्ता
नाट्यशास्त्र	–	डॉ. विजय कुमार एल. धारूरकर
वाक् और भाषण	–	श्री विवेक मिश्रा
पाठ्यचर्या ड्रामा	–	श्री दीपेन्द्र राउत और सुश्री ज्योत्सना
एक्रोबेटिक्स	–	श्री अलोक देबबर्मा
समसमायिक भारत एवं बचपन (सेमिनार 6, 7)	–	सुश्री निधी गुलाटी
समसमायिक भारत एवं बचपन (सेमिनार 1-5)	–	सुश्री आशा सिंह एवं सुश्री प्रियंका राव
लेबोन मूवमेंट	–	सुश्री फैज़ेह जलाली और श्री गौराभ हज़ारिका
अनुप्रयुत रंगमंच	–	श्री कौस्तुभ बंकापुरे
गति संचालन	–	श्री टाटसुमी फुजैदा
कथा वाचन	–	श्री सुभाष रावत
थियेटर ऑन ऑपरेस्सड	–	श्री संजोय गांगुली और सुश्री सीमा गांगुली
सामूहिक और दैहिक अभिनय	–	सुश्री शैल्ले वयंत
रंगमंच संगीत	–	सुश्री झिलमिल हज़ारिका
कठपुतली कला	–	श्री प्रभितान्गशु दास
मैजिक (जादू)	–	श्री बिजोय कृष्णा आचार्यजी
प्रकाश परिकल्पना	–	श्री हिमांशु बी. जोशी
ध्वनि परिकल्पना और रिकॉर्डिंग	–	श्री हुइदरोम अनिल कुमार

प्रदर्शन :

- 3 अक्तूबर 2018 को टाई छात्रों (2018-19) द्वारा बाल विकास पर डेमो।
- 14 नवंबर, 2018 को टाई छात्रों (2018-19) द्वारा बच्चों के लिए अभिनय पर डेमा।
- श्री बिजोय कृष्णा आचार्यजी द्वारा 11 मार्च, 2019 को जादू संचालन पर डेमा।
- 18 जनवरी 2019 को श्री विवेक मिश्रा द्वारा प्रस्तुत कक्षा में भाषण की तैयारी पर एकल प्रस्तुति।

15 दिवसीय आवासीय ड्रामा एवं थियेटर-इन-एजुकेशन परक पाठ्यक्रम

- त्रिपुरा केन्द्र ने 20 जुलाई से 5 अगस्त 2018 तक रानावि परिसर में आवासीय ड्रामा एंड थियेटर-इन-एजुकेशन परक 15 दिवसीय पाठ्यक्रम संचालित किया जिसमें पूरे भारत वर्ष से कुल 15 अभ्यर्थी और महाराष्ट्र से एक देख-रेख करने वाले ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम में भाग लिया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य रंगमंच शिक्षा को विभिन्न संदर्भों में प्रयोग करना है। इस 15 दिवसीय ओरिएन्टेशन पाठ्यक्रम का समापन 4 अगस्त 2018 को रानावि परिसर में हुआ। डॉ. विजय कुमार लक्ष्मीकांत राव धारूरकर, कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थे और उन्होंने बहुमूल्य भाषण देकर सभी को लाभान्वित किया।

दीक्षारंभ अनुष्ठान :

- रानावि, त्रिपुरा केन्द्र ने 9 अगस्त, 2018 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सभागार महाराजा बीर बिक्रम मणिकाया सभागार में सत्र 2018-19 का दीक्षारंभ अनुष्ठान आयोजित किया। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार लक्ष्मीकांत राव धारूरकर, कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और इन्होंने आधुनिक शिक्षा प्रणाली में रंगमंच की भूमिका पर बहुमूल्य भाषण दिया। कार्यक्रम के अंत में सुश्री बिजाली चक्रवर्ती (जात्रा की विशेषज्ञ) के निर्देशन के अंतर्गत 'लोक प्रस्तुति जात्रा' आयोजित की गई जिसमें प्रतिभागियों ने 'मिरार बाधुआ' की प्रस्तुति की।

बच्चों के नाटक का पूर्वाभ्यास/प्रस्तुति:

- टाई कलाकारों ने श्री एन. जदुमणि सिंह द्वारा निर्देशित बच्चों का नाटक 'एकता' की 8 सितंबर, 2018 को आनंद सभागार, नज़रूल कलाक्षेत्र में प्रस्तुति दी।

अर्द्धवार्षिक मौखिक परीक्षा (2018-19):

- त्रिपुरा केन्द्र ने 23 दिसंबर 2018 को टाई छात्रों की अर्द्धवार्षिक मौखिक परीक्षा संचालित की। इस अवसर पर श्री अब्दुल लतीफ खटाना (एसोसिएट प्रोफेसर, रानावि, नई दिल्ली) श्री रजनीश बिष्ट (नई दिल्ली से अतिथि संकाय) डॉ. त्रिप्ती वाटवे, सहायक प्रोफेसर, एस डी मेमोरियल गवर्मेंट म्यूज़िक कॉलेज, अगरतला और श्री नरेन्द्र देबबर्मा (त्रिपुरा के रंगमंच व्यक्तित्व) विशेष के रूप में उपस्थित थे

संडे क्लब गतिविधियां:

- त्रिपुरा केन्द्र ने वर्ष 2018-19 के दौरान रानावि परिसर, अमरापुर, गोमती, त्रिपुरा में संडे क्लब गतिविधियाँ संचालित कीं। इस संबंध में आनंद सभागार, नज़रूल कलाक्षेत्र, अगरतला में 3 से 5 जनवरी 2019 तक और आनंदधारा हॉल, अमरापुर,

गोमती, त्रिपुरा में 6 और 7 जनवरी 2019 तक एक 'बाल रंगमंच समारोह' आयोजित किया गया जिसमें बच्चों ने 'एक सोच', 'जंगल का दंगल', 'द टॉरमेंटेड सोल एंड कोर्टरूम' नामक नाटक प्रदर्शित किए।

''अनहद'' नाटक की प्रस्तुतिः-

- रानावि, नई दिल्ली द्वारा एसोसिएट प्रोफेसर अब्दुल लतीफ खटाना (संस्कार रंग टोली प्रमुख, रानावि, नई दिल्ली) द्वारा निर्देशित नाटक 'अनहद' की प्रस्तुति आनंद सभागार, नज़रूल कलाक्षेत्र में 4 अक्तूबर, 2018 को दोपहर 3.30 बजे और सायं 6.30 बजे (2 शो) दी गई। इस नाटक को दर्शकों द्वारा दिल से सराहा गया।

न्यू ग्रिप्स प्ले :-

- श्री प्रमोद काले के निर्देशन के अंतर्गत इस केन्द्र के छात्रों ने न्यू ग्रिप्स प्ले 'बाय बाय गुस्सा' नामक नाटक तैयार किया जिसकी प्रस्तुति के आनंद सभागार में दो शो, अमरापुर टाउन हॉल में एक शो आर्मी पब्लिक स्कूल में एक शो, केन्द्रीय विद्यालय सातबगन में एक शो मंचित किए गए। (कुल 05 शो प्रदर्शित हुए)

2017-18 सत्र के टाई छात्रों द्वारा अभ्यास शिक्षणः-

- टाई छात्रों ने अपना एक वर्षीय टाई पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरांत अपने गृह नगरों में स्थित स्कूलों में शिक्षण अभ्यास संचालित किया। इन छात्रों में श्री राकेश बोराह, श्री जी. इमोटोम्बा शर्मा, सुश्री हाओबम हेमलता देवी, श्री उत्तम चक्रवर्ती, श्री अंकित लोहार, सुश्री रोशनी देवी, श्री पवित्र माशाहर, श्री राजू देबनाथ, सुश्री रूपाश्री देबनाथ, श्री समिरन ब्रण्ा, सुश्री इला दास, श्री बानसिंह बासुंमतारे, श्री डीडबम बासुमतारे, सुश्री दीपिका दत्ता मुखर्जी, श्री सोनित ज्योति सैकिया, श्री बिरेन्द्र गंजू ने शिक्षण अभ्यास संचालित किया और अपनी रिपोर्ट केन्द्र को जमा की।

रा.ना.वि. का वाराणसी केन्द्र, वाराणसी

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय ने भारतीय शास्त्रीय रंगमंच पर एक वर्षीय शिक्षण एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए अपने बाह्य पहुँच कार्यक्रम के तहत वाराणसी ने एक नया केन्द्र स्थापित किया है। वर्तमान में यह केन्द्र श्री नगरी नाटक मंडली, कबीर चौक, वाराणसी में चलाया जा रहा है:-

अगस्त 2018

01. ''**दीक्षारंभ अनुष्ठान**'' (प्रथम बैच का स्वागत और आशीर्वाद समारोह) रानावि परिसर, वाराणसी में 20 अगस्त 2018 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रो. वामन केन्द्रे पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय मुख्य अतिथि थे। उन्होंने प्रथम बैच (2018-19) के छात्रों के लिए स्वागत भाषण दिया और उन्हें आर्शीवचन दिए। श्री रामजी बाली, केन्द्र के निदेशक और श्री ए. एन. रॉय, वरिष्ठ परामर्शदाता भी इस अवसर पर उपस्थित थे। नया सत्र 20 अगस्त 2018 को आरंभ हुआ।

02. **कक्षाएं**

कक्षाएं	-	निर्देशक का नाम	दिनांक
नाट्य शास्त्र (परिचय)	-	डॉ. कमलेश दत्त त्रिपाठी	20 अगस्त, 2018
अभिनय	-	श्री रामजी बाली, केन्द्र निदेशक	21 से 23 अगस्त, 2018
लोक परम्परा	-	श्री अमिताभ भट्टाचार्यजी	23 अगस्त, 2018
रस विमर्श	-	प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी	27 से 31 अगस्त, 2018
चतुरविथ अभिनय	-	श्री गौतम चट्टोपाध्याय	27 से 31 अगस्त, 2018
दशरूपक विधान	-	डॉ. कमलेश दत्त त्रिपाठी	28 से 30 अगस्त, 2018
योग	-	श्री योगेश भट्ट	30 से 31 अगस्त, 2018

03. शैक्षिक दौरा

- 24 अगस्त 2018 को सारनाथ में भातीय प्राचीन वास्तुकला के इतिहास को समझने के लिए शैक्षिक दौरा आयोजित किया गया।

सारनाथ, वाराणसी के बारे में :-

- सारनाथ उत्तर प्रदेश, भारत की गंगा और वरूणा नदियों के संगम के पास वाराणसी से 10 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। सारनाथ का डियर पार्क वह स्थान है जहाँ गौतम बुद्ध ने सबसे पहले धम्मा का ज्ञान दिया था और जहाँ कोंडान्ना में आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त के माध्यम से बुद्ध संघ अस्तित्व में आया।.

सितंबर, 2018

कक्षाएं	-	निर्देशक का नाम	दिनांक
योग	-	श्री योगेश भट्ट	4 से 30 सितंबर, 2018
अभिनय	-	श्री रामजी बाली, केन्द्र निदेशक	4 से 12 सितंबर, 2018
दशरूपक	-	डॉ. के. डी. त्रिपाठी	5 से 11 सितंबर, 2018

कक्षाएं	–	निर्देशक का नाम	दिनांक
नाट्य शास्त्र (नाद परम्परा)	–	श्री राजेश्वर आचार्य	7 सितंबर, 2018
लाक संगीत	–	श्री व्यास मौर्य	4 से 7 सितंबर, 2018
लोक परम्परा	–	श्री अमिताभ भट्टाचार्यजी	10 सितंबर, 2018
लोक साहित्य परम्परा	–	श्री सदानन्द सहाय	12 सितंबर, 2018
संस्कृति	–	श्री परांगत खालखो	11 से 20 सितंबर, 2018
आंगिक अभिनय	–	श्री प्रेम चंद हुबले	17 से 19 सितंबर, 2018
छाउ	–	श्री रूपेश कुमार साहू	24 से 30 सितंबर, 2018

अक्तूबर, 2018

कक्षाएं	–	निर्देशक का नाम	दिनांक
छाउ	–	श्री मलय कुमार साहू एवं श्री गुरू प्रसाद बासके (संगीतज्ञ)	1 से 5 अक्तूबर, 2018
अभिनय	–	श्री रामजी बाली, केन्द्र निदेशक	1 से 8 अक्तूबर, 2018
गति संचालन	–	श्री शिव प्रसाद गौंड	4 से 30 अक्तूबर, 2018
नौटंकी (उत्तर भारत का लोकरूप)	–	पंडित राम दयाल शर्मा	8 से 30 अक्तूबर, 2018
मंच सामग्री, मुखौटा निमार्ण एवं संचालन	–	श्री शिव प्रसाद गौंड	4 से 30 अक्तूबर, 2018

- श्री अब्दुल लतीफ खटाना एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा निर्देशित नाटक 'अनहद' की प्रस्तुति रानावि, वाराणसी केन्द्र स्टूडियो थियेटर में 10 अक्तूबर, 018 को दी गई। प्रस्तुति को दर्शकों द्वारा बेहद सराहना मिली। इस अवसर पर वाराणसी के प्रख्यात रंगमंच व्यक्तित्व उपस्थित थे।
- केन्द्र के निर्देशक के मार्गदर्शन के अंतर्गत भगवद्ज्जुकम् नामक नाटक अभिनय कक्षाओं के अंतर्गत तैयार किया गया और श्री नगरी नाटक मंडली सभागर में 9 अक्तूबर, 2018 को अश्विन नाट्य महोत्सव में प्रदर्शित किया गया। श्री आदित्य दीप (पखावज़) और श्री आनंद कुमार मिश्रा (सितार) को आमंत्रित कर 1 – 9 अक्तूबर, 2018 तक लाइव म्यूज़िक दिया गया। 'भगवद्ज्जुकम्' नाटक को दर्शकों द्वारा बेहद सराहा गया। इस अवसर पर श्री अभिलाष पिल्लई, प्रोफेसर और केन्द्र प्रभारी, रानावि, नई दिल्ली और वाराणसी से प्रख्यात रंगमंच व्यक्तित्व इस अवसर पर उपस्थित थे।
- नौटंकी की कक्षाओं के दौरान एक नाटक 'सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र' तैयार किया गया और श्री नगरी नाटक मंडली सभागार में 30 अक्तूबर, 2018 को इसकी प्रस्तुति दी गई। श्री अष्टभुज मिश्रा (नगाड़ा) श्री रामाश्रे कुमार मौर्य (हारमोनियम) और श्री गुरू दयाल (ढ़ोलक) को लाइव म्यूज़िक देने के लिए आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर वाराणसी के प्रख्यात रंगमंच व्यक्तित्व उपस्थित थे। सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र नाटक की प्रस्तुति को दर्शकों द्वारा बेहद सराहा गया।

नवंबर, 2018

- श्री रामजी बाली द्वारा 1 से 3 नवंबर, 2018 तक **नाट्य पठन पर कक्षाएं** संचालित की गई।
- **केन्द्र की नई प्रस्तुति कालिदास का अभिज्ञान शाकुंतलम्** केन्द्र के निर्देशक के निर्देशन के अंतर्गत 2 नवंबर, 2018 से 5 दिसंबर, 2018 तक तैयार किया गया और इसे श्री द्वारिका दहैया ने सहयोग किया। शुभ–ए–बनारस के सहयोग से असी घाट वाराणसी, में 6 और 7 दिसंबर, 2018 तक और 5 से 6 दिसंबर, 2018 तक इस नाटक की प्रस्तुति दी गई।

कालीदास के नाटक अभिज्ञान शाकुंतलम की दर्शकों द्वारा बेहद सराहना हुई। वाराणसी से प्रख्यात रंगमंच व्यक्तित्व इस अवसर पर उपस्थित थे।

दिसंबर, 2018

- केन्द्र ने गरमुर मजुली, असम में 11 से 24 दिसंबर, 2018 तक अध्यापक डॉ. भावनंदा बारबयन के मार्गदर्शन के अंतर्गत श्रीमंत शंकर देव का अंकिया भाओना (अंकीअंत) पर 15 दिवसीय कार्यशाला सह-प्रशिक्षण का सफल संचालन किया।

  'राम विजय' नामक नाटक भोगपुर सात्रा में श्री श्रीमंत शंकर द्वारा 13 दिसंबर, 2018 प्रदर्शित किया गया। .

जनवरी, 2019

कक्षाएं	-	निर्देशक का नाम	दिनांक
योग	-	श्री योगेश कुमार भट्ट	21 से 31 जनवरी, 2019 तक
अभिनय	-	श्री रामजी बाली	21 से 25 जनवरी, 2019 तक
नाट्यशास्त्र	-	डॉ. राजेन्द्र उपाध्याय	21 से 25 जनवरी, 2019 तक
भावअभिनय	-	श्री विशाल कृष्णा	28 से 29 जनवरी, 2019 तक
वैदिक ज्ञानपाठ (वाचिक)	-	प्रो. पतंजलि मिश्रा	30 जनवरी से 1 फरवरी, 2019 तक

- नाटक 'कालिदास का अभिज्ञान शकुंतलम' की प्रस्तुति श्री रामजी बाली, केंद्र निदेशक, वाराणसी के निर्देशन के अंतर्गत जनवरी माह के दौरान की गई।

फरवरी, 2019

- श्री योगेश कुमार भट्ट द्वारा 1 से 6 फरवरी, 2019 तक योग पर कक्षाएं आयोजित की गई।
- श्री रामजी बाली रानावि, वाराणसी केन्द्र के निदेशक के निर्देशन के अंतर्गत श्री मुरारीलाल मेहता मेमोरियल सभागार (श्री नगरी नाटक मंडली न्यास), वाराणसी में 14 और 15 फरवरी, 2019 को कालीदास का नाटक 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' प्रदर्शित किया गया।
- रानावि, वाराणसी केन्द्र के निदेशक श्री रामजी बाली द्वारा 18-21 फरवरी, 2019 तक नाट्य पठन पर कक्षाएं संचालित की गई।
- **शैक्षिक दौरा :** वाराणसी केन्द्र के छात्र और स्टाफ ने 22 फरवरी से 1 मार्च, 2019 तक भारतीय प्राचीन वास्तुकला के इतिहास को समझने के लिए अजंता एलोरा और दौलताबाद, औरंगाबाद का दौरा किया।.

मार्च, 2019

- नृत्य नाटिका पर कक्षाएं/दृश्यबंध - सुश्री राजश्री शिरके - 5 से 19 मई, 2019 तक। नृत्य नाटिका की कक्षाओं के दौरान 'रावण मंदोदरी संवाद' नामक नाटक तैयार कर रानावि स्टुडियो में 19 मार्च 2019 को प्रस्तुत किया गया। जीवन्त संगीत (लाइव म्यूज़िक) मुंबई से अनिरूद्ध शिरके द्वारा और प्रणव लाहा और दुर्गेश पुर्ती द्वारा दिया गया।

- योग पर कक्षाएं – श्री योगेश कुमार भट्ट – 6 से 31 मार्च, 2019
- मुद्राअभिनय (नृत्य) पर कक्षाएं – सुश्री पायल जोशी – 5 से 16 मार्च, 2019
- प्रकाश परिकल्पना पर कक्षाएं – श्री नारायण चौहान – 11 से 16 मार्च, 2019
- नाट्यलेख पाठन पर कक्षाएं – श्री रामजी बाली – 25 मार्च, 2019
- वाक् एवं भाषण – श्री गोविन्द पी. नामदेव – 26 मार्च से 2 अप्रैल, 2019.

शिक्षण संकाय, कलाकारों और प्रशासनिक अधिकारियों/कर्मचारियों की समूहवार संख्या 31.03.2019 तक

पद	स्वीकृत	तैनात	रिक्त	टिप्पणी, यदि कोई हो
संकाय				
प्रोफेसर	2	0	2	
रंगमंडल, प्रमुख	1	1	0	
एसोसिएट-प्रोफ़ेसर	8	7	1	
सहायक प्रोफेसर	7	4	3	
कुल	**18**	**12**	**6**	
रंगमंडल कलाकार (अनुबंध पर)				
कलाकार ग्रुप 'ए'	4	4	–	
कलाकार ग्रुप 'बी'	16	16	–	
कुल	**20**	**20**	–	
संस्कार रंग टोली कलाकार (अनुबंध पर)				
कलाकार ग्रुप 'ब'	8	8	–	
समन्वयक (अनुबंधित आधार पर)	1	1	–	
कुल	**9**	**9**	–	
प्रशासनिक कर्मचारी				
ग्रुप 'ए'	6	5	1	
ग्रुप 'बी'	19	12	7	
ग्रुप 'सी'	54	33	21	
ग्रुप 'सी' (एमटीएस)	50	20	30	

नई नियुक्तियां

1. मो. अब्दुल कादिर साह, सहायक प्रोफेसर ने दिनांक 13 दिसंबर, 2018 को रानावि में कार्यभार ग्रहण किया।
2. श्री दीपांकर पॉल, सहायक प्रोफेसर ने दिनांक 14 दिसंबर, 2018 को रानावि में कार्यभार ग्रहण किया।
3. श्री मनीष यादव, सहायक रजिस्ट्रार ने दिनांक 16 जनवरी, 2019 को रानावि में कार्यभार ग्रहण किया।
4. सुश्री सुष्मिता, प्रवर श्रेणी लिपिक ने दिनांक 26 फरवरी, 2019 को रानावि में कार्यभार ग्रहण किया।

सेवानिवृत्ति

1. श्री अब्दुल हकीम, कारपेंटर ग्रेड-1 दिनांक 31 मई, 2018 को विद्यालय की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए।
2. श्री धुरेन्द्र सिंह, एमटीएस दिनांक 31 मई, 2018 को विद्यालय की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए।
3. श्रीमती त्रिपुरारि शर्मा, प्रोफेसर दिनांक 31 जुलाई, 2018 को विद्यालय की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुई।
4. श्री रवीन्द्र सिंह बिष्ट, सहायक दिनांक 31 जुलाई, 2018 को विद्यालय की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए।
5. श्री विक्रम सिंह गोसाई, कुक दिनांक 31 जुलाई, 2018 को विद्यालय की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए।
6. श्री गजराज, एमटीएस दिनांक 31 अगस्त, 2018 को विद्यालय की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए।
7. प्रो. वामन केन्द्रे, निदेशक दिनांक 27 सितंबर, 2018 को विद्यालय की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए।
8. श्री मंजन राम, एमटीएस दिनांक 30 नवंबर, 2018 को विद्यालय की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए।
9. श्री ए. के. बरूआ, संपदा प्रबंधक 31 दिसंबर, 2018 को विद्यालय की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए।

रा.ना.वि. के संसाधनों की स्थिति एक नज़र में

वित्त वर्ष	भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय द्वारा स्वीकृत अनुदान	कुल अनुदान (रुपये लाखों में)
1992-93		
योजनागत	125.50	
गैर योजनागत	113.25	238.75
1993-94		
योजनागत	160.00	
गैर योजनागत	116.65	
1994-95		
योजनागत	176.64	
गैर योजनागत	124.71	301.35
1995-96		
योजनागत	197.80	
गैर योजनागत	125.00	322.80
1996-97		
योजनागत	195.00	
गैर योजनागत	113.00	308.00
1997-98		
योजनागत	301.00	
गैर योजनागत	175.00	476.00
1998-99		
योजनागत	385.00	
गैर योजनागत	188.00	573.00
1999-2000		
योजनागत	450.00	
गैर योजनागत	200.00	650.00
2000-2001		
योजनागत	535.00	
गैर योजनागत	252.00	
भारत में जर्मनी का उत्सव	220.00	1007.00
2001-2002		
योजनागत	622.25	
गैर योजनागत	270.00	892.25
2002-2003		
योजनागत	550.00	
गैर योजनागत	272.00	822.00
2003-2004		
योजनागत	727.00	
गैर योजनागत	340.00	

उत्तर–पूर्व	99.80	1166.80
2004–2005		
योजनागत	800.00	
गैर योजनागत	365.00	
उत्तर–पूर्व		71.84
भूटान में भारत का उत्सव	114.00	1237.98
2005–2006		
योजनागत	1000.00	
गैर योजनागत		370.00
उत्तर–पूर्व	100.00	1470.00
2006–2007		
योजनागत		1100.00
गैर योजनागत	410.00	
उत्तर–पूर्व	120.00	1630.00
2007–2008		
योजनागत	1350.00	
गैर योजनागत	460.00	
उत्तर–पूर्व	300.00	2050.00
2009–2010		
योजनागत	1255.00	
गैर योजनागत	791.00	
उत्तर–पूर्व	814.00	2860.00
2010–11		
योजनागत	1615.00	
गैर योजनागत	730.00	
उत्तर–पूर्व	1250.00	3595.00
2011–12		
योजनागत	1580.00	
गैर योजनागत		970.00
उत्तर–पूर्व	1100.00	3850.00
रवीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं		
वर्षगांठ का स्मरणोत्सव	200.00	
2012–13		
योजनागत	1500.00	
गैर योजनागत	832.00	
उत्तर–पूर्व	1200.00	3532.00
2013–14		
योजनागत	1700.00	
जनजातीय उप–योजना	200.00	
उत्तर–पूर्व योजना	1800.00	
गैर–योजनागत	1086.60	

स्वामी विवेकानंद, (टैगोर कल्चर		
कॉम्प्लैक्स) की 150वीं	6.00	
वर्षगांठ का स्मरणोत्सव (योजना)	46.00	4839.10
2014-15		
योजनागत	2800.00	
गैर योजनागत	1202.49	
उत्तर-पूर्व	1140.16	
जनजातीय उप-योजना	300.00	5442.65
2015-16		
योजनागत	2296.00	
गैर योजनागत	1345.00	
उत्तर-पूर्व	1700.00	
जनजातीय उप-योजना	600.00	5941.00
2015-16		
योजनागत सामान्य	2250.00	
योजनागत-पूँजी संपत्तियों का सृजन	1575.00	
योजनागत-वेतन	350.00	
योजनागत जनजातीय उप-योजना	700.00	
योजनागत-उत्तर-पूर्व		1800.00
गैर योजनागत-सामान्य	220.00	
गैर योजनागत-वेतन	1316.00	8211.00
2017-18		
जी आई ए - जनरल-31	2500.00	
सीसीए- 35	5100.00	
जीआईए - वेतन - 36	1666.00	
जीआईए - एसएपी		16.82
जीआईए-थिएटर ओलम्पिक्स 2018-36	4257.77	
जीआईए - उत्तर-पूर्व - 31	1224.23	
जीआईए - जनजातीय उप-योजना (टीएसपी)	691.10	15456.12
2018-19		
जी आई ए - जनरल-31	2800.00	
सीसीए- 35	2100.00	
जीआईए - वेतन - 36	1640.97	
जीआईए - एसएपी - 31		15.00
जीआईए - जनजातीय उप-योजना (टीएसपी)	600.00	
जीआईए - उत्तर-पूर्व - 31	1750.00	
जलियावाला बाग के 100 वर्षो का स्मरोत्सव	38.39	8944.36

वित्त रिपोर्ट अनुक्रमणिका
वर्ष 2018-19

वित्त रिपोर्ट

विषय-वस्तु

बैलेंस शीट (तुलन पत्र)	80
आय एवं व्यय लेखा	81
उक्त वित्तीय विवरण की सूची	82
योजना एवं गैर योजना प्राप्ति एवं भुगतान लेखा	110
चालू खाता II का पृथक तुलन पत्र	113
चालू खाता II का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा	114
सामान्य भविष्य निधि का पृथक तुलन पत्र	116
सामान्य भविष्य निधि का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा	117
सामान्य/अंशदायी भविष्य निधि निवेश का विवरण	119
विशिष्ट लेखा योजना एवं लेखा नोट्स	120

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने 31 मार्च 2019 तक के राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी के संलग्न तुलन पत्र की और उस तिथि पर समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय खाते/प्राप्तियाँ और भुगतान खाते की लेखा परीक्षा, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम 1971 की धारा 20 (1) के अंतर्गत की है। लेखा परीक्षा के लिए यह कार्य 2020-21 तक की अवधि के लिए सौंपा गया है। इन वित्तीय विवरणों का दायित्व विद्यालय के प्रबंधन का है। हमारा दायित्व हमारी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय देना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में केवल श्रेष्ठ लेखा कार्यों, लेखा मानकों और प्रकटीकरण के नियमों इत्यादि के साथ वर्गीकरण, पुष्टिकरण के संबंध में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी ए जी) की टिप्पणियां दी गई हैं। कानून, नियम-विनियम (उपयुक्तता और नियमितता) और दक्षता के साथ प्रस्तुतिकरण पहलू आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेन-देन पर लेखा परीक्षा टिप्पणियाँ यदि कोई हैं तो निरीक्षण रिपोर्ट्स/नियंत्रक महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट्स के द्वारा अलग से दी गयी हैं।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट भारत में सामान्यत: स्वीकार्य लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार की है। इन मानकों की आवश्यकतानुसार हम योजना बनाकर लेखा परीक्षा करते हैं जिससे हमें यह उचित आश्वासन मिल सके कि इस वित्तीय विवरण में किसी भी तरह का गलत विवरण नहीं है। एक लेखा परीक्षा में, परीक्षण के आधार पर जाँच, प्रस्तुत राशि को सही दर्शाने वाले प्रमाण और वित्तीय विवरणों को स्पष्ट तौर पर प्रकट करना शामिल होता है। एक लेखा परीक्षा में प्रयोग किए गए लेखा के नियमों और प्रबंधन द्वारा महत्वपूर्ण अनुमानों के निर्धारण के साथ-साथ वित्तीय विवरणों के समस्त प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा पर हमने अपनी उचित राय दी है।

4. हमारी लेखा परीक्षा पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार : -

(i) हमने वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी जानकारी के अनुसार बिल्कुल सही थे और लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक थे।

(ii) इस रिपोर्ट के संदर्भगत तुलन पत्र/आय व व्यय लेखा/प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रपत्र में बनाए गए हैं।

(iii) हमारे विचार में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा अब तक लेखा पुस्तकों को बनाए रखा गया है जैसा कि यह हमारे द्वारा की गई इन पुस्तकों की जाँच से दृष्टिगत होता है।

(iv) हम इसके आगे ये रिपोर्ट देते हैं कि :

क. सामान्य

क.1 अनुसूची-7 के अंतर्गत रु. 11.41 लाख की राशि अदावित शेषों (स.भ.नि.) के रूप में दर्शायी गई है। 31 मार्च 2019 के अन्य चालू दायित्व साथ ही स.भ.नि./सी.पी.एफ के तुलन पत्र भी दर्शाए गए हैं। 2005-06 से 2018-19 तक की अवधि लंबित अवधि थी। रानावि इन कर्मचारियों को ढूँढ़ने के प्रयास कर सकती है और उन्हें उनके दावित शेषों का भुगतान कर सकती है, जिसके न हो पाने की स्थिति में वह सक्षम अधिकारी के आवश्यक अनुमोदन के उपरांत वार्षिक लेखों में असफल होने पर

लावारिस संतुलन को वापस लिखने के लिए कदम उठाना पड़ सकता है। यह मामला पिछले वर्षों में भी उठाया गया था।

इसी प्रकार, सा.भ.नि./सी.पी.एफ का तुलन पत्र रु. 108.58 की राशि को अनुचित ब्याज के रूप में दर्शाती है। यह शेष 2013–14 से 2018–19 तक के अवधि से पहले से बकाया है। रानावि इन सब्सक्राइबर्स को ढूँढने के प्रयास कर सकता है और उनको दी जाने वाली राशि को समाप्त कर सकता है।

क.2 अनुसूची–II के अनुसार – वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि कुल रु. 2.30 करोड़ को 'खरीद अग्रिम' में दर्शाया गया। यह अग्रिम पिछले वर्षों से लंबित थे। रानावि द्वारा बकाया राशि की नवीनतम वर्षवार स्थिति प्रस्तुत नहीं की है।

वर्ष 2017–18 के लिए वर्षवार विवरणों को तैयार करने के लिए वर्षानुसार विवरणों के अनुसार वर्ष 2011–12 से 2017–18 तक के अग्रिम जुड़े हुए हैं। इस मामले को पिछले वर्ष भी अंकित किया गया था परन्तु रानावि ने इस पर कोई कार्यवाही नहीं की।

क.3 अन्य निरंतर अवलोकन : निम्न टिप्पणियाँ पहले की रिपोर्ट्स में भी दी गई हैं परन्तु रानावि प्रबंधन ने लेखापरीक्षा को कोई भी अनुकूल प्रतिक्रिया नहीं दी।

क.3.1 एसोसिएशन के ज्ञापन (एम ओ ए) और रानावि के नियम व कानून यह स्पष्ट नहीं करते हैं कि इनके वार्षिक लेखाओं को अनुमोदित सक्षम अधिकारी द्वारा किया जाए। एसोसिएशन के ज्ञापन/सोसायटी के नियमों को संशोधित करने के लिए रानावि ने आवश्यक प्रस्ताव पारित किया है और इसे अनुमोदन हेतु संस्कृति मंत्रालय को अग्रेषित किया गया है। तथापि इस संबंध में रानावि की नियमावली के नियम 44 में आवश्यक 'केन्द्रीय सरकार' का अनुमोदन, मंत्रालय के पास लंबित पड़ा हुआ है।

क.3.2 रानावि ने सेवानिवृति पर दिए जाने वाले लाभों (ग्रेजुटी एवं जमा किए गए अवकाशों के लिए भुनाई जाने वाली राशि) के लिए लेखा पॉलिसी बनाई है जो कि रोकड़ आधार पर है परन्तु यह लेखाओं के एकरूप फॉर्मेट की आवश्यकता के साथ मेल नहीं खाता जिसको कि वास्तविक आधार पर बनाए गए प्रावधानों के लिए उपलब्ध करवाया जाना चाहिए। पेंशन के मामले पर यद्यपि, रानावि द्वारा इस प्रकार की किसी भी पॉलिसी की बात नहीं की गई परन्तु रोकड़ रूप से किए जाने वाले भुगतान की व्यवस्था की गई है। सेवानिवृत्ति के लाभों के लिए प्रावधानों को वास्तविक आधार पर बनाया जाना चाहिए और लेखाओं के एकरूप फॉर्मेट द्वारा और आई सी ए आई के ए एस–15 के द्वारा बनाए जाने चाहिए।

क.3.3 भविष्य निधि में निवेश के लिए वित्त मंत्रालय द्वारा दिए गए फॉर्मेट के अनुसार बैंकों के एफ डी आर में 35% से 45% तक की राशि का निवेश किया जा सकता है। रानावि ने विभिन्न बैंकों के नियत जमा खाते में रु. 718.64 लाख के सामान्य भविष्य निधि के समग्र संचालित कोष का निवेश कर दिया है जो कि वित्त मंत्रालय द्वारा दिए गए फार्मेट से मेल नहीं खाता।

क.3.4 इसके आगे, वर्ष 2018–19 के वार्षिक लेखाओं के लिए निम्नांकित राशियों को नीचे दिये गए मदों में 'कॉन्ट्रा/कॉन्ट्रा समायोजन' के रूप में उल्लेखित किया गया है।

क्रम सं.	मद का विवरण	राशि (रु. में)
1.	अनुसूची–7– वर्तमान दायित्व और प्रावधान प्रति कॉन्ट्रा के अनुसार बकाया राशि	34505
2.	अनुसूची–11– वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम कॉन्ट्रा समायोजन (यह कॉन्ट्रा समायोजन पिछले वर्ष भी बनाया गया था)	32505
3.	सीए–II का तुलन पत्र दायित्व की ओर – (क.) कॉन्ट्रा के अनुसार बकाया रसीदें (ख.) कॉन्ट्रा समायोजन	 2000 32505

उक्त प्रविष्टियों को पिछले वर्ष से ही अग्रेषित कर लिया गया है। इन प्रविष्टियों ने मुख्य तुलन पत्र के साथ-साथ सीए - II के तुलन पत्र को भी बढ़ा (इनफ्लेट) दिया है।

क.3.5 वर्ष 2018-19 के दौरान की गई खरीदों के लिए रानावि ने एक नियत परिसंपत्तियों का रजिस्टर बनाया था। पिछले वर्ष (वर्ष 2017-18) की नियत परिसंपत्तियों की पिछली राशियों को नियत परिसंपत्तियों के रजिस्टर में आरंभिक शेष के रूप में वर्तमान वर्ष में अग्रेषित नहीं किया गया है। नियत परिसंपत्तियों के रजिस्टर में ध्यान दी गई अन्य कमियां निम्न प्रकार से हैं :

(i) वर्ष 2018-19 में रु. 39.65 लाख की खरीद राशि की नियत संपतियां उक्त रजिस्टर में नोट नहीं की गई।

नियत परिसंपत्तियों का विवरण	लेखाओं की अनुसूची के 8 के अनुसार राशियां	नियत परिसंपत्तियों के रजिस्टर के अनुसार राशियां	अंतर (कॉलम 2-3)
फर्नीचर और जड़ी हुई वस्तुएं	4430368	1526356	2904012
कंप्यूटर और उसकी सहायक वस्तुएं	3170457	3043978	126479
ध्वनि एवं श्रृव्य दृश्य उपकरण	424090	29039	395051
प्रकाश एवं ध्वनि उपकरण	1300886	796726	504160
वातानुकूलक	664601	628951	35650
कुल			**3965352**

(ii) इसके आगे, नियत परिसंपत्तियों के रजिस्टर में की गई प्रविष्टियों को सक्षम अधिकारी द्वारा सत्यापित नहीं किया गया है। वर्ष 2018-19 के दौरान वस्तुगत सत्यापन भी नहीं किया गया है। अत: परिसंपत्तियों के वस्तुगत रूप से होने का तथ्य सुनिश्चित नहीं किया जा सकता।

ख. सहायता अनुदान :

वर्ष 2018-19 के लिए संस्कृति मंत्रालय से रानावि द्वारा प्राप्त सहायता अनुदान और उसका प्रयोग निम्न प्रकार से दिया गया है :

विवरण	राशि (रु. करोड़ में)
पूर्व वर्ष के अव्ययित शेष	33.79
जी एफ आर के फार्म 12 ए के अनुसार यू सी के नए फार्मेट के आ जाने के कारण आरंभिक शेष में समायोजन	6.02
वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान	63.03
वर्ष के दौरान आंतरिक रसीदें	2.16
कुल उपलब्ध फंड	105.00
वर्ष के दौरान व्यय	101.40
अव्ययित शेष	3.60

वित्तीय वर्ष के अंत में रानावि के पास रु. 3.60 करोड़ का अव्ययित शेष था।

ग. प्रबंधन पत्र: जो कमियाँ इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं की गई हैं वे सुधार/संशोधन कार्यवाही करने के लिए अलग से एक प्रबंधन पत्र जारी कर रा.ना.वि. के ध्यान में लाई गई हैं।

(v) पिछले पैराग्राफों में हमारी दी गई टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए हम यह रिपोर्ट देते हैं कि इसमें दिए गए तुलन पत्र और

आय व व्यय के लेखा/प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा, लेखा पुस्तकों के अनुरूप थीं।

(vi) हमारे विचार में एवं हमारी सूचना के आधार पर और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उक्त वित्तीय विवरणों पर लेखा नीतियों और लेखा पर नोट के साथ-साथ और उक्त उल्लेखित महत्वपूर्ण मामलों और इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुलग्नक में दिए गए अन्य मामलों के संबंध में यह वित्तीय विवरण भारत में सामान्यतया स्वीकार्य लेखा नियमों के साथ पुष्टिकरण के लिए एक सही और उचित दृष्टिकोण देता है।

(क) अब तक यह 31 मार्च 2019 को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी के मामलों के तुलन पत्र से संबंधित है; और

(ख) अब तक यह उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष की आय और व्यय लेखा से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के लिए व इनकी ओर से

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 06.01.2020

महालेखा परीक्षक
केन्द्रीय व्यय

अनुलग्नक

1. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता

वर्ष 2018-19 के लिए चार्टेड अकाउंटेंटों द्वारा और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आंतरिक लेखा परीक्षा द्वारा आंतरिक लेखा परीक्षा की गई परन्तु मंत्रालय की रिपोर्ट अब तक प्रतिक्षित है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता

रा.ना.वि. का आंतरिक नियंत्रक सिस्टम निम्न कारणों से पर्याप्त नहीं है :

(i) वर्ष 2011-12 से 2017-18 के पहले की अवधि के लंबे समय से बकाया अग्रिम है।

(ii) वर्ष 2005-06 से अब तक की अवधि तक के दायित्व बकाया थे।

(iii) खरीद अग्रिम और सुरक्षा जमा के विवरणों का लेखापरीक्षा को उपलब्ध नहीं करवाया गया।

(iv) नियत परिसंपत्तियों और सामान सूची (इनवेंट्री) का प्रत्यक्ष सत्यापन नियमित रूप से नहीं किया गया।

उपरोक्त को देखते हुए आंतरिक नियंत्रण प्रक्रिया को मजबूत करने की आवश्यकता है।

3 परिसंपतियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

(i) नियत परिसंपतियों का प्रत्यक्ष सत्यापन केवल 2017-18 तक ही किया गया है।

(ii) रानावि में आठ विभिन्न स्टोर हैं जैसे मुख्य स्टोर, वस्त्रसज्जा, पुस्तकालय, कार्यशाला, ध्वनि, संगीत, किताब घर और आरकाईव्स और इनके प्रत्यक्ष सत्यापन की सिथति निम्न प्रकार है :

क. मुख्य स्टोर - 31.3.2019 तक

ख. वस्त्रसज्जा - 31.3.2019 तक

ग. पुस्तकालय - 31.3.2018 तक

घ. कार्यशाला - 31.7.2018 तक

ड. ध्वनि - दिसंबर, 2018 तक

च. संगीत - नहीं किया गया

छ. किताब घर - नहीं किया गया

ज. आरकाईव्स - नहीं किया गया

झ. प्रकाश व्यवस्था - अगस्त, 2018 तक

4. सामान-सूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

लेखन और उपभोज्य सामग्री आदि का प्रत्यक्ष सत्यापन केवल वर्ष 2017-18 तक ही किया गया है।

5. वैधानिक बकायों की भुगतान में नियमितता

31.3.2019 तक वैधानिक देयों जैसे आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उप कर चुंगी टैक्स (सैस), कॉन्ट्रीब्यूटरी भविष्य निधि और कर्मचारी राज्य बीमा का कोई भी भुगतान छः महीनों से बकाया नहीं है।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 तक तुलन पत्र

(राशि रुपये)

संग्रहित निधि और दायित्व	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
संग्रहित निधि	1	(6,52,10,889)	(1,21,39,149)
सुरक्षित और अतिरिक्त	2	-	-
चिन्हित/स्थायी निधि	3	98,17,31,460	90,77,49,699
सुरक्षित ऋण और उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण और उधार	5	-	-
अस्थगित जमा दायित्व	6	-	-
चालू दायित्व एवं प्रावधान	7	9,89,71,279	38,63,28,871
कुल		1,01,54,91,850	1,28,19,39,421
संपत्तियाँ			
नियत संपत्तियाँ	8	80,61,31,555	69,05,02,815
चिह्नित/स्थायी निधि से निवेश	9	7,21,75,226	8,25,36,342
अन्य निवेश	10	-	-
चालू संपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	11	13,71,85,069	50,89,00,264
फुटकर व्यय (बट्टा खाता में नहीं डाला गया या समायोजित नहीं)		-	-
कुल		1,01,54,91,850	1,28,19,39,421
विशिष्ट लेखा योजनाएँ	26		
प्रासंगिक दायित्व और लेखे पर नोट्स	27		

लेखा एवं वाउचर्स की पुस्तिकाओं के आधार पर संकलित
कृते रजनीश एवं एसोसिएट्स
चार्टेड एकाउटेंट्स

सहयोगी | सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.) | लेखाधिकारी | उप रजिस्ट्रार | रजिस्ट्रार | प्रभारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 30/05/2019

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपये)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बिक्री/सेवाओं से आय	12	34,27,829	17,30,763
प्राप्त अनुदान/आर्थिक सहायता	13	78,76,81,089	79,33,10,559
प्राप्त फीस/सबस्क्रिप्शन	14	19,93,771	17,03,705
निवेश से आय	15	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	16	20,39,453	19,60,207
ब्याज प्राप्त	17	71,20,360	87,58,859
अन्य आय	18	36,43,032	76,44,285
तैयार माल के स्टॉक में (बढ़ोत्तरी/घटौती) और कार्य में प्रगति	19	(9,21,608)	9,23,711
कुल (क)		**80,49,83,926**	**81,60,32,088**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	22,20,25,142	18,72,11,521
अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि	21	7,68,02,180	6,01,27,664
अनुदान, सहायता आदि पर व्यय	22	-	-
मूल्य ह्रास	23	-	-
प्रोत्साहन एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियाँ	24	55,92,28,344	61,66,28,592
ब्याज	25	-	-
कुल (ख)		**85,80,55,666**	**86,39,67,777**
व्यय से अधिक आय पर बचा शेष (क-ख)		(5,30,71,740)	(4,79,35,689)
विशेष निधि में स्थानांतरित (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-
आम निधि से/को स्थानांतरित		-	-
अतिरिक्त /(घाटा) से बचा शेष, पूँजी निधि/संग्रह में भेजा गया		**(5,30,71,740)**	**(4,79,35,689)**
विशिष्ट लेखा योजनाएँ	26		
आकस्मिक दायित्व और लेखा पर नोट्स	27		

लेखा एवं वाउचर्स की पुस्तिकाओं के आधार पर संकलित
कृते रजनीश एवं एसोसिएट्स
चार्टेड एकाउटेंट्स

सहयोगी | सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.) | लेखाधिकारी | उप रजिस्ट्रार | रजिस्ट्रार | प्रभारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 30/05/2019

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपये)

सूची 1 - पूँजी निधि	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(1,21,39,149)		2,95,83,958	
जमा : पूँजी निधि के लिए अंशदान		-	-	-
जमा/(कटौती) : आय लेखे से ट्रान्सफर कुल आय/आय और व्यय लेखा से ट्रांसफर व्यय	(5,30,71,740)		(4,79,35,689)	
घटा : चिह्नित एवं स्थायी निधि के ट्रान्सफर	-	-	62,12,582	-
वर्ष के अंत तक शेष - अंत		**(6,52,10,889)**		**(1,21,39,149)**

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
सूची 2 - आरक्षित एवं अतिरिक्त पूँजी				
1. पूँजी आरक्षित				
पिछले खाते के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जमा राशि	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-	-	-
2. पुनर्मूल्यांकित आरक्षित पूँजी				
पिछले खाते के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जमा	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-	-	-
3. विशेष आरक्षित पूँजी				
पिछले खाते के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जमा	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-	-	-
4. व्यय पर हुई अतिरिक्त आय (जमा)				
पिछले खाते के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जमा	-		-	
जमा : वर्ष के दौरान समायोजन	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-	-	-
5. सामान्य आरक्षित पूँजी				
पिछले खाते के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जमा	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-	-	-
कुल		-		-

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 3 - चिन्हित/स्थायी निधि	चालू वर्ष					पिछला वर्ष				
	निधि के अनुसार विभाजन					निधि के अनुसार विभाजन				
	नियत परिसंपत्ति निधि	भवन निर्माण निधि	सामान्य भविष्य निधि	विरासत निधि	कुल	नियत परिसंपत्ति निधि	भवन निर्माण निधि	सामान्य भविष्य निधि	विरासत निधि	कुल
(क) निधि का आरंभिक शेष	5,14,80,036	75,84,45,652	8,78,32,159	3,82,316	89,81,40,163	5,82,93,890	23,74,00,193	10,40,69,277	3,40,337	40,01,03,696
(ख) निधि में जमा:										
1. दान/अनुदान	1,17,67,689	7,79,39,311	-	186	8,97,07,186	9,77,513	53,00,00,001	-	41,979	53,10,19,493
2. निधि के खाते में किए गए निवेश से आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. अन्य जमा (किस प्रकार का है उल्लेख करें)										-
(क) पूँजी व्यय - योजना	-		-	-	-	-		-	-	-
(ख) पूँजी व्यय - गैर योजना	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ग) उपहार पूँजी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(घ) नियत परिसंपति निधि से ट्रान्सफर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ड.) सामान्य भविष्य निधि में स्टाफ का सब्सक्रिप्शन	-	-	1,28,26,131	-	**1,28,26,131**	-	-	1,31,91,695	-	**1,31,91,695**
(च) सा.भ.नि. खाते में जमा ब्याज	-	-	42,10,132	-	**42,10,132**	-	-	58,34,097	-	**58,34,097**
(छ) अग्रिम की वापसी	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
4. संचित आरक्षित पूंजी	-	-	1,08,58,280	-	**1,08,58,280**	-	-	96,09,536	-	**96,09,536**
5. संग्रहित निधि से ट्रासफर	-	-	-	-	**-**	-	-	-	-	**-**
कुल (ख)	**1,17,67,689**	**7,79,39,311**	**2,78,94,543**	**186**	**11,76,01,729**	**9,77,513**	**53,00,00,001**	**2,86,35,328**	**41,979**	**55,96,54,821**
कुल (क+ख)	**6,32,47,726**	**83,63,84,962**	**11,57,26,702**	**3,82,502**	**1,01,57,41,892**	**5,92,71,403**	**76,74,00,194**	**13,27,04,605**	**3,82,316**	**95,97,58,517**
(ग) निधि के उद्देश्यों की तरफ उपयोगिता/व्यय										
1. पूँजी व्यय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- नियत संपत्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- बिल्डिंग कोष में ट्रास्फर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- अनुपयोगी सामग्री का निपटान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- वर्ष के दौरान मूल्य ह्रास	92,78,468	36,47,735	-	-	1,29,26,203	77,91,366	27,41,960	-	-	1,05,33,326
कुल	92,78,468	36,47,735	-	-	1,29,26,203	77,91,366	27,41,960	-	-	1,05,33,326
2. राजस्व व्यय										
- वेतन, मजदूरी और भत्ते इत्यादि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- किराया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- स्टाफ को अग्रिम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- कर्मचारियों/कलाकारों को अंतिम भुगतान	-	-	1,62,22,610	-	**1,62,22,610**	-	-	2,82,37,910	-	**2,82,37,910**
- गैर दावित शेष में ट्रांसफर	-	-	91,619	-	**91,619**	-	-	-	-	**-**
- स्टाफ द्वारा अंतिम आहरण	-	-	47,70,000	-	**47,70,000**	-	-	70,25,000	-	**70,25,000**
- Transferred To Corpus Fund	-	-	-		**-**	-	62,12,582	-	-	**62,12,582**
कुल	-	-	**2,10,84,229**	**-**	**2,10,84,229**	**-**	**62,12,582**	**3,52,62,910**	**-**	**4,14,75,492**
कुल (ग)	**92,78,468**	**36,47,735**	**2,10,84,229**	**-**	**3,40,10,432**	**77,91,366**	**89,54,542**	**3,52,62,910**	**-**	**5,20,08,818**
वर्ष के अंत तक कुल शेष (क+ख+ग)	**5,39,69,258**	**83,27,37,228**	**9,46,42,473**	**3,82,502**	**98,17,31,460**	**5,14,80,036**	**75,84,45,652**	**9,74,41,695**	**3,82,316**	**90,77,49,699**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 4 – सुरक्षित ऋण और उधार	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (उल्लेख करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान		
(क) आवधिक ऋण	-	-
(ख) प्राप्त ब्याज और बकाया	-	-
4. बैंक		
(क) आवधिक ऋण	-	-
– प्राप्त ब्याज और बकाया	-	-
(ख) अन्य ऋण (उल्लेख करें)	-	-
– प्राप्त ब्याज और बकाया	-	-
– केनरा बैंक से ओवरड्राफ्ट सुविधा	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियाँ	-	-
6. डिबेंचर और बॉन्ड्स	-	-
7. अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	-	-

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 5 - असुरक्षित ऋण और उधार	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व सामान्य	चालू खाता II	राजस्व सामान्य	चालू खाता II
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (उल्लेख करें)	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-	-	-
4. बैंक				
(क) आवधिक ऋण	-	-	-	-
(ख) अन्य ऋण (उल्लेख करें)	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान और एजेंसियाँ	-	-	-	-
6. डिबेंचर और बॉन्ड्स	-	-	-	-
7. सावधि जमा	-	-	-	-
8. अन्य (उल्लेख करें)	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**
नोट : एक वर्ष के अन्दर बकाया राशि				

अनुसूची - 6 अस्थगित जमा दायित्व	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	राजस्व सामान्य	चालू खाता II	राजस्व सामान्य	चालू खाता II
(क) पूँजी उपकरण व अन्य संपत्तियों की दृष्टिबंधक द्वारा सुरक्षा स्वीकार्य	-	-	-	-
(ख) अन्य	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	
नोट : एक वर्ष के अन्दर बकाया राशि				

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 7 - चालू देयताएं और प्रावधान	चालू वर्ष				पिछला वर्ष			
	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	सीए II	कुल	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	सीए II	कुल
(क) चालू दायित्व								
1 स्वीकरण								
सुरक्षा जमा-टेंडर/कोटेशन	14,00,000	-	11,000	14,11,000	14,00,000	-	11,000	14,11,000
छात्र पूर्व जमा शुल्क एवं सुरक्षा जमा इत्यादि	-	-	58,986	58,986	-	-	58,986	58,986
छात्र, कलाकार एवं अन्य की राशि जमा	71,940	-	10,89,530	11,61,470	71,940	-	10,14,530	10,86,470
छात्र जमानती राशि एवं पुस्तकालय जमा	4,21,870	-	8,56,090	12,77,960	1,81,750	-	8,29,090	10,10,840
प्रशिक्षु वृत्ति सुरक्षा जमा	-	-	1,48,525	1,48,525	-	-	1,18,525	1,18,525
रंगमंडल एवं संस्कार रंग टोली कलाकार सुरक्षा जमा	-	-	31,900	31,900	-	-	28,900	28,900
छात्रावास सिक्योरिटी जमा	96,127	-	-	96,127	96,127	-	-	96,127
2 विविध लेनदार								
(क) सामान के लिए	-	-	-	-	-	-	-	-
(ख) अन्य	77,24,130	-	-	77,24,130	6,10,40,054	-	-	6,10,40,054
(अनुलग्नक 7 (1) के अनुसार)								
3 विधिक दायित्व	-	-	-	-	-	-	-	-
4 अन्य चालू दायित्व								-
असंवितरित वेतन, छात्रवृत्तियाँ और मजदूरी	1,04,26,579	-	-	1,04,26,579	85,56,748	-	-	85,56,748
असंवितरित छात्रवृतियाँ	8,57,000	-	-	8,57,000	6,16,000	-	-	6,16,000
प्रति कॉन्ट्रा के अनुसार बकाया प्राप्तियाँ	-	-	34,505	34,505	-	-	34,505	34,505
भारत सरकार, राज्य सरकार एवं राज्य अकादमियाँ, सांस्कृतिक विभाग छात्रवृत्तियाँ एवं शिक्षावृत्ति	-	-	-	-	-	-	-	-
वेतन का बकाया (7वां वेतन आयोग)	3,24,99,355	-	-	3,24,99,355	2,01,92,885	-	-	2,01,92,885
टी डी एस देय	10,68,397	-	-	10,68,397	1,41,487	-	-	1,41,487
मैस सुरक्षा जमा	-	-	2,94,600	2,94,600	-	-	2,94,600	2,94,600
नया पेंशन फंड	2,07,220	-	-	2,07,220	40,152	-	-	40,152
गैर दावित शेष	-	11,41,368	-	11,41,368	-	12,23,333	-	12,23,333
चालू खाता II को देय	17,492	-	-	17,492	13,601	-	-	13,601

जारी ...

सूची 7 - चालू देयताएं और प्रावधान	चालू वर्ष				पिछला वर्ष			
	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	सीए II	कुल	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	सीए II	कुल
सा.भ.नि./अं.भ.नि. को देय	5,84,831	-	-	5,84,831	33,79,735	-	-	33,79,735
सामूहिक बीमा	105	-		105	105	-		105
अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान	5,06,467			5,06,467	5,06,467			5,06,467
छात्र अग्रिम देय	31,510	-	-	31,510	31,510	-	-	31,510
5 वर्ष के अन्त तक अनुदान का अप्रयुक्त बकाया								
अप्रयुक्त अनुदान (टी सी सी)	28,40,671	-	-	28,40,671	28,62,252	-	-	28,62,252
अप्रयुक्त अनुदान (यूनिसेफ)	10,65,769	-	-	10,65,769	7,40,488	-	-	7,40,488
अप्रयुक्त अनुदान (उत्तर-पूर्व)	1,81,05,992	-	-	1,81,05,992	2,19,19,309	-	-	2,19,19,309
अप्रयुक्त अनुदान (जलियावाला बाग की 100वीं वर्षगांठ)	38,39,000	-	-	38,39,000	-	-	-	-
अप्रयुक्त अनुदान (कर्नाटक सरकार द्वारा)	98,05,875	-	-	98,05,875	1,16,50,907	-	-	1,16,50,907
अप्रयुक्त अनुदान (राजस्व सामान्य)	35,34,446	-	-	35,34,446	24,90,73,886	-	-	24,90,73,886
कुल (क)	**9,51,04,776**	**11,41,368**	**25,25,136**	**9,87,71,280**	**38,25,15,403**	**12,23,333**	**23,90,136**	**38,61,28,871**
(ख) प्रावधान								
लेखा परीक्षा शुल्क के लिए प्रावधान	2,00,000	-	-	2,00,000	2,00,000	-	-	2,00,000
ग्रेच्यूटी	-	-	-	-		-	-	-
अधिवर्षिता/पेंशन	-	-	-	-		-	-	-
संचित छुट्टी भुनाना	-	-	-	-		-	-	-
कुल (ख)	**2,00,000**	**-**	**-**	**2,00,000**	**2,00,000**	**-**	**-**	**2,00,000**
कुल (क+ख)	**9,53,04,776**	**11,41,368**	**25,25,136**	**9,89,71,279**	**38,27,15,403**	**12,23,333**	**23,90,136**	**38,63,28,871**

संलग्नक- 7(1)

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	विवरण	**राजस्व सामान्य**	**राजस्व सामान्य**
1.	प्रलेखन आर्काइव्स - नाटकों के प्रलेखनों का डिजिटाईज़ेशन, फोटोग्राफ और ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग्स	3,345	31,910
2.	रंगमंच समारोह/प्रदर्शनी	3,32,339	3,32,339
3.	छात्र प्रस्तुति, अध्ययन एवं प्रशिक्षण व्यय	3,12,989	3,46,219
4.	शोध कार्य और रानावि का प्रकाशन कार्यक्रम एवं रानावि परिसर में बुक शॉप का चलते रहना	2,99,706	1,75,713
5.	रानावि केंद्रों के अतिथि गृह एवं कार्यालय परिसर के प्रावधान	67,152	19,371
6.	छात्र हॉस्टल	3,000	63,034
7.	शोध कार्य और रानावि का प्रकाशन कार्यक्रम एवं रानावि परिसर में बुक शॉप का चलते रहना	60,600	60,000
8.	अन्य मद	16,080	14,850
9.	बिजली एवं पानी का व्यय	5,01,639	6,39,637
10.	अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच समारोह - भारत रंग महोत्सव जिसमें उत्तर-पूर्व में समानांतर भारंगम समारोह	72,175	7,83,118
11.	अंतर्राष्ट्रीय बाल रंगमंच समारोह - जश्नेबचपन/बाल संगम साथ उत्तर-पूर्व क्षेत्र	7,07,000	7,07,000
12.	रानावि का थियेटर-इन-एजूकेशन कंपनी (टाई. कं.)	3,02,804	1,54,144
13.	रानावि रंगमंडल का विस्तार	8,675	37,139
14.	पुस्तकालय, जर्नल्स और पत्रिकाओं के सब्सक्रिप्शन्स का विस्तार, पुस्तकालय की देखरेख	5,951	5,029
15.	आकस्मिक एवं कार्यालय व्यय	27,47,244	8,16,170
16.	रानावि में उपलब्ध सुविधाओं में सुधार जिसमें इनके रख-रखाव और देखरेख शामिल हैं - सभागार और योगाहाल	91,170	1,63,930
17.	सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम	1,14,193	1,13,343
18.	नृत्य, संगीत, लोक एवं रंगमंच का राष्ट्रीय जनजातीय समारोह (टी एस पी)	8,49,234	8,52,044
19.	रानावि में राजभाषा नियम का कार्यान्वयन	2,750	36,600
20.	छात्रों और अध्योताओं को छात्रवृत्तियाँ जिनमें प्रस्तुति अनुदान	-	40,070
21.	परिसंपत्तियों के लिए जमा	25,009	8,70,361
22.	थियेटर ओलम्पिक्स	-	5,45,60,933
23.	सहयोगी रंगमंच समारोह - उत्तर-पूर्व समूहों की प्रतिभागिता	4,00,000	-
24.	प्रकाश, ध्वनि, फोटोग्राफी, ऑडियो-वीडियो उपकरणों इत्यादि की वार्षिक देखरेख	1,16,938	-
25.	रंगमंच कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें निर्देशन/नाटक तैयार करने के लिए उत्तर-पूर्व के क्षेत्र शामिल हैं! साथ ही मूल्यांकन पाठ्यक्रम	5,35,625	2,17,100
26.	रानावि के बैंगलुरू प्रशिक्षण केन्द्र, बैंगलोर	1,48,512	-
	कुल	**77,24,130**	**6,10,40,054**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

अनुसूची - 8 नियत परिसंपत्तियाँ

क्र. सं.	विवरण	मूल्य ह्रास की दर	कुल ब्लॉक				मूल्य ह्रास				नैट ब्लॉक	
			वर्ष के आरंभ में मूल्य/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत में मूल्य/ मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटोतियाँ	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
(क)	**नियत परिसंपतियां**											
1	बैंगलुरू में तीन एकड़ भूमि		1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
2	बहावलपुर हाउस की 6.81 एकड़ भूमि		32,36,92,920	-	-	32,36,92,920	-	-	-	-	32,36,92,920	32,36,92,920
3	फर्नीचर से जुड़ी वस्तुएँ एवं कार्यालय उपकरण	10%	2,59,01,272	44,30,368	-	3,03,31,640	1,10,02,950	16,24,741.43	-	1,26,27,691	1,77,03,949	1,48,98,322
4	प्रशिक्षण उपकरण	15%	60,66,136	-	-	60,66,136	50,55,774	1,51,554	-	52,07,328	8,58,808	10,10,362
5	छात्रावास का फर्नीचर एवं उससे जुड़ी वस्तुएं	10%	11,07,669	-	-	11,07,669	7,58,454	34,921	-	7,93,376	3,14,293	3,49,215
6	मंच उपकरण	15%	11,46,234	-	-	11,46,234	8,34,136	46,815	-	8,80,951	2,65,283	3,12,098
7	बाल रंगमंच उपकरण	10%	4,17,196	-	-	4,17,196	2,74,195	14,300	-	2,88,495	1,28,701	1,43,001
8	वाहन साधन	15%	4,93,002	-	-	4,93,002	4,73,586	2,912	-	4,76,498	16,504	19,416
9	पुस्तकालय की पुस्तकें	40%	74,42,295	17,77,287	-	92,19,582	31,18,404	17,40,720.73	-	48,59,125	43,60,457	43,23,891
10	रंगमंच कार्यशाला उपकरण	15%	5,16,908	-	-	5,16,908	4,84,773	4,820	-	4,89,593	27,315	32,135
11	संग्रहालय एवं प्रलेखन	10%	33,72,863	-	-	33,72,863	23,63,966	1,00,890	-	24,64,855	9,08,008	10,08,897
12	फिल्म एवं वीडियो कवरेज	10%	41,00,038	-	-	41,00,038	17,52,584	2,34,745	-	19,87,330	21,12,708	23,47,454
13	ध्वनि एवं दृश्य श्रव्य उपकरण	15%	2,26,85,721	4,24,090	-	2,31,09,811	1,52,51,364	11,23,624	-	1,63,74,988	67,34,823	74,34,357
14	प्रादेशिक केन्द्र उपकरण	15%	1,24,27,755	-	-	1,24,27,755	97,88,545	3,95,881	-	1,01,84,427	22,43,328	26,39,210
15	रंगमंडल के विस्तारण के लिए उपकरण	15%	26,67,047	-	-	26,67,047	21,67,415	74,945	-	22,42,360	4,24,687	4,99,632
16	व्यस्क बाल रंगमंडल उपकरण	15%	7,46,353	-	-	7,46,353	6,68,786	11,635	-	6,80,421	65,932	77,567
17	रंगमंच प्रदर्शनी/उत्सव उपकरण	15%	15,74,536	-	-	15,74,536	14,01,055	26,022	-	14,27,077	1,47,459	1,73,481
18	बुक शॉप उपकरण	15%	3,11,199	-	-	3,11,199	2,75,055	5,422	-	2,80,477	30,722	36,144
19	कम्प्यूटर एवं कम्प्यूटरीकृत सहायता	40%	2,88,85,026	31,70,457	-	3,20,55,483	2,31,78,940	22,82,434	-	2,54,61,375	65,94,108	57,06,085
20	प्रकाश एवं साउंड उपस्कर	15%	1,17,58,865	13,00,886	-	1,30,59,751	60,22,827	8,60,406	-	68,83,233	61,76,518	57,36,038
21	सभागार उपकरण	15%	32,80,497	-	-	32,80,497	27,55,352	78,772	-	28,34,124	4,46,373	5,25,145
22	प्रकाशन उपकरण	15%	3,39,516	-	-	3,39,516	3,24,046	2,320	-	3,26,367	13,149	15,470
23	अतिथिगृह (फर्नीचर, जुड़ी हुई वस्तुएँ एवं कार्यालय उपकरण)	15%	70,228	-	-	70,228	63,796	965	-	64,761	5,467	6,432
24	विदेशी निदेशक की छात्र प्रस्तुति	15%	1,38,375	-	-	1,38,375	1,18,692	2,952	-	1,21,645	16,730	19,683
25	खेल उपकरण	15%	3,18,515	-	-	3,18,515	1,96,498	18,302	-	2,14,801	1,03,714	1,22,017
26	बिजली के लिए उपकरणों की खरीद	15%	80,61,937	-	-	80,61,937	54,77,465	3,87,671	-	58,65,136	21,96,801	25,84,472

जारी .....

क्र. सं.	विवरण	मूल्य ह्रास की दर	कुल ब्लॉक				मूल्य ह्रास				नैट ब्लॉक	
			वर्ष के आरंभ में मूल्य/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत में मूल्य/ मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
27	एयर कंडीशनर्स	15%	-	6,64,601		6,64,601	-	50,695.87	-	50,696	6,13,905	-
	कुल (क)		**46,75,22,102**	**1,17,67,689**	**-**	**47,92,89,791**	**9,38,08,659**	**92,78,468**	**-**	**10,30,87,126**	**37,62,02,665**	**37,37,13,444**
ख	**सभागार**											
1	अभिमंच	10%	1,02,95,824	-	-	1,02,95,824	80,68,032	2,22,779	-	82,90,811	20,05,013	22,27,792
2	वातानुकूलन	15%	1,11,17,905	-	-	1,11,17,905	91,49,167	2,95,311	-	94,44,478	16,73,428	19,68,738
3	विद्युत प्रस्थापन	15%	87,01,275	-	-	87,01,275	54,45,923	4,88,303	-	59,34,226	27,67,049	32,55,352
4	सम्मुख	10%	41,01,914	-	-	41,01,914	18,91,394	2,21,052	-	21,12,446	19,89,468	22,10,520
5	अभिकल्प	10%	3,19,676	-	-	3,19,676	2,46,545	7,313	-	2,53,858	65,818	73,131
6	ध्वनि श्रव्य का विस्तार	15%	5,45,549	-	-	5,45,549	5,01,899	6,547	-	5,08,447	37,102	43,650
7	दीवार को ऊपर उठाना	10%	3,46,150	-	-	3,46,150	2,66,962	7,919	-	2,74,881	71,269	79,188
8	कॉमन रुम	10%	2,00,200	-	-	2,00,200	1,54,401	4,580	-	1,58,981	41,219	45,799
9	अस्थायी रंगमंच कार्यशाला	100%	8,06,051	-	-	8,06,051	8,06,051	-	-	8,06,051	-	-
10	पुरुष छात्रावास बैंगलुरू सेंटर	10%	-	3,28,54,000	-	3,28,54,000	-	9,99,122	-	9,99,122	3,18,54,878	-
11	पट्टाधृति संशोधन	10%	3,15,04,533	52,94,721	-	3,67,99,254	1,75,70,949	13,94,809.02	-	1,89,65,758	1,78,33,496	1,39,33,584
12	सी डब्ल्यू आइ पी		29,29,51,615	11,67,87,254	3,81,48,721	37,15,90,148	-	-	-	-	37,15,90,148	29,29,51,615
	कुल (ख)		**36,08,90,692**	**15,49,35,975**	**3,81,48,721**	**47,76,77,946**	**4,41,01,321**	**36,47,735**	**-**	**4,77,49,056**	**42,99,28,890**	**31,67,89,371**
	मुख्य योग (क+ख)		**82,84,12,795**	**16,67,03,664**	**3,81,48,721**	**95,69,67,738**	**13,79,09,980**	**1,29,26,203**	**-**	**15,08,36,183**	**80,61,31,555**	**69,05,02,815**
पिछला वर्ष			**42,30,70,737**	**73,79,52,293**	**33,26,10,235**	**82,84,12,795**	**12,73,76,654**	**1,05,33,326**	**-**	**13,79,09,980**	**69,05,02,815**	**29,56,94,083**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 9 - स्थायी निधि से निवेश	चालू वर्ष					पिछला वर्ष				
	निधि अनुसार विभाजन					निधि अनुसार विभाजन				
	नियत परिसंपतियां निधि	भवन निर्माण निधि	भविष्य निधि	लिगेसी निधि	कुल	नियत परिसंपतियां निधि	भवन निर्माण निधि	भविष्य निधि	लिगेसी निधि	कुल
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. शेयर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. डिबेंचर एवं बॉन्ड्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5. सबसिडियरीज़ एवं संयुक्त वेंचर्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6. अन्य (स्पष्ट करें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- केनरा बैंक	-	-	6,06,57,347	-	6,06,57,347	-	-	7,16,00,000	-	7,16,00,000
- आन्ध्रा बैंक	-	-	-	3,10,971	3,10,971	-	-	-	2,72,697	2,72,697
- यूको बैंक	-	-	1,12,06,908	-	1,12,06,908	-	-	1,06,63,645	-	1,06,63,645
कुल	**-**	**-**	**7,18,64,255**	**3,10,971**	**7,21,75,226**	**-**	**-**	**8,22,63,645**	**2,72,697**	**8,25,36,342**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 10 - निवेश-अन्य		चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
		राजस्व सामान्य	चालू खाता II	सा.भ.नि.	राजस्व सामान्य	चालू खाता II	सा.भ.नि.
1.	सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-	-	-	-	-
2.	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-	-	-
3.	शेयर्स	-	-	-	-	-	-
4.	डिबेंचर एवं बॉन्ड्स	-	-	-	-	-	-
5.	सबसिडियरीज़ एवं संयुक्त वेंचर्स	-	-	-	-	-	-
6.	न्यू पेंशन स्कीम	-	-	-	-	-	-
7.	अन्य (स्पष्ट करना है)	-	-	-	-	-	-
	कुल	-	-	-	-	-	-

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 11 चालू संपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	चालू वर्ष				चालू वर्ष		पिछला वर्ष			
	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	चालू खाता II	कुल	उत्तर-पूर्व	योजना	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	चालू खाता II	कुल
(क) चालू संपत्तियाँ										
1. वस्तु सूची										
(क) जमा व अतिरिक्त										
अर्द्ध स्थायी परिसम्पत्तियाँ	61,71,516	-	-	**61,71,516**	-	61,71,516	70,93,124	-	-	**70,93,124**
(ख) लूज़ औजार	-	-	-	**-**	-	-	-	-	-	**-**
(ग) व्यापार में स्टॉक	-	-	-	**-**	-	-	-	-	-	**-**
तैयार माल	-	-	-	**-**	-	-	-	-	-	**-**
कार्य प्रगति पर	-	-	-	**-**	-	-	-	-	-	**-**
कच्चा माल	-	-	-	**-**	-	-	-	-	-	**-**
2. विविध देनदार					-	-				**-**
(क) छः माह की अवधि से ज्यादा के लिए बकाया ऋण	7,97,474	-	3,75,587	**11,73,061**	-	7,97,474	7,97,474	-	3,75,587	**11,73,061**
(ख) अन्य	-	-	-	**-**	-	-	-	-	-	**-**
3. हाथ में बकाया शेष (चैक/ड्राफ्ट और अग्रदाय राशि को शामिल कर)	33,978	-	1,358	**35,336**	33,149	829	44,128	-	153	**44,281**
4. बैंक शेष:										**-**
(क) शैड्यूल बैंकों के साथ										**-**
- चालू खाते पर	-	-	-	**-**	-	-	-	-	-	**-**
भारतीय स्टेट बैंक - 11084244052	10,464	-	-	**10,464**	86	10,378	8,957	-	-	**8,957**
-सावधि खाते पर (मार्जिन मनी को शामिल कर)	1,00,28,407	-	-	**1,00,28,407**	-	1,00,28,407	1,16,50,907	-	-	**1,16,50,907**
बचत खाते पर										
केनरा बैंक - बचत बैंक - 9003	2,31,21,115	-	-	**2,31,21,115**	1,08,89,747	1,22,31,368	38,46,29,627	-	-	**38,46,29,627**
केनरा बैंक - स्टेट बैंक - बैंगलूरू	61,65,637	-	-	**61,65,637**	-	61,65,637	56,54,842	-	-	**56,54,842**
केनरा बैंक - स्टेट बैंक - सिक्किम	37,36,226	-	-	**37,36,226**	37,36,226	-	24,23,625	-	-	**24,23,625**
केनरा बैंक - स्टेट बैंक - त्रिपुरा	4,69,173	-	-	**4,69,173**	4,69,173	-	19,15,645	-	-	**19,15,645**
केनरा बैंक - स्टेट बैंक - वाराणसी	6,47,523	-	-	**6,47,523**	-	6,47,523				
केनरा बैंक - स्टेट बैंक - 608	-	-	2,69,311	**2,69,311**	-	-	-	-	2,26,077	**2,26,077**

जारी ...

सूची 11 चालू संपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	चालू वर्ष				चालू वर्ष		पिछला वर्ष			
	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	चालू खाता II	कुल	उत्तर-पूर्व	योजना	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	चालू खाता II	कुल
केनरा बैंक – स्टेट बैंक – ऑनलाइन बैंकिंग	2,00,000			**2,00,000**	-	2,00,000	2,00,000			**2,00,000**
एक्सिस बैंक	12,783	-	-	**12,783**	2,307	10,476	12,345	-	-	**12,345**
भारतीय स्टेट बैंक - 11084240331	-	95,21,895	-	**95,21,895**	-	-	-	4,65,107	-	**4,65,107**
भारतीय स्टेट बैंक – कोलकाता	-	-	-	**-**	-	-	-	-	-	**-**
ट्रांजिट में फंड	79,765	-	-	**79,765**	-	79,765	79,765	-	-	**79,765**
(ख) नॉन शैड्यूल बैंक के साथ:										
- चालू खातों पर	-	-	-	**-**	-	-	-	-	-	**-**
- सावधि खातों पर	-	-	-	**-**	-	-	-	-	-	**-**
- बचत खातों पर	-	-	-	**-**	-	-	-	-	-	**-**
5. डाकघर-बचत खाता										
पोस्टेज व पेकिंग मशीन	-	-	-	**-**	-	-	-	-	-	**-**
कुल (क)	**5,14,74,060**	**95,21,895**	**6,46,256**	**6,16,42,211**	**1,51,30,687**	**3,63,43,373**	**41,45,10,439**	**4,65,107**	**6,01,817**	**41,55,77,363**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को तुलन पत्र का सूची भाग

(राशि रुपये)

अनुसूची 11 चालू संपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	चालू वर्ष				पिछला वर्ष			
	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	चालू खाता II	कुल	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	चालू खाता II	कुल
(ख) ऋण, अग्रिम व अन्य सम्पत्तियाँ								
1. ऋण								
(क) स्टाफ								
अग्रिम खरीद	2,30,22,941	-	10,000	**2,30,32,941**	1,63,53,246	-	10,000	**1,63,63,246**
अग्रिम खरीद - थियेटर ओलम्पिक	9,34,578	-	-	**9,34,578**	2,22,27,491	-	-	**2,22,27,491**
अवकाश यात्रा रियायत	4,38,116	-	-	**4,38,116**	4,80,909	-	-	**4,80,909**
उत्सव अग्रिम	46,640	-	-	**46,640**	43,390	-	-	**43,390**
भवन निर्माण अग्रिम	7,401	-	-	**7,401**	93,651	-	-	**93,651**
कम्प्यूटर अग्रिम	3,42,401	-	-	**3,42,401**	2,97,671	-	-	**2,97,671**
सा. भ. नि. अग्रिम	-	33,88,549	-	**33,88,549**	-	39,10,780	-	**39,10,780**
सभागारों के साथ जमा राशि	19,00,000	-	-	**19,00,000**	30,00,000	-	-	**30,00,000**
(ख) अन्य								
प्रशिक्षण सामग्री के लिए छात्र अग्रिम	11,800	-	2,120	**13,920**	11,800	-	2,120	**13,920**
छात्रवृत्ति के एवज में छात्र अग्रिम	-	-	44,341	**44,341**	-	-	46,841	**46,841**
छात्र मैस अग्रिम	-	-	1,46,298	**1,46,298**	-	-	1,46,298	**1,46,298**
वसूली योग्य मैस प्रभार	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
2. प्राप्त करने वाले मूल्य हेतु नकद या इसी तरह से वसूल की गई अन्य राशि और अग्रिम								
(क) पूँजी खाते पर	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
(ख) पूर्व भुगतान	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
(ग) एन.टी.पी.सी. से वसूली	5,40,000	-	-	**5,40,000**	-	-	-	**-**
(घ) अन्य								
राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के साथ कार्य जमा	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
आय पर कर की कटौती	46,11,148	-	-	**46,11,148**	38,84,680	-	-	**38,84,680**
सुरक्षा जमा	24,20,713	-	-	**24,20,713**	24,20,713	-	-	**24,20,713**
पूर्व भुगतान व्यय	1,86,16,898	-	-	**1,86,16,898**	1,89,47,140	-	-	**1,89,47,140**
मैस प्रभार की न्यूनता	-	-	17,30,160	**17,30,160**	-	-	16,37,099	**16,37,099**
मंत्रालय से प्राप्य सिंहस्था कुंभ-उज्जैन	7,50,000	-	-	**7,50,000**	7,50,000	-	-	**7,50,000**

जारी ...

अनुसूची 11 चालू संपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	चालू वर्ष				पिछला वर्ष			
	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	चालू खाता II	कुल	राजस्व सामान्य	सा.भ.नि.	चालू खाता II	कुल
वसूली योग्य प्रस्तुति शुल्क (साहित्य कला परिषद्)	90,000	-	-	**90,000**	90,000	-	-	**90,000**
कांट्रा समायोजन	32,505		-	**32,505**	32,505		-	**32,505**
3. उपार्जित आय								
(क) चिह्नित/स्थायी निधि से निवेश पर	-	1,04,24,311	-	**1,04,24,311**	-	86,45,761	-	**86,45,761**
(ख) अन्य-निवेश पर	-	-	-	**-**	-	-	40,039	**40,039**
(ग) ऋण एवं अग्रिम पर	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
(घ) बचत बैंक पर	-	-	-	**-**	24,93,720	-	-	**24,93,720**
4. प्राप्त होने वाले दावे								
(क) बकाया आय	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
(ख) रा.ना.वि. से प्राप्य	-	5,84,831	17,492	**6,02,323**	-	33,79,735	15,541	**33,95,276**
(ग) प्राप्ति योग्य बीमा दावा	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**
(घ) संयुक्त सेवाओं के शेयर से वसूली योग्य राशि	20,69,914	-	-	**20,69,914**	10,02,070	-	-	**10,02,070**
(ड.) वसूली योग्य राशि	33,59,701	-	-	**33,59,701**	33,59,701	-	-	**33,59,701**
कुल (ख)	**5,91,94,756**	**1,43,97,691**	**19,50,411**	**7,55,42,857**	**7,54,88,687**	**1,59,36,276**	**18,97,938**	**9,33,22,901**
कुल (क+ख)	**11,06,68,816**	**2,39,19,586**	**25,96,667**	**13,71,85,069**	**48,99,99,126**	**1,64,01,383**	**24,99,755**	**50,89,00,264**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 12 - बिक्री /सेवाओं से आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
1) बिक्री से आय		
क. तैयार माल की बिक्री	-	-
ख. कच्चे माल की बिक्री	-	-
ग. रद्दी माल की बिक्री	-	-
2) सेवाओं से आय		
क. व्यावसायिक/परामर्श सेवाएँ	-	-
ख. अन्य	-	-
ग. टिकट बिक्री	34,27,829	17,30,763
कुल	**34,27,829**	**17,30,763**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 13 - अनुदान/उपदान (गैर वसूली अनुदान व प्राप्त उपदान)	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
1) केन्द्रीय सरकार (पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)		
(क) राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के लिए	39,57,27,000	48,57,30,000
(ख) उत्तर पूर्वी क्षेत्र रंगमंच विकास गतिविधियाँ	13,94,60,000	12,24,23,000
(ग) यूनिसेफ के लिए	-	24,17,719
(घ) राज्य सरकार, कर्नाटक से अनुदान	-	30,00,000
(ड.) थियेटर ओलम्पिक के लिए	-	42,57,77,000
(च) स्वच्छ भारत अभियान के लिए	15,00,000	16,82,000
(छ) जलियावाला बाग की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए	38,39,000	-
(ज) स्वच्छता अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक शो के लिए	1,00,000	
घटा : अनुदान की वापसी	-	-
2) राज्य सरकार	-	-
3) सरकारी एजेंसियाँ	-	-
4) संस्थान/कल्याणकारी निकाय	-	-
5) अन्तरराष्ट्रीय संगठन	-	-
6) अन्य	-	-
जमा : वर्ष के आरंभ में अप्रयुक्त शेष	28,62,46,842	3,95,05,195
घटा : वर्ष के अंत तक अनुदान का अप्रयुक्त शेष (राजस्व सामान्य)	(35,34,446)	(24,90,73,886)
घटा : वर्ष के अंत तक अनुदान का अप्रयुक्त शेष (उत्तर पूर्व)	(1,81,05,992)	(2,19,19,309)
घटा : वर्ष के अंत तक अनुदान का अप्रयुक्त शेष (टैगोर कल्चर कॉम्पलैक्स)	(28,40,671)	(28,62,252)
घटा : वर्ष के अंत तक अनुदान का अप्रयुक्त शेष (यूनिसेफ)	(10,65,769)	(7,40,488)
घटा : वर्ष के अंत तक अनुदान का अप्रयुक्त शेष (जलियावाला बाग की 100वीं वर्षगांठ)	(38,39,000)	-
घटा : वर्ष के अंत तक अनुदान का अप्रयुक्त शेष (कर्नाटक सरकार द्वारा)	(98,05,875)	(1,16,50,907)
घटा : वर्ष के दौरान अनुदान का पूँजीकरण	-	(9,77,513)
कुल	**78,76,81,089**	**79,33,10,559**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त अवधि/वर्ष के अंत के लिए आय एवं व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 14 - शुल्क/अंशदान		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
		राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
	1) प्रवेश शुल्क	-	-
	2) वार्षिक शुल्क/अंशदान	-	-
	3) सेमिनार/कार्यक्रम शुल्क	-	-
	4) परामर्श शुल्क	-	-
	5) अन्य	-	-
	- छात्रों से शुल्क	17,29,971	12,01,995
	- संस्कार रंग टोली प्रस्तुति शुल्क	50,000	10,000
	- रंगमंडल प्रस्तुति शुल्क	2,13,800	4,91,710
	कुल	**19,93,771**	**17,03,705**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त अवधि/वर्ष के अंत के लिए आय एवं व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 15 - निवेश से आय	चिन्हित निधि द्वारा निवेश		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	सा.भ.नि./अं.भ.नि.	सा.भ.नि./अं.भ.नि.		
1) ब्याज				
(क) सरकारी सुरक्षाओं पर	-	-	-	-
(ख) अन्य बॉन्ड्स/डिबेन्चर्स	-	-	-	-
2) अन्य				
निवेश से ब्याज	57,19,165	67,76,626	-	-
घटा : सा.भ.नि. निधि में ट्रांसफर	(57,19,165)	(67,76,626)	-	-
कुल	-	-	-	-
चिन्हित/ स्थायी निधि में ट्रांसफर	-	-	-	-

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
		राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
1	रॉयल्टी से आय	-	-
2	प्रकाशन से आय		
	- प्रकाशन बिक्री	5,39,590	4,83,210
	- बाह्य प्रकाशन	7,91,985	9,55,369
	- बुक शॉप काउन्टर बिक्री	3,16,526	2,90,269
	- प्रोस्पैक्टस बिक्री	3,54,435	1,67,508
	- ब्रोशर बिक्री	36,918	63,850
3	अन्य (उल्लेख करें)	-	-
	कुल	**20,39,453**	**19,60,207**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 17 - अर्जित ब्याज		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
		राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
1	आवधि जमा पर		
	(क) शैड्यूल्ड बैंकों के साथ	22,94,906	5,65,780
	(ख) नॉन-शैड्यूल्ड बैंकों के साथ	-	-
	(ग) अन्य	-	-
2	बचत खातों पर		
	(क) शैड्यूल्ड बैंकों के साथ	48,25,454	81,93,079
	(ख) नॉन शैड्यूल्ड बैंक के साथ	-	-
	(ग) डाकघर बचत खाता	-	-
	(घ) अन्य	-	-
3	ऋण पर		
	(क) कर्मचारी/स्टाफ	-	-
	(ख) अन्य	-	-
4	टैगोर कल्चरल कॉम्प्लैक्सिज़ पर प्राप्त ब्याज	-	-
	कुल	**71,20,360**	**87,58,859**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 18 - अन्य आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
विविध आय	26,27,419	45,08,917
सामग्री/भंडार की समाप्ति	1,82,550	37,009
प्रेक्षागृह प्रभार	1,58,000	1,86,000
कैसेट्स की बिक्री	1,700	30
वाहन अग्रिम पर ब्याज	-	-
एच बी ए (गृह निर्माण भत्ता) पर ब्याज	1,02,000	82,875
अतिथि गृह प्रभार	87,000	9,60,108
छात्रावास किराया एवं अन्य प्रभार	-	9,200
अन्य (एनटीपीसी पीएमआई)	1,97,835	18,33,043
पूर्व अवधि आय	2,86,528	27,103
कुल	**36,43,032**	**76,44,285**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 19 -तैयार माल के स्टॉक में बढ़ोत्तरी (घटौती) एवं कार्य प्रगति पर	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
समाप्त स्टॉक		
- तैयार माल	61,71,516	70,93,124
- कार्य प्रगति पर	-	-
- अर्द्धस्थायी परिसंपत्तियाँ	-	-
घटा : प्रारंभिक स्टॉक		
- तैयार माल	(70,93,124)	(61,69,413)
- कार्य प्रगति पर	-	-
- अर्द्धस्थायी परिसंपत्तियाँ	-	-
कुल बढ़त /(घटत) (क-ख)	**(9,21,608)**	**9,23,711**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

सूची 20 -स्थापना व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
(क) वेतन, मज़दूरी और भत्ते	12,64,43,967	11,49,67,442
(ख) बोनस	-	-
(ग) कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-
(घ) कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति एवं आवधिक लाभ पर व्यय	4,96,60,578	5,09,13,101
(ड.) अन्य	-	-
शिक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति	-	-
अवकाश यात्रा भत्ता	5,42,536	11,38,093
स्टाफ की यात्रा	-	-
चिकित्सीय दावों की प्रतिपूर्ति	-	-
शुल्क एवं मानदेय	-	-
वेतन का एरियर (7वां वेतन आयोग) नियमित कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को	4,53,78,062	2,01,92,885
कुल	**22,20,25,142**	**18,72,11,521**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
		राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
(क)	छात्र छात्रावास	1,65,46,501	1,76,27,317
(ख)	अन्य शीर्ष	6,57,429	7,66,172
(ग)	वाहन साधन	5,000	58,287
(घ)	अतिथि गृह का प्रावधान और रानावि केन्द्रों के कार्यालय परिसर	61,29,243	55,36,165
(ड.)	विद्युत एवं जल व्यय	84,30,653	60,82,535
(च)	प्रस्तुति/रंगमंडल व बिल्डिंग ग्रांट एवं स्टूडियो थिएटर (संस्कृति मंत्रालय) की योजना	23,13,674	63,86,822
(छ)	समिति के सदस्यों को टी ए एवं डी ए	5,240	10,05,270
	कुल	**7,68,02,180**	**6,01,27,664**

(राशि रुपये)

अनुसूची 22 - अनुदान, उपदान आदि पर व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
		राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
(क)	संस्थान/संगठन को दिया गया अनुदान	-	-
(ख)	संस्थान/संगठन को दिया गया उपदान	-	-
	कुल	-	-

(राशि रुपये)

अनुसूची 23 - मूल्य ह्रास		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
(क)	नियत परिसंपत्तियां	92,78,468	77,91,366
(ख)	प्रेक्षागृह	36,47,735	27,41,960
	कुल	**1,29,26,203**	**1,05,33,326**
	घटा : नियत संपत्ति निधि/भवन निर्माण निधि में स्थानांतरण	(1,29,26,203)	(1,05,33,326)
	कुल	**-**	**-**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

अनुसूची 24 - पदोन्नति एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियाँ		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
		राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
1	प्रकाश, ध्वनि, फोटोग्राफी, ऑडियो, वीडियो उपकरणों इत्यादि का वार्षिक रखरखाव	4,70,953	597,258
2	ब. व. कारंत और मनोहर सिंह स्मृति पुरस्कार	40,77,529	-
3	बाल रंगमंच कार्यशालाएं - दिल्ली और दिल्ली के बाहर भी	22,16,572	8,47,784
4	बाल रंगमंच कार्यशालाएं जिनमें उत्तर-पूर्व क्षेत्र शामिल हैं।	-	-
5	सहयोगी एवं प्रत्योजित प्रस्तुतियाँ एवं प्रदर्शन जिनमें डिस्प्ले/प्रदर्शिनियाँ इत्यादि शामिल हैं	11,20,210	17,61,933
6	सहयोगी रंगमंच समारोह - उत्तर पूर्व समूहों की प्रतिभागिता	17,68,815	65,96,241
7	सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम	34,73,556	24,73,887
8	प्रलेखन, उनार्काइव्स - दस्लावेलो का डिजीटाईजेशन, फोटोग्राफ, नाटकों की ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग्स	16,07,016	16,81,111
9	पुस्तकालय, जर्नल्स और पत्रिकाओं के सब्सक्रिप्शन्स का विस्तार और पुस्तकालय की देखरेख	6,72,898	13,60,270
10	रानावि रंगमंडल का विस्तार	1,39,28,261	92,94,863
11	रानावि (राजभाषा में राजभाषा योजना का कार्यान्वयन)	8,01,958	7,69,335
12	रानावि में सभागारों और योगा हॉल में मौजूद सुविधाओं में सुधार जिनमें इनकी देखरेख शामिल है	28,67,514	1,09,70,176
13	अंतर्राष्ट्रीय बाल रंगमंच समारोह - जश्नेबचपन/बाल संगम जिनमें उत्तर-पूर्व क्षेत्र शामिल हैं	2,18,91,423	2,20,03,387
14	अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच समारोह- भारत रंग महोत्सव जिसमें उत्तर-पूर्व का समानांतर भारंगम समारोह शामिल है	11,63,05,025	30,19,175
15	लेजेंड्स-ई-अल्काज़ी अध्यक्ष अध्येतावृत्ति योजना/कलाकार आवासीय योजना में	2,93,378	-
16	नृत्य, संगीत, लोक एवं रंगमंच (टी एस पी) का राष्ट्रीय जनजातीय समारोह	5,73,96,999	4,82,58,223
17	रानावि का बैंगलुरू प्रशिक्षण केन्द्र, बैंगलुरू	1,31,13,546	1,61,83,720
18	रानावि का शास्त्रीय रंगमंच प्रशिक्षण केन्द्र, वाराणसी जिसमें शास्त्रीय नाटकों के रानावि का समारोह शामिल है	67,63,320	32,91,216
19	रानावि का राष्ट्रीय रंगमंच समारोह जिसकी प्रस्तुति उत्तर-पूर्व क्षेत्र में की गई	-	2,32,008
20	उत्तर-पूर्व क्षेत्र में रानावि का पूर्वोत्तर नाट्य समारोह	3,56,97,307	2,60,22,864
21	रानावि का सिक्किम रंगमंच प्रशिक्षण केन्द्र, गंगटोक	1,70,67,079	1,94,27,465
22	रानावि की थियेटर इन एजूकेशन कंपनी (टाई कं.)	33,48,448	87,09,122
23	रानावि का टाई विंग रंगमंच प्रशिक्षण केन्द्र, अगरतला, त्रिपुरा	1,84,55,675	1,19,40,837
24	नाटक शो, स्वच्छता अभियान के अंतर्गत अभियान	1,00,000	-
25	पूर्वाविधि व्यय	1,02,18,115	24,62,241
26	रानावि का शोध कार्य एवं प्रकाशन कार्यक्रम एवं रानावि परिसर में किताब घर चलाना	29,45,497	25,83,193

जारी ...

अनुसूची 24 – पदोन्नति एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियाँ		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
		राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
27	छात्रों और अध्येताओं को छात्रवृत्ति जिसमें अनुदान शामिल हो	92,70,474	97,88,794
28	उत्तर-पूर्व क्षेत्र में रानावि टाई कं. एवं रानावि रंगमंडल के प्रदर्शन	90,87,997	3,300
29	शैक्षिक वर्ष के लिए नए बैच के छात्रों का वार्षिक दाखिला	1,14,84,830	56,09,065
30	छात्र प्रस्तुति अध्ययन एवं प्रशिक्षण व्यय	1,14,48,352	3,72,36,980
31	स्वच्छ भारत अभियान (एस ए पी)	15,00,000	16,82,000
32	टैगोर कल्चरल कॉम्पलैक्स (राष्ट्रीय मूल्यांकन समिति) संस्कृति मंत्रालय	21,581	10,600
33	टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति (संस्कृति मंत्रालय)	4,05,000	-
34	टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति कार्यक्रम (नाट्यकला में ये तीन वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम)	3,09,78,721	65,39,970
35	रंगमंच ओलम्पिक्स	10,96,12,943	30,18,00,846
36	निर्देशन/नाटक तैयार करने में रंगमंच कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें उत्तर-पूर्व क्षेत्र शामिल हैं साथ ही मूल्यांकन पाठ्यक्रम भी	76,24,648	1,96,89,670
37	रानावि की उत्तर-पूर्व गतिविधियों से संबंधित सूचना को अपलोड करने के लिए उत्तर-पूर्व की गतिविधियों के लिए वैबसाइट बनाना जिसमें सॉफ्टवेयर मेंटेनेंस शामिल है	1,12,100	-
38	उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में विभिन्न समारोह कार्यशालाओं पर स्थापना एवं अनुपालन का मूल्य	3,10,80,604	3,37,81,058
	कुल	**55,92,28,344**	**61,66,28,592**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

अनुसूची 25 - ब्याज		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
		राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
	(क) नियत ऋण पर	-	-
	(ख) अन्य ऋण (बैंक प्रभारों के साथ) पर	-	-
	(ग) अन्य (उल्लेख करना है)	-	-
	कुल	**-**	**-**

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का सूची भाग

(राशि रुपये)

	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
		राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य			राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
I	**प्रारंभिक शेष**				**व्यय**		
	(क) हाथ रोकड़	44,128	4,452		(क) स्थापना व्यय	207,817,396	200,891,344
	(ख) बैंक शेष				(सूची 20 के अनुसार)		
	(1) चालू खाते में	-	-		(ख) प्रशासनिक व्यय	75,020,127	36,369,200
	(2) जमा खाते में	3,212,500	2,764,207		(सूची 21 के अनुसार)		
	(3) बचत खाते में	394,845,041	24,287,592				
	(4) भूटान में भारत महोत्सव (संस्कृति मंत्रालय))	-	-		**विभिन्न प्रोजेक्ट्स के लिए**		
	(ग) पोस्टेज एवं पेंकिग मशीन	-	-		**फंड के एवज में भुगतान**		
	(घ) ट्रांजिट में फंड	-	-		- सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम एवं गतिविधियां	613,271,414	555,640,747
II	**प्राप्त अनुदान**				(सूची 24 के अनुसार)		
	(क) भारत सरकार से						
	- पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय	-	-		**निवेश एवं जमा**		
	- संस्कृति विभाग से	395,727,000	485,730,000		(क) चिन्हित और स्थायी निधि में से	-	-
	- संस्कृति विभाग से (पूंजी अनुदान)	89,707,000	510,000,000		(ख) निजी निधि में से (अन्य निवेश)	-	-
	- संस्कृति विभाग से (रिष्ट्रीय थयेटर ओलम्पिक्स)	-	425,777,000				
	- उत्तर पूर्वी क्षेत्र की रंगमंचीय विकास गतिविधियां - संस्कृति विभाग	139,460,000	122,423,000				
	- स्वच्छ भारत अभियान से अनुदान	1,500,000	1,682,000		**नियत संपत्तियों एवं पूँजी कार्य की प्रगति**		
	- यूनिसैफ से अनुदान	-	2,417,719		**पर व्यय पूँजी कार्य की प्रगति पर व्यय**		
	- राज्य सरकार, कर्नाटक के लिए अनुदान	-	3,000,000		(क) नियत संपत्तियों की खरीद	12,613,041	339,064,929
	- एमपीएलएडी से अनुदान	-	20,000,000		(ख) पूँजी कार्य की प्रगति पर व्यय	-	-
	- जलियावाला बाग की 100वीं वर्षगांठ के लिए अनुदान	3,839,000	-				
	- स्वच्छता अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक प्रदर्शन के लिए अनुदान	100,000	-				
III	**निम्न निवेशों से आय**				अधिशेष राशि/ ऋण की वापसी		
	(क) चिन्हित/स्थायीनिधि				(क) भारत सरकार को	-	-
	(ख) निजी निधि (अन्य निवेश)				(ख) राज्य सरकार को	-	-
					(ग) बैंकों को	-	-

जारी ...

	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
		राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य			राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
IV	**प्राप्त ब्याज**				(घ) फंड्स के अन्य संभरकों को	-	-
	(क) बैंक डिपौजिट पर	9,614,080	565,780				
	(ख) ऋण, अग्रिम इत्यादि	-	9,000,000		**वित्त प्रभार (ब्याज)**	-	-
V	**अन्य आय**				**अन्य भुगतान (उल्लेख करें)**		
	- छात्रों द्वारा शुल्क	1,729,971	1,201,995				
	- रंगमंच कार्यशाला के लिए शुल्क	-	-		त्यौहार अग्रिम	22,500	49,500
					वाहन अग्रिम	-	30,000
VI	**उधार ली गई राशि**				यात्रा किराया भत्ता अग्रिम	504,000	503,889
	- केनरा बैंक से ओवरड्राफ्ट सुविधायें	-	-		कम्प्यूटर अग्रिम	48,990	-
					भवन निर्माण अग्रिम	-	-
VII	**निवेश को भुनाना**	-	-		एन.टी.पी.सी/पी.एम.आई/सहयोजित रंगमंच कार्यशाला लेखा	882,165	-
					खरीद अग्रिम	146,312,677	199,501,144
VIII	**अन्य प्राप्तियाँ**				पिछले वर्ष खरीद अग्रिम	8,500	-
	(क) प्राप्त बयाना राशि	-	-		आयकर कटौती	31,498,840	25,531,584
	(ख) पुस्तकालय पुस्तकों की लागत से वसूली	-	-		आयकर वसूली	137,746	438,280
	(ग) छात्रावास किराया व अन्य प्रभार	-	9,200		संयुक्त सेवा वसूली	1,503,572	-
	(घ) अतिथि गृह प्रभार	87,000	966,350		सामूहिक बीमा	694,975	770,441
	(ड.) अप्रयोज्य सामग्री का निपटान	182,550	37,009		स्टाफ की एल.आई.सी. किश्तें	466,416	496,118
	(च) बिक्री (प्रोस्पेक्ट्स/आवेदन पत्र)	354,435	167,508		Staff Welfare Fund	102,355	95,790
	(छ) टिकट बिक्री	3,427,829	1,730,763		केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग से कार्य जमा	3,368,254	20,000,000
	(ज) प्रस्तुति शुल्क	263,800	501,710		पुनर्विकास खाता के.लो.नि.वि.	100,000,000	50,000,000
	(झ) अग्रिम की वसूली				सा.भ.नि./अ.भ.नि. को देय	-	-
	- वाहन अग्रिम	29,496	14,496		सिक्योरिटी जमा वापसी	-	-
	- गृह निर्माण अग्रिम	86,250	149,500		न्यू पेंशन स्कीम	2,249,836	1,588,894
	- त्यौहार अग्रिम	19,250	55,000		पूर्वदत्त व्यय खाता	31,462,522	20,176,943
	- कम्प्यूटर अग्रिम	4,260	-		पूर्व अवधि व्यय	-	-
	- छुट्टी यात्रा रियायत	517,297	1,015,092		सभागार बुक करने के लिए जमा	19,00,000	3,000,000
	(ट) विविध प्राप्तियाँ	4,312,437	14,483,827		बैंगलूर केन्द्र छात्रावास पुन: तैयार करने के लिए अतिरिक्त अग्रिम	13,419,000	4,324,083
	(ठ) पुस्तकालय पुस्तकों की अतिरिक्त लागत वसूली				**अन्य वसूलियां**	-	**23,000**
	(ड) गृह निर्माण अग्रिम पर ब्याज	102,000	82,875		एन टी पी सी से वापस भुगतान के लिए	5,40,000	-
	(ढ) वाहन अग्रिम पर ब्याज	-	-		भुगतान राशि सा. भ. नि./सहयोगी भविष्य निधि	33,79,735	-
	(ण) कम्प्यूटर अग्रिम पर ब्याज	-	-		बचत खाता एवं एफ.डी.आर. पर बनने वाला ब्याज	-	3,432,127

जारी ...

	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
		राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य			राजस्व सामान्य	राजस्व सामान्य
	(त) पंखा अग्रिम पर ब्याज	-	-		**अंत शेष**		-
	(थ) प्रेक्षागृह प्रभार	158,000	186,000		(क) हाथ रोकड़	33,978	44,128
	(द) ध्वनि विभाग प्रभार	-	4,625		(ख) बैंक बकाया		
	(ध) कैसटों की बिरी	1,700	30		1. चालू खाते में		
	(न) एन.टी.पी.सी./पी.एम.आई. सहयोजित रंगमंच कार्यशाला का लेखा	1,080,000	1,833,043		2. जमा खाते में	1,590,000	3,212,500
	(प) गेल-सहयोगी रंगमंच कार्यशाला खाता	-	-		3. बचत खाते में	34,362,920	394,845,041
	पूर्व अवधि आय/समायोजन कांट्रा	286,528	27,103		(ग) ट्रांजिट फंड	-	-
IX	अन्य शीर्ष बजट से संबंधित न हों						
	खरीद अग्रिम	158,611,325	173,753,750				
	पूर्व वर्ष खरीद अग्रिम	2,333,070	3,661,658				
	आयकर कटौती	32,425,750	25,516,114				
	न्यू पैंशन योजना	2,416,904	1,629,046				
	समूह बीमा	694,975	770,441				
	अवकाश वेतन एवं पेंशन सहयोग	-	506,467				
	सुरक्षा जमा	100,000	1,400,000				
	कर्मचारी कल्याण निधि	102,355	95,790				
	अवधान राशि त्रिपुरा केन्द्र	140,120	(38,150)				
	जीवन बीमा कर्मचारी प्रिमियम	466,416	496,118				
	संयुक्त सेवा-वसूली योग्य	435,728	167,999				
	आयकर वापसी	-	1,481,552				
	के.लो.नि.वि. के साथ कार्य जमा	-	8,917,315				
	भुगतान किए गए व्यय का लेखा	31,792,764	11,553,705				
	आदि रंगमंच बुक करने के लिए जमा राशि	3,000,000	-				
	सीए-II को भुगतान	-	-				
	स.भ.नि./अ.भ.नि. को भुगतान	-	-				
	कुल	**1,283,210,959**	**1,860,029,681**			**1,283,210,959**	**1,860,029,681**

लेखा एवं वाउचर्स की पुस्तिकाओं के आधार पर संकलित
कृते रजनीश एवं एसोसिएट्स
चार्टेड एकाउटेंट्स

सहयोगी | सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.) | लेखाधिकारी | उप रजिस्ट्रार | रजिस्ट्रार | प्रभारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 30/05/2019

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 को चालू खाता - II का तुलन पत्र

(राशि रुपये)

दायित्व	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		परिसंपत्तियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
चालू खाता II निधि						
लिगेसी निधि	**382,502**	382,316		**विविध देनदार**		
				(क) छः माह से ज्यादा अवधि के लिए बकाया ऋण	**375,587**	375,587
स्वीकार्य				(ख) अन्य	**-**	-
प्रतिभूति जमा-टेंडर/कोटेशन्स	**11,000**	11,000				
				निवेश		
				आन्ध्रा बैंक	**310,971**	272,697
छात्रों का पूर्व जमा शुल्क एवं प्रतिभूति जमा आदि	**58,986**	58,986				
छात्र, कलाकार एवं अन्य जमा	**1,089,530**	1,014,530		**बैंक शेष**		
छात्र अवधान राशि एवं पुस्तकालय जमा	**856,090**	829,090		केनरा बैंक-एस.बी. - 608	**269,311**	226,077
प्रशिक्षु प्रतिभूति जमा	**148,525**	118,525		रोकड़ हाथ में	**1,358**	153
रंगमंडल एवं संस्कार रंग टोली कलाकार प्रतिभूति जमा	**31,900**	28,900				
मैस सुरक्षा जमा	**294,600**	294,600		**ऋण एवं अग्रिम**		
				प्रशिक्षण सामग्री के लिए छात्र अग्रिम	**2,120**	2,120
प्राप्त अग्रिम				छात्रवृत्ति के एवज में छात्र अग्रिम	**44,341**	46,841
एन.टी.पी.सी.लि. नोएडा रंगमंच कार्यशालाएं	**-**	-		छात्र मैस अग्रिम	**146,298**	146,298
				खरीद अग्रिम	**10,000**	10,000
भारत सरकार, राज्य सरकार, राज्य अकादमी, संस्कृति विभाग छात्रवृत्तियाँ एवं शिक्षार्थी वृत्ति	**-**	-		बकाया आय	**-**	-
				रा.ना.वि. से वसूली योग्य राशि	**17,492**	15,541
प्रति कॉन्ट्रा के अनुसार बकाया प्राप्तियाँ	**2,000**	2,000		आन्ध्रा बैंक के साथ एफडीआर पर हुआ ब्याज	**-**	40,039
कॉन्ट्रा समायोजन	**32,505**	32,505				
मैस प्रभार का अतिरिक्त भाग	-	-		मैस प्रभार - कमी/अधिकता	**1,730,160**	1,637,099
कुल	**2,907,638**	**2,772,452**		**कुल**	**2,907,638**	**2,772,452**

लेखा एवं वाउचर्स की पुस्तिकाओं के आधार पर संकलित
कृते रजनीश एवं एसोसिएट्स
चार्टेड एकाउटेंट्स

सहयोगी | सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.) | लेखाधिकारी | उप रजिस्ट्रार | रजिस्ट्रार | प्रभारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 30/05/2019

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
01.04.2018 से 31.03.2019 तक की अवधि के लिए (चालू खाता II) का प्राप्ति और भुगतान

(राशि रुपये)

	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I.	**प्रारंभिक शेष**			I	**व्यय**		
	(क) हाथ रोकड़	**153**	544		(क) स्थापना व्यय	**-**	-
	(ख) बैंक शेष	**-**	-		(ख) प्रशासनिक व्यय	**-**	-
	(1) चालू खाते में	**-**	-				
	(2) जमा खाते में	**-**	-	II	**विभिन्न प्रोजेक्ट्स के लिए फंड के एवज में भुगतान निवेश एवं जमा**	**-**	-
	(3) बचत खाते में	**226,077**	429,655				
					निवेशक एवं जमा किए गए		
II	**प्राप्त अनुदान**				(क) चिन्हित/स्थायी निधि में से	**-**	-
	(क) भारत सरकार से	**-**	-		(ख) निजी निधि में से (अन्य निवेश)	**-**	-
	(ख) राज्य सरकारों से	**-**	-				
	(ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)	**-**	-	III	**नियत संपत्तियों पर व्यय एवं पूँजी कार्य प्रगति पर**		
					(क) नियत संपत्तियों की खरीद	**-**	-
III	**निम्न निवेशों से आय**				(ख) पूँजी कार्य की प्रगति पर व्यय	**-**	-
	(क) बैंक डिपौजिट पर	**-**	-				
	(ख) निजी निधि (अन्य निवेश)	**-**	-	IV	**अधिशेष राशि/ ऋण की वापसी**		
					(क) भारत सरकार को	**-**	-
IV	**निम्न निवेशों से आय**				(ख) राज्य सरकार को	**-**	-
	(क) चिह्नित/स्थायी निधि	**-**	-		(ग) फंड्स के अन्य संभरको को	**-**	-
	(ख) ऋण, अग्रिम इत्यादि	**-**	-				
	(ग) बैंक बचत खाते पर	**12,212**	11,891	V	**वित्त प्रभार (ब्याज)**	**-**	-
V	**उधार ली गई राशि**	**-**	-				
				VI	**अन्य भुगतान (उल्लेख करें)**	**-**	-
					- क्रय अग्रिम	**22,000**	34,740
VI	**अन्य प्राप्तियाँ**				- रंगमंडल एवं टाई कलाकार प्रतिभूति जमा	**3,400**	-
	(क) चिह्नित/स्थायी निधि,				- प्रशिक्षु सुरक्षा जमा	**7,500**	14,400
	निधि में जमा राशि	**-**	-		- अवधान राशि एवं पुस्तकालय जमा	**207,000**	234,000
	(ख) बयाना राशि प्राप्त	**-**	-		- मैस सुरक्षा जमा	-	-
	(ग) छात्र, कलाकार एवं अध्येता प्रतिभूति जमा	**-**	-		विविध जमा	**340,000**	50,000
	एवं निवेश	**-**	-		मैस प्रभार	**2,673,557**	3,088,054
	- रंगमंडल एवं संस्कार रंगटोली कलाकार प्रतिभूति जमा	**6,400**	5,200		अग्रिमों की वापसी	-	-

जारी ...

	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	– शिशु अध्येता सुरक्षा जमा	**37,500**	42,825		– छात्रवृत्ति के एवज में छात्र अग्रिम	**206,000**	123,500
	– अवधान राशि एवं पुस्तकालय जमा	**234,000**	243,000		– छात्र मैस अग्रिम	**-**	165,000
	– मैस प्रतिभूति जमा	**-**	-		बैंक प्रभार	**-**	9,847
	– छात्रों का पूर्व जमा व सुरक्षा जमा खाता	**-**	-		लेखा ट्रांन्सफर एवं कान्ट्रा समायोजन	**-**	-
	(घ) आई.सी.सी.आर. छात्रवृत्ति, दक्षिण कोरिया अद्येताओं के लिए छात्रवृत्ति	**-**	-				
	– आई.सी.सी.आर. छात्रवृत्ति, बांग्लादेश	**-**	-				
	(ड.) विविध जमा	**415,000**	710,000				
	(च) अन्य जमा	**-**	-	**VII**	**अंत शेष**		
	(छ) मैस प्रभार	**2,558,369**	2,223,982		(क) हाथ रोकड़	**1,358**	153
	(ज) चिकित्सीय दावों की प्रतिपूर्ति	**-**	-		(ख) बैंक शेष	**-**	-
	(झ) अग्रिमों को वापस लेना				i चालू खाते में	**-**	-
	– छात्रवृत्ति के एवज में छात्र अग्रिम	**208,500**	88,934		ii जमा खाते में	**-**	-
	– छात्रों के मैस अग्रिम	**-**	165,000		iii बचत खाते में	**269,311**	226,077
	– खरीद अग्रिम	**22,000**	24,740				
	j) फुटकर प्राप्तियां	**9,915**	-				
	कुल	**3,730,126**	**3,945,771**		**कुल**	**3,730,126**	**3,945,771**

लेखा एवं वाउचर्स की पुस्तिकाओं के आधार पर संकलित
कृते रजनीश एवं एसोसिएट्स
चार्टेड एकाउटेंट्स

सहयोगी सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.) लेखाधिकारी उप रजिस्ट्रार रजिस्ट्रार प्रभारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 30/05/2019

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 तक सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि का तुलन पत्र

(राशि रुपये)

दायित्व	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		परिसंपत्ति	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि				**निवेश**		
सा.भ.नि./अं.भ.नि. का आरंभिक शेष	**87,832,159**	104,069,277		केनरा बैंक	**60,657,347**	71,600,000
				सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	**-**	-
निधि में जमा				स्टेट बैंक ऑफ पटियाला	**-**	-
1. सा.भ.नि. में कर्मचारी अंशदान	**12,826,131**	13,191,695		यूको बैंक	**11,206,908**	10,663,645
2. सा.भ.नि. खाते में ब्याज जमा	**4,210,132**	5,834,097		न्यू पेंशन स्कीम		
निधि से कटौतियां :						
1. कर्मचारियों और कलाकारों को अंतिम भुगतान	**16,222,610**	28,237,910		**बैंक शेष**		
2. स्टाफ द्वारा अंतिम आहरण	**4,770,000**	7,025,000		हाथ रोकड़	**-**	-
3. अदावित लेखा में स्थानांतरण	**91,619**	-		एस.बी.आई. खाता सं. 01100/400161	**9,521,895**	465,107
सा.भ.नि./अ.भ.नि. का अंत शेष	**83,784,193**	87,832,159				
				ऋण एवं अग्रिम		
नयी पेंशन योजना	**-**	-		सा.भ.नि. अग्रिम	**3,388,549**	3,910,780
				निवेशों पर प्राप्त ब्याज	**10,424,311**	8,645,761
अदावित बकाया	**1,141,368**	1,223,333		रा.ना.वि. से प्राप्य योग्य	**584,831**	3,379,735
				वसूली योग्य आयकर	**-**	-
अविनियोजित ब्याज	**10,858,280**	9,609,536				
कुल	**95,783,841**	**98,665,028**		**कुल**	**95,783,841**	**98,665,028**

लेखा एवं वाउचर्स की पुस्तिकाओं के आधार पर संकलित
कृते रजनीश एवं एसोसिएट्स
चार्टेड एकाउटेंट्स

सहयोगी | सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.) | लेखाधिकारी | उप रजिस्ट्रार | रजिस्ट्रार | प्रभारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 30/05/2019

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 तक सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि का तुलन पत्र

(राशि रुपये)

	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I.	**प्रारंभिक शेष**			I	**व्यय**		
	(क) हाथ रोकड़	-	-		(क) स्थापना व्यय	**-**	-
	(ख) बैंक शेष				(ख) प्रशासनिक व्यय	**1,917**	755
	(i) जमा खाते में	**82,263,645**	100,407,512				
	(ii) बचत खाते में	**465,107**	3,123,942	II	**वित्त प्रभार (ब्याज)**	**-**	-
	(iii) ट्रांजिट में निधि	-	-				
				III	**अन्य भुगतान (उल्लेख करें)**		
II	**प्राप्त अनुदान**				रा.ना.वि. को भुगतान	**-**	-
	(क) भारत सरकार से	-	-		विविध अग्रिम		
	(ख) राज्य सरकारों से	-	-		सा.भ.नि./अ.भ.नि. अग्रिम	**944,895**	1,650,275
	(ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)	-	-		भविष्य निधि		
					- स्टाफ, कलाकारों को अंतिम भुगतान	**16,222,610**	28,446,793
III	**निम्न निवेशों से आय**				- स्टाफ द्वारा अंतिम आहरण	**4,770,000**	7,025,000
	(क) चिह्नित/स्थायी निधि				- अदावित शेषों का भुगतान	**173,584**	-
	(ख) निजी निधि (अन्य निवेश)				वसूली योग्य आयकर		
					न्यू पेंशन योजना	**-**	-
IV	**प्राप्त ब्याज**				रा.ना.वि. से वसूली योग्य	**-**	-
	(क) बैंक जमा राशि पर	**1,111,530**	1,139,354	IV			
	(ख) ऋण, अग्रिम आदि पर	-	-		**अंत शेष**		
	(ग) एफ डी आर के ब्रेक होने पर जमा ब्याज	-	-		(क) हाथ रोकड़	-	-
	(घ) बचत बैंक पर	**185,272**	148,691		(ख) बैंक शेष		
					i) जमा खाते में	**70,063,645**	82,263,645
V	(क) चिन्हित/स्थायी निधि				ii) बचत खाते में	**9,521,895**	465,107
	- कर्मचारियों और कलाकारों से अंशदान	**12,826,131**	13,191,695		iii) ट्रांज़िट में निधि	-	-
	- सा.भ.नि./अं.भ.नि. अग्रिम की वापसी	**1,467,126**	1,840,381				
	(ख) प्राप्त बयाना राशि	**-**	-				
	रा.ना.वि. को देय						

जारी ...

	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	नई पेंशन योजना	-	-				
	रा.ना.वि. से वसूली योग्य राशि	3,379,735	-				
	वसूली योग्य आयकर	-	-				
	कुल	**101,698,546**	**119,851,575**		**कुल**	**101,698,546**	**119,851,575**

लेखा एवं वाउचर्स की पुस्तिकाओं के आधार पर संकलित
कृते रजनीश एवं एसोसिएट्स
चार्टेड एकाउटेंट्स

सहयोगी   सहायक रजिस्ट्रार (लेखा.)   लेखाधिकारी   उप रजिस्ट्रार   रजिस्ट्रार   प्रभारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 30/05/2019

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सोसायटी, नई दिल्ली
31.03.2019 तक निवेश की स्थिति

(राशि रुपये)

क्र.सं.	बैंक का नाम	एफ डी आर/के डी आर संख्या	जारी करने की तिथि	एफ डी आर/ के डी आर राशि	मियाद होने पर /मियाद पूर्व मूल्य	मियाद पूर्ण/ मियाद पूर्व होने की तिथि	उपार्जित ब्याज 31.03.2018 तक	वर्ष के लिए उपार्जित ब्याज	वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	आयकर कटौती वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान	उपार्जित ब्याज 31.3.2019 तक
वर्ष के दौरान बनाया गया एफडीआर - मियाद के लिए संघटित											
1	केनरा बैंक	2417401005702/2	12-सितं-16	9,900,000	12,372,189	12-सितं-19	1,155,566	824,063	-	82,406	1,897,223
2	केनरा बैंक	2417401005702/3	12-सितं-16	9,900,000	12,372,189	12-सितं-19	1,155,566	824,063	-	82,406	1,897,223
3	केनरा बैंक	2417401005702/4	12-सितं-16	9,900,000	12,372,189	12-सितं-19	1,155,566	824,063	-	82,406	1,897,223
4	केनरा बैंक	2417401005702/5	12-सितं-16	9,900,000	12,372,189	12-सितं-19	1,155,566	824,063	-	82,406	1,897,223
5	केनरा बैंक	2417401005702/6	12-सितं-16	9,900,000	12,372,189	12-सितं-19	1,155,566	824,063	-	82,406	1,897,223
6	केनरा बैंक	2417401005702/1	12-सितं-18	11,157,347	12,630,718	12-सितं-20	-	811,363	-	81,136	730,227
7	यूको बैंक	18250310072929	9-दिस-18	11,206,908	11,953,306	9-सितं-19	-	231,077	-	23,108	207,969
		कुल		**71,864,255**	**86,444,969**		**5,777,831**	**5,162,755**	**-**	**516,275**	**10,424,311**
एफडीआर बनाया गया और वर्ष के दौरान मियाद पूर्ण											
1	केनरा बैंक	2417401005702/1	12-सितं-16	9,900,000	11,486,192	12-सितं-18	1,155,566	430,626	1,586,192	43,063	-
2	यूको बैंक	18250310072929	9-दिस-17	10,663,645	11,206,908	9-दिस-18	288,333	254,930	543,263	25,493	-
3	केनरा बैंक	2417401005702/7	12-सितं-16	9,900,000	12,372,189	12-सितं-19	1,155,566	-251,811	903,755	-	-
4	केनरा बैंक	2417401005702/8	12-सितं-16	2,300,000	2,874,348	12-सितं-19	268,464	-60,689	207,775	-	-
		कुल		**32,763,645**	**37,939,637**		**2,867,929**	**373,056**	**3,240,985**	**68,556**	**-**

31.3.2019 को समाप्त अवधि के लिए वित्तीय लेखा का सूची भाग

अनुसूची 26 - विशिष्ट लेखा नीति

1. लेखा पद्धति

जब तक लेखा की उपार्जित पद्धति न दी गई हो वित्तीय विवरण परंपरागत पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

2. निवेश

2.1 निवेश जो कि ''दीर्घावधि निवेश'' के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं, लागत पर आधारित हैं। अस्थायी के अतिरिक्त हानि का प्रावधान ऐसे निवेशों के मूल्यों से किया जाता है।

2.2 निवेश जो कि ''चल निवेश'' के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं वे लागत से कम एवं स्पष्ट मूल्य से किये जाते हैं। ऐसे निवेशों के मूल्यों पर न्यूनता के लिए प्रत्येक निवेश हेतु प्रावधान एक-एक करके किया जाता है न कि व्यापक आधार पर।

2.3 मूल्य में अधिकरण/ अर्जन व्यय जैसे दलाली, स्टाम्प अंतरण शामिल है।

3 नियत संपत्तियाँ

3.1 नियत संपत्तियाँ के अर्जन के मूल्य को संचित मूल्य ह्रास कम कर दिखाया जाता है। जिसमें आन्तरिक भाड़ा शुल्क, ड्यूटी एवं कर व अर्जन से संबंधित आकस्मिक व प्रत्यक्ष व्यय शामिल हैं। ऐसी परियोजनाएं जिनमें निर्माण कार्य, पूर्व परिचालित व्यय (विशेष परियोजना पूर्ण होने से पहले दिए गए ऋण पर ब्याज को शामिल करते हुए) शामिल हैं, वे संपत्तियों के मूल्य के भाग के रूप में परिणत होती हैं।

3.2 नियत संपत्तियां जो कि संग्रहित निधि के अलावा गैर वित्तीय अनुदान के ज़रिए प्राप्त होती हैं दिए गए मूल्यों में पंजीकृत की जाती हैं जो कि आरक्षित पूंजी के समरूप जमा होती हैं।

3.3 वर्ष के दौरान प्रत्येक व्यक्ति की निर्धारित संपत्तियां जिनकी राशि रु. 5,000/- या उससे कम है उनकी आय एवं व्यय लेखा का प्रभार लिया जाएगा।

4. वस्तु सूची का मूल्य निर्धारण

वस्तु सूची का मूल्य निर्धारण खरीद की वास्तविक लागत से किया जाता है। वस्तु सूची की लागत जिसकी वसूली नहीं की जा सकती, उसका राजस्व में से प्रभार लिया जाता है।

5. मूल्य ह्रास

आयकर नियम के प्रावधानों के अनुरूप ही मूल्यह्रास दर्शाया जाता है और ये मूल्यह्रास की लिखित पद्धति पर इसमें दी गई दरों पर आधारित होता है। संबंधित नियत संपत्तियों के अधिग्रहण के वर्ष में पूरे वर्ष के लिए मूल्य ह्रास का प्रभार यथानुपात लिया जाएगा।

6. फुटकर व्यय

अस्थगित राज्स्व व्यय जिस वर्ष से लिया जाता है उसे उस अवधि से 5 वर्ष की अवधि तक बट्टे खाते में डाल दिया जाता है।

7. सरकारी अनुदान/उपदान

7.1 प्रोजेक्ट्स को तैयार करने में लागत पूंजी जिस सरकारी अनुदान से अंशदान के रूप में दी गई है उसे आरक्षित पूंजी के रूप में माना जाता है।

7.2 सरकारी अनुदान/ उपदान वसूली के आधार पर लिया जाता है।

8. विदेशी मुद्रा संचालन

8.1 विदेशी मुद्रा में अंकित मूल्य, वर्तमान में मौजूद विनिमय की दर पर लेन-देन की तिथि से प्रभावी माना जाता है।

8.2 चालू संपत्तियां, विदेशी मुद्रा ऋण और चालू दायित्व जो कि वर्ष के अंत में मौजूदा विनिमय दर पर परिवर्तित किए जाते हैं और यदि विदेशी मुद्रा दायित्व, नियत संपत्तियों और अन्य मामले जो कि राजस्व से संबंधित है, तब परिणामस्वरूप प्राप्त लाभ/हानि का समायोजन नियत संपत्तियों के मूल्य से किया जाता है।

9. सेवानिवृति लाभ

मृत्यु/सेवानिवृत पर दिए जाने वाला उपदान एवं विद्यालय के कर्मचारियों की जमा छुट्टियों को भुनाने के लाभ नकद आधार पर किए जाते हैं।

अनुसूची 27 – 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए आकस्मिक दायित्व और लेखा पर टिप्पणी

क. आकस्मिक दायित्व

1. आकस्मिक दायित्व

1.1 विद्यालय पर दावे जो कि ऋण रूप में नहीं माने गए हैं – रुपये शून्य (पिछले वर्ष – रु. **शून्य**)

1.2 निम्न के संबंध में

- विद्यालय द्वारा/विद्यालय की तरफ से दी गई बैंक गारंटी – रुपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये **शून्य)**
- विद्यालय की ओर से बैंक द्वारा खोले गए जमा पत्र – रुपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये **शून्य)**
- बैंकों से बिलों में दी गई छूट – रुपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये **शून्य)**

1.3 निम्न के संबंध में विवादित माँग

आयकर–रुपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये **शून्य**)

बिक्री कर–रुपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये **शून्य**)

नगर पालिका कर रुपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये **शून्य**)

1.4 पार्टियों द्वारा आदेशों के गैर निष्पादन लेकिन विद्यालय द्वारा विरोधित दावों के संबंध में रुपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये **शून्य**)

2. पूँजी सुपुर्दगी

पूँजी खाते में से संविदाएँ जो कि निष्पादित करनी रह रही हैं और उपलब्ध नहीं करवाई गई हैं का अनुमानित मूल्य (अग्रिम का शुद्ध मूल्य)– रूपये शून्य (पिछले वर्ष रुपये **शून्य**)

ख. लेखाओं की टिप्पणियाँ

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक पंजीकृत सोसाइटी है और पूर्णत: भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। अत: इसकी लेखा योजनाएँ अधिकतर जी एफ आर और आर एंड पी नियमों पर आधारित है। विद्यालय के लेखा सिद्धांत व योजनाएँ संक्षिप्त रूप में निम्न प्रकार से हैं :–

1. चालू संपत्तियाँ, ऋण और अग्रिम

प्रबंधन के अनुसार चालू संपत्तियां, ऋण और अग्रिम की व्यापार के साधारण क्रम में वसूली कम से कम तुलन पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर होती है। 31.3.2019 को खरीद अग्रिम का शेष मुख्यत: हाल की अवधि की अंतिम तिमाही में आयोजित किए जाने वाले रंगमंच उत्सवों और अन्य नाटकों के प्रस्तुति कार्यक्रम इत्यादि के लिए कर्मचारियों/रंगमंच समूहों/रंगमंच कार्यशालाओं के कैंप निर्देशकों को दिए जाने वाले अग्रिम हैं।

2. कराधान

आयकर अधिनियम 1961 के तहत गैर कराधीन आय को ध्यान में रखते हुए आयकर का कोई भी प्रावधान जरूरी नहीं माना गया है। विद्यालय को आयकर निदेशालय (रियायत) द्वारा आयकर नियम 12 'ए' के अंतर्गत आदेश सं. डी आई टी (ई)/12 ए/2005–06/ एन–873/1264 दिनांक 15.12.2005 से पंजीकृत किया गया है जो कि आयकर निदेशक (रियायत) द्वारा 01.04.2005 से लागू है।

3. विदेशी मुद्रा का लेन-देन

3.1 सीआईएफ के आधार पर आयात के मूल्य पर की गई गणना

तैयार माल की खरीद	
कच्चा माल एवं इससे संबंधित अन्य सामग्री	**शून्य**
(लाने-ले जाने के प्रभार को शामिल करते हुए)	**शून्य**
पूँजीगत माल	**शून्य**
जमा किया गया, अतिरिक्त एवं खपत माल	**शून्य**

3.2 विदेशी मुद्रा में व्यय

(क) यात्राएँ	शून्य
(ख) टीए/डीए	रु. 1,59,709/-
(ग) विदेशी समूहों को प्रदर्शन शुल्क	रु. 70,19,004/-
(घ) वित्तीय संस्थान/बैंक को प्रेषित धन एवं ब्याज का भुगतान विदेशी मुद्रा में	**शून्य**
(ग) अन्य व्यय	शून्य
बिक्री पर कमीशन	**शून्य**
वैधिक व व्यावसायिक व्यय	**शून्य**
फुटकर व्यय	**शून्य**

3.3 उपार्जित राशि

एफओबी आधार पर निर्यात का मूल्य	शून्य
सेवाओं का मूल्य	**शून्य**

4. हमारे विद्यालय पर लागू होने वाले वित्तीय विवरण को सी ए जी द्वारा दिए गए निर्धारित प्रपत्र में दर्शाया गया है।

5. मृत्यु/सेवानिवृत्ति पर देय उपदान एवं जमा की गई छुटियों के नकदीकरण के लाभ के प्रति दायित्व सेवानिवृति के वर्ष में ही भुगतान के आधार पर ही माना गया है और इन दायित्वों को पूरा करने के लिए फंड के आवश्यक प्रावधान संबंधित वर्ष के गैर-योजना सहायता अनुदान (आवर्ती) के बजट में माना गया है। सेवानिवृत कर्मचारियों और उनके परिवारों की मासिक पेंशन स्थापना व्यय से मानी जाती है जिसके लिए बजट में प्रावधान किया गया है।

6. निधि के स्त्रोत

विद्यालय के गैर योजना और योजना बजट से प्राप्त निधि को निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया गया है :-

(क) संस्कृति विभाग, भारत सरकार से प्राप्त कुल अनुदान

(ख) फुटकर प्राप्तियाँ

शिक्षा शुल्क, छात्रावास किराया व अन्य प्रभार, अतिथि गृह किराया, किराए पर लिए गए प्रेक्षागृह और थियेटर टिकट बिक्री, प्रदर्शन शुल्क, सा.भ.नि./अ.भ.नि. के निवेश पर ब्याज, अप्रायोज्य वस्तुओं/सामग्री का निपटान, प्रोस्पैक्टस बिक्री, कैसेट बिक्री और प्रकाशन बिक्री और अन्य पुस्तक घर काउन्टर बिक्री इत्यादि से फुटकर प्राप्ति।

7. उपहार पूँजी

कुछ विशेषज्ञ/ भारत और विदेशी संगठन, पुस्तकें, उपकरण, साज-सामान आदि विद्यालय को उपहार स्वरूप देते हैं। इस

प्रकार की वस्तुओं का अनुमानित मूल्य भी विद्यालय के लेखा में सम्मिलत है।

8. निर्माण संविदा

संबंधित के.लो.नि.वि. से कार्य का अनुमानित व्यय प्राप्त होने पर विद्यालय के निदेशक महोदय द्वारा प्रशासनिक अनुमोदन दिये जाने पर निधि को पूर्व जमा कर सी.पी.डब्ल्यू.डी. को हस्तांतरित कर विद्यालय की मरम्मत अनुरक्षण और अस्थाई ढांचों का परिसंपत्तियों के लिए निर्माण कार्य संबंधित के.लो.नि.वि. को सौंपा जाता है।

9. पूंजी अनुदान

वर्ष के दौरान विद्यालय को रानावि के प्रलेखन एवं लेखागार ईकाई द्वारा आवश्यक नियत परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए प्रयोग किये गये उपकरणों के रूप में जिनका प्रयोग किया गया है, के लिए पूंजी परिसंपत्ति का निर्माण करने हेतु एवं अन्य परिसंपत्तियों के लिए संस्कृति मंत्रालय द्वारा रु. 8.97 करोड़ की राशि की पूंजी का अनुदान प्राप्त हुआ है (रानावि परिसर प्रोजैक्ट का के.लो.नि.वि. द्वारा पुनर विकास)

10. क्रय अग्रिम

वर्ष के दौरान क्रय अग्रिम जिसमें रंगमंच कार्यशाला, उत्सवों, प्रस्तुतियाँ और आदान-प्रदान कार्यक्रम इत्यादि के संचालन के लिए अग्रिम शामिल हैं, को व्यय में दर्शाया गया है हालांकि इसे विवरण और दस्तावेजों के अभाव में व्यय नहीं माना गया है।

11. सा.भ.नि./अ.भ.नि. निवेश

विद्यालय के नियमित स्टाफ को सेवानिवृति पर पेंशन लाभ दिया जाता है और अनुबंधित आधार पर रखा गया स्टॉफ जैसे रंगमंडल/संस्कार रंगटोली के ग्रेड ए व बी के कलाकारों को अंशदान भविष्य निधि नियम के अनुसार अ.भ.नि. स्कूल अंशदान का लाभ दिया जाता है।

विद्यालय का भारतीय स्टेट बैंक, संसद मार्ग, नई दिल्ली में सा.भ.नि./अ.भ.नि. के लिए बचत खाता संख्या 11084240331 है। सा.भ.नि. खाते के लिए एक अलग से कैश बुक बनाई गई है। सा.भ.नि./अ.भ.नि. खाते पर ब्याज की वित्तीय वर्ष में 31 मार्च तक गणना की जाती है और उस राशि को सा.भ.नि./अ.भ.नि. में जमा किया जाता है। सा.भ.नि./अ.भ.नि. अंशदान का निवेश

पटियाला स्टेट बैंक, केनरा बैंक, आंध्रा बैंक में के डी आर/एफ डी आर एस/ टी डी आर एस के रूप में मौजूदा ब्याज की दर पर किया जाता है। निवेश पर प्राप्त ब्याज सा.भ.नि./अ.भ.नि. निवेश खाते पर प्राप्त ब्याज होता है। कुछ राशि को बचत खाते में रखा जाता है जिससे कि अंशदाताओं द्वारा लिये जाने वाले सा.भ.नि./अ.भ.नि. अग्रिमों का भुगतान किया जा सके। इस खाते के लिए आर एंड पी खाता और तुलन पत्र अलग से तैयार किया जाता है।

12. अन्य निवेश

लिगेसी निधि (Legacy Fund) एफ डी आर के रूप में आन्ध्रा बैंक में निवेश की गई थी और ''लिगेसी निधि'' खाते में हर तिमाही में ब्याज जमा होता है।

13. छात्र और कलाकार निधि

विद्यालय द्वारा छात्रों और कलाकारों के लिए सुरक्षा जमा हेतु राज्य अकादमियों, संस्कृति विभाग, भारत सरकार से प्राप्त छात्रवृत्तियाँ, अन्य जमा, मैस जमा और छात्रवृत्ति अग्रिम इत्यादि के लिए दो अलग-अलग बैंक खाते रखे गए हैं। इन निधियों के लिए आर एंड पी खाता तैयार किया गया है।

14. नकद पुस्तिका एवं संबंधित अभिलेख

प्रत्येक निधि के लिए नकद वाउचर के साथ अलग से बनाई गई नकद पुस्तिका एवं अन्य अभिलेख निम्न प्रकार से हैं।

(i) नकद पुस्तिका – उत्तर पूर्व

(ii) नकद पुस्तिका – राजस्व (सामान्य)

(iii) नकद पुस्तिका – छात्र निधि (सी ए II)

(iv) नकद पुस्तिका – सा.भ.नि./अं.भ.नि. खाता

15. 31.3.2018 को बकाया दायित्व वर्ष 2018-19 के दौरान समाप्त कर दिए गए हैं और 31.3.3019 को नए दायित्व सु. निश्चित कर दिए गए हैं और ये ही लेखा पुस्तिका में दिए गए हैं।

16. संयुक्त सर्विस पार्टिज से वसूली योग्य सं. 20,69,914/- की राशि कथित पार्टिज से पुष्टि होने पर है जो कि रानावि परिसर से कार्य करती हैं।

17. नियमानुसार, राजस्व सामान्य के अंतर्गत थियेटर ओलम्पिक्स, 2018 के लिए अनुदान जो है, उसमें से दिनांक 31.03.2019 को अव्ययित अनुदान को राजस्व सामान्य अनुदान के एक अंश एवं पार्सल के रूप में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त वर्ष के दौरान 7वें वेतन आयोग का एरियर और नियमित स्टाफ का बढ़ा हुआ वेतन और अन्य वेतन व्यय जो कि संशोधित आकलन (आर ई-2018-19) में वेतन अनुदान कम होने के कारण रु. 4.37 करोड़ रहा और अनुमोदित योजना बजट जिसमें रु. 3.67 करोड़ का अग्रिम भुगतान शामिल है उसे अस्थायी रूप से उपलब्ध फंड राशि से संस्कृति मंत्रालय से अतिरिक्त फंड को व्यय करने की रसीद भी रसीद भी शामिल की जाएगी, जिसके लिए अनुरोध पहले से किया गया है।

18. वर्ष के दौरान सुश्री वीणा सहरावत, वार्डन-कम-मैस सुपरवाइजर पर रु. 4,28,413/- की पैनल्टी लगाई गई और इसकी वसूली इनके सेवानिवृत्ति के देय लाभों (ग्रैज्युटी) से की गई जो एक कार्यालय आदेश सं. 16(3)/2011-रानावि (प्रशा.)/9630 दिनांक 31/3/2018 के अनुसार है। उक्त वसूली के विरूद्ध सुश्री सहरावत ने दिल्ली के उच्च न्यायालय में केस फाइल किया है।

19. वर्ष के दौरान, 7वें वेतन आयोग के अनुसार संस्कृति मंत्रालय के अनुमोदन द्वारा विद्यालय के नियमित कर्मचारियों को रु. 3,30,71,692/- की राशि का वेतन दिया गया जिसमें कि दिनांक 01/01/2016 के एरियर की राशि रु. 2,31,18,372/- शामिल है। इसके अतिरिक्त, दिनांक 31/3/2019 तक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दिए जाने वाली 7वें वेतन आयोग की राशि रु. 3,24,99,355/- को दिए जाने का दायित्व लेखा की पुस्तकों में उल्लेखित किया गया है। इस राशि में एरियर शामिल है। उक्त राशि संस्कृति मंत्रालय द्वारा अतिरिक्त अनुदान के रूप में प्राप्त है।

20. तुलन पत्र में अनुसूची में दर्शाए गए सी डब्ल्यू आई पी का विभाजन दिनांक 31.3.2019 पर निम्न प्रकार से है -

क्रम सं.	विवरण	राशि
1.	सिविल इलैक्ट्रीकल विभाग (सी पी डब्ल्यु डी)	18,71,156/-
2.	रानावि परिसर का पुनर्विकास	35,96,53,992/-
3.	पुरुष छात्रावास बनाने के लिए पी डब्ल्यू डी बैंगलोर	1,00,65,009/-
4.	**कुल**	**37,15,90,157/-**

26. आंकड़ों को निकटतम राशि के समीप राउंड ऑफ कर दिया गया है। 1 से 27 अनुसूची को अंत में जोड़ा गया है जो कि दिनांक 31.03.2019 पर तैयार होने वाले तुलन पत्र का एक महत्वपूर्ण अंश है और वह लेखा-जोखा उस तारीख पर समाप्त होने वाली वर्ष की आय एवं व्यय को दर्शाता है।

NATIONAL SCHOOL OF DRAMA

An autonomous Institution of the Ministry of Culture, Govt. of India

Bahawalpur House, Bhagwandas Road, New Delhi-110001 (INDIA)
E-mail: nationalschoolofdrama@gmail.com, Website: www.nsd.gov.in